PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 वर्ष:01 अंक:85 सोमवार,01 दिसंबर Email:vananchaleye@gmail.com

वनांचल आई

जीत का जश्न टीम इंडिया ने सीरीज में 1-0 की बनाई बढ़त

भारत ने साउथ अफ्रीका को 17 रनों से दी मात

सीरीज के पहले वनडे में विराट कोहली ने जड़ा शतक, रोहित शर्मा ने रचा इतिहास

संवाददाता

रांची। विराट कोहली के 52वें वनडे शतक और रोहित शर्मा व केएल राहुल के अर्धशतकों के बाद कुलदीप यादव की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत भारत ने सीरीज के पहले वनडे में दक्षिण अफ्रीका को 17 रन से हराकर तीन मैचों की वन डे सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। 350 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने शुरूआती तीन विकेट सिर्फ 7 रन पर खो दिए, लेकिन मैथ्यू ब्रीट्जके, मार्को यानसन और कॉर्बिन बॉश ने भारत को अंत तक दबाव में रखा। भारत की तेज शुरूआत, कोहली- रोहित की शतकीय साझेदारी टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरूआत दमदार रही। यशस्वी जायसवाल ने पहली ही गेंद पर चौका लगाया, लेकिन नांद्रे बर्गर ने उन्हें जल्द ही पवेलियन भेज दिया। रोहित शर्मा को भी जीवनदान मिला जिसका उन्होंने पूरा फायदा उठाया। रोहित और कोहली ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए

पावरप्ले में 80 रन जोड़े और जल्द ही शतकीय साझेदारी भी पूरी हुई। इस दौरान रोहित (57) ने वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड तोड़ा। कोहली ने अपनी लय बनाए रखी और 135 रन की बेहतरीन पारी खेली। राहुल (60) ने अंत में तेजी से रन जोड़ते हुए भारत को 349/8 तक पहुंचाया। कॉर्बिन बॉश ने आखिरी ओवरों में शानदार गेंदबाजी कर भारत को 350 तक पहुंचने से रोक दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की शुरूआत बेहद खराब रही। हर्षित राणा ने पहली ही ओवर में रयान रिकेलटन और क्विंटन डी कॉक को आउट किया, जबकि अर्शदीप सिंह ने कप्तान एडेन मार्करम को चलता किया। लेकिन ब्रीट्जके और टोनी डी जोरजी ने आक्रामक अंदाज में खेलते हुए टीम की वापसी कराई। कुलदीप यादव ने आते ही डी जोरजी को एलबीडब्ल्यू कर भारत को राहत दिलाई। डेवाल्ड ब्रेविस ने भी ताबड़तोड़ छक्के लगाए, लेकिन उनकी आक्रामकता ही उनके आउट होने का कारण बनी। जब लग रहा था कि मैच भारत की पकड़ में है, तभी मार्को यानसन ने 26 गेंदों पर अर्धशतक जड़ते हुए भारतीय खेमे में खलबली मचा दी। कुलदीप ने एक ही ओवर में यानसन और ब्रीट्जके दोनों को आउट कर मैच पलटा, लेकिन कॉर्बिन बॉश ने संघर्ष जारी रखा। बॉश ने धुआंधार 67 रन ठोककर मैच को आखिरी ओवर तक रोमांचक बनाए रखा। दक्षिण अफ्रीका को अंतिम ओवर में 18 रन चाहिए थे, लेकिन बॉश पांचवीं गेंद पर कैच दे बैठे और पूरी टीम332 पर सिमट गई।

सचिन से आगे निकले विराट

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए इस मैच में विराट कोहली ने अपने वनडे करियर का 52वां शतक लगाकर इतिहास रच दिया। वे अब किसी एक फॉर्मेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। रोहित शर्मा और विराट कोहली की जोड़ी अब एक साथ भारत के लिए सबसे ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेलने वाली जोड़ी बन गई। दोनों ने साथ में 392वां मैच खेला। दुनिया की सबसे सफल जोड़ियों की बात करें तो रिकॉर्ड में सबसे ऊपर श्रीलंका के महेला जयवर्धने और कुमार संगकारा हैं, जिन्होंने साथ में 550 मैच खेले। भारतीय जोड़ियों में रोहित-विराट के बाद सचिन तेंदुलकर-राहुल द्रविड़ की जोड़ी आती है, जिन्होंने 391 मैच एक साथ खेले।

सर्वदलीय बैठक में विपक्ष का तीखा तेवर, केन्द्र सरकार के सामने उठाए ये अहम मुद्दे

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र से पहले हुई सर्वदलीय बैठक में विपक्ष ने वोटर लिस्ट, दिल्ली बम धमाके और विदेश नीति जैसे अहम मुद्दे उठाए, जबकि सरकार ने सत्र की सुचारू कार्यवाही के लिए सहयोग मांगा। सत्र की कम अवधि (15 बैठकें) को लेकर कांग्रेस ने सरकार पर संसद को बाधित करने का आरोप लगाया, वहीं संसदीय कार्य मंत्री ने संयम बरतने की अपील की। संसद के शीतकालीन सत्र से एक दिन पहले, रविवार को केंद्र सरकार ने एक सर्वदलीय बैठक बुलाई। इस छोटी लेकिन बेहद महत्वपूर्ण बैठक में सभी राजनीतिक दलों के नेताओं ने हिस्सा लिया। विपक्ष के मुद्दे और सरकार की चिंता : संसद भवन में हुई इस बैठक में, विपक्ष ने कई अहम मुद्दे उठाए जिन्हें वे सदन के

अंदर उठाना चाहते हैं। इनमें वोटर लिस्ट का स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन, हाल ही में दिल्ली में हुए बम धमाके और विदेश नीति से जुड़ी मुख्य चिंताएं शामिल हैं। वहीं, सरकार ने अपनी कानूनी प्राथमिकताएं बताईं और सत्र की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने के लिए सभी दलों से सहयोग मांगा। हालांकि, बैठक के बाद, कांग्रेस ने सत्र की छोटी अवधि (केवल 15 बैठकें) का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि सरकार 'संसद को पटरी से उतारने पर आमादा' लग रही है। सत्र की अवधि : संसद का शीतकालीन सत्र सोमवार से शुरू होगा और 19 दिसंबर को समाप्त होगा। इस सत्र में कुल 15 बैठकें होंगी, जो आम तौर पर होने वाली 20 बैठकों से काफी कम हैं और यह हाल के सालों के सबसे छोटे सत्रों में से एक है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बैठक से पहले सभी से संयम बरतने की अपील की। उन्होंने कहा, 'यह सर्दियों का मौसम है, हम उम्मीद करते हैं कि हर कोई ठंडे दिमाग से काम करेगा और गरमागरम बहस से बचेगा... शांत दिमाग से काम करने से देश को फायदा होगा।' सरकार इस सत्र में कुल 14 बिल पेश करने की तैयारी में है, जिनमें कुछ बड़े और ढांचागत सुधार वाले बिल शामिल हैं। परमाणु ऊर्जा बिल, 2025 : इसका उद्देश्य परमाणु क्षेत्र में निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देना है। यह यूनिवर्सिटीज और उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए एक केंद्रीय आयोग बनाने का प्रस्ताव करता ह

धनबाद में पश्चिम बंगाल पुलिस भर्ती परीक्षा का भंडाफोड़, रैकेट को पुलिस ने दबोचा, जांच शुरू

परीक्षा बंगाल में, उत्तर रटवाया झारखंड में, 17 गिरफ्तार प्रवर बाणी संवाददाता

एजेंसी

धनबाद : झारखंड पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर चलाए जा रहे एंटी क्राइम चेकिंग अभियान के दौरान धनबाद पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। 29 नवंबर को झरिया थाना क्षेत्र के घनुवाडीह पुल के पास चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध स्कॉर्पियो को रोककर पूछताछ की गई। वाहन में सवार लोगों से पूछताछ में पता चला कि पश्चिम बंगाल में आयोजित होने वाली पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा में बड़े स्तर पर फजीर्वाड़ा करने के लिए एक संगठित रैकेट सक्रिय है, जो झरिया के एक लॉज में बंगाल से लाए गए अभ्यर्थियों को रखकर प्रश्नपत्र और उत्तर याद करवाने का काम कर रहा था। रविवार के इस संबंध जानकारी देते

हुए धनबाद के सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने झरिया स्थित बंधन लॉज में त्वरित छापामारी की, जहां से फजीर्वाड़े का पूरा नेटवर्क उजागर हुआ। मौके से भारी मात्रा में प्रवेश पत्र, नोट्स, रजिस्टर, मोबाइल फोन, कलाई घड़ियां, अभ्यर्थियों के मूल शैक्षणिक प्रमाण पत्र, पहचान पत्र और बैंकिंग से जुड़े दस्तावेज बरामद किए गए। सभी दस्तावेज रैकेट के सदस्य अपने कब्जे में रखकर परीक्षा को प्रभावित करने की योजना बना रहे थे। कार्रवाई के दौरान कुल 17 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें अधिकांश पश्चिम बंगाल के नदिया, राणाघाट, चाकदाहा और हसखली क्षेत्रों के निवासी हैं, जबकि एक आरोपी धनबाद का भी है। पुलिस जांच में यह बात सामने आई है कि यह गिरोह कई अभ्यर्थियों को गलत तरीके से परीक्षा में सफलता दिलाने के लिए बड़े स्तर पर संचालन कर रहा था। उन्होंने बताया कि, यह पूरे नेटवर्क पर की गई एक बड़ी कार्रवाई है और इस फजीर्वाड़े से जुड़े सभी पहलुओंकी गहन जांच की जा रही है।सभी दस्तावेज रैकेट के सदस्य अपने कब्जे में रखकर परीक्षा को प्रभावित करने की योजना बना रहे थे। कार्रवाई के दौरान कुल 17 लोगों को गिरफ्तार किया गया है,

मन की बात प्रधानमंत्री ने लोगों को काशी तमिल संगम के लिए किया आमंत्रित, कहा

तमिल भाषा और संस्कृति से जुड़े लोगों के लिए बना महत्वपूर्ण मंच

एजेंसी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में लोगों को दो से 15 दिसंबर तक काशी में आयोजित होने वाले चौथे काशी तमिल संगमम में आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि यह संगमम तमिल भाषा और संस्कृति से जुड़े लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बन चुका है। उन्होंने जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति को तंजावुर की चोलकालीन कला पर आधारित नटराज की कांस्य प्रतिमा भेंट किए जाने का भी कार्यक्रम के दौरान उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' के 128वें एपिसोड में कहा कि विश्व की सबसे पुरानी भाषा और विश्व के सबसे प्राचीन शहरों में से एक शहर दोनों का संगम हमेशा अद्भुत होता है। इस बार के काशी-तमिल संगमम की थीम तमिल सिखो (तमिल करकलम) है। उन्होंने कहा,

'वोकल फॉर लोकल' को लोगों ने जीवन का बनाया हिस्सा

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में 'वोकल फॉर लोकल' की भावना तेजी से बढ़ रही है और इसे जनता ने अपने जीवन का हिस्सा बना लिया है। उन्होंने बताया कि जी-20 शिखर सम्मेलन में विदेशी नेताओं को दिए गए उपहारों में भी भारत की विविध शिल्पकला को प्रमुखता दी गई। विभिन्न राज्यों की पारंपरिक कलाओं से बने उपहारों का उद्देश्य भारतीय कारीगरों की प्रतिभा को वैश्विक पहचान दिलाना था। उन्होंने त्योहारों और आने वाले अवसरों पर खरीदारी करते समय स्वदेशी उत्पाद चुनने का आग्रह दोहराया।

'आप सभी से आग्रह है कि आप काशी-तमिल संगमम का हिस्सा जरूर बनें। इसके साथ ही ऐसे और भी मंचों के बारे में सोचें, जिनसे 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना मजबूत हो।.. तमिल कलाच्चारम उयर्वानद्, तमिल मोलि उयर्वानद्, तमिल इन्दियाविन पेरूमिदम।' प्रधानमंत्री ने बौद्ध अवेशेषों को दुनिया के कई देशों में ले जाए जाने को भाव विभोर कर देने वाला बताया। उन्होंने कहा कि भूटान के लोग भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष भेजे जाने को लेकर भारतवासियों का आभार जता रहे थे। ऐसा ही उत्साह कई अन्य देशों में देखने को मिला। पवित्र अवशेषों को रूस के कलमीकिया, मंगोलिया, वियतनाम और थाइलैंड भी ले जाया जा चुका है। उन्होंने कहा कि पूरे विश्व में भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों के प्रति इस प्रकार का गहरा जुड़ाव देखकर मन भावों से भर उठता है। यह सुनकर बहुत अच्छा लगता है कि कैसे इस तरह की कोई पहल दुनियाभर के लोगों को आपस में जोड़ने का माध्यम बन जाती है। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने पुणे के युवाओं की इसरो द्वारा आयोजित ड्रोन प्रतियोगिता में मिली उपलब्धि का उल्लेख किया।रचा नया इतिहास प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय खेलों के लिए महीना बेहद शानदार रहा। इसकी शुरूआत महिला क्रिकेट टीम के आईसीसी महिला विश्व कप जीतने से हुई, जिसके बाद टोक्यो में हुए डेफ ओलंपिक्स में भारत ने अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 20 पदक जीते। महिला खिलाड़ियों ने कबड्डी वर्ल्ड कप जीतकर नया इतिहास रचा, जबकि विश्व बॉक्सिंग कप फाइनल्स में भी भारतीय खिलाड़ियों ने 20 पदक हासिल किए।

नेशनल हेराल्ड केस में ईडी की शिकायत के बाद कार्रवाई

एजेंसी

रविवार को एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट (ईडी) की शिकायत के बाद दिल्ली पुलिस की इकोनामिक ऑफेंस विंग यानी आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ नई एफआईआर दर्ज की है। संसद का शीतकालीन सत्र शुरू होने के ठीक एक दिन पहले यह कार्रवाई की गई है। इस मामले में सोनिया और राहुल के अलावा आरोपियों में छह अन्य लोग और तीन कंपनियों के नाम शामिल हैं। ये तीन कंपनियां हैं- एजेएल, डोटेक्स मर्चेंडाइज और यंग इंडियन। इन सभी पर एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) को धोखाधड़ी से हासिल करने का आरोप है। आरोपियों में से मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडीज की मौत हो चुकी है। कांग्रेस ने आरोपों

को राजनीतिक बदले की कार्रवाई बताया है और कहा है कि उन्हेंएफआईआर की जानकारी नहीं है।शिकायत के मुताबिक, 2010 में एजेएल के पास करीब 2000 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियां थीं। कोलकाता की डोटेक्स मर्चेंडाइज ने यंग इंडियन को एक करोड़ रुपये दिए, जिसके बाद यंग इंडियन ने कांग्रेस को 50 लाख रुपये चुकाकर एजेएल पर नियंत्रणहासिल किया। यंग इंडियन में राहुल और सोनिया गांधी की 76प्रतिशत हिस्सेदारी है। इस मामले में पहले ही एफआईआर 3 अक्टूबर को ईडी की हेडक्वार्टर्स इन्वेस्टिगेशन यूनिट (एचआईयू) की शिकायत पर दर्ज की गई थी। ईडी ने 2008 से 2024 तक कीअपनी जांच रिपोर्ट साझा की थी।गौरतलब है कि भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने 2012 में दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट में एक याचिका दाखिल करते हुए सोनिया गांधी, राहुल गांधी और कांग्रेस के ही मोतीलाल वोरा,

पेडिकॉन 2025 का समापन : चिकित्सकीय योगदान के लिए डॉ. सुनीता कात्यायनी को सम्मान

रांची, संवाददाता

रांची। 24वां झारखंड पेडिकॉन-2025 का रविवार को शाम समापन हो गया. इंडियन एकेडमिक ऑफ पीडियाट्रिक्स (आईएपी) की रांची शाखा द्वारा ओरमांझी स्थित रिसॉर्ट में इसका आयोजन किया गया. इस तीन दिवसीय कार्यशाला एवं कांफ्रेंस में झारखंड और देशभर के 300 शिशु रोग विशेषज्ञों ने भाग लिया. कॉन्फ्रेंस के दौरान नवजात, शिशु एवं बाल रोगों के चिकित्सा के क्षेत्र में आ रहे नए-नए बदलाव पर अपने-अपने विचार रखें. देश के कई शिशु एवं नियोनेटल स्पेशलिस्ट ने अपने-अपने व्याख्यान में युवा चिकित्सकों को चिकित्सा के नवीनतम पद्धतियों से अवगत कराया. विशेषज्ञों ने आधुनिकतम चिकित्सा पद्धतियों से संबंधित अनुभवों को भी साझा किया. पेडिकॉन 2025 के अंतिम दिन आज रविवार को रांची की वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. सुनीता कात्यायनी को उनके चिकित्सकीय योगदान के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया.

पेडिकॉन 2025 का समापन

वहीं कॉन्फ्रेंस के आयोजन सचिव डॉ राजेश कुमार 'बालपन' ने देशभर से आए शिशु रोग विशेषज्ञों का स्वागत किया. इस कॉफ्रेंस में इंडियन एकेडमिक ऑफ पीडियाट्रिक्स (आईएपी) के नेशनल प्रेसिडेंट डॉ बसंत कलतकर, डॉ नीलम मोहन, जयपुर से डॉ शिवराज सिंह, पटना से डॉ विकास राज समेत कई वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ बच्चों के स्वास्थ्य संबंधित अपने-अपने विचार रखें. शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रशांत साबोत ने झारखंड में बच्चों के स्वास्थ्य और राज्य के चाइल्ड अस्पतालों की सराहना की. उन्होंने बताया कि झारखंड में बच्चों के स्वास्थ्य क्षेत्र में बेहतर काम किया जा रहा है. जिसका परिणाम आने वाले दिनों में देखने को मिलेगा. राजस्थान की राजधानी जयपुर से आए डॉ रजत मालोत ने बच्चों के हड्डी रोगों पर अपना व्याख्यान दिया. उन्होंने बताया कि बहुत सारी ऐसी बीमारियां हैं जिनका इलाज संभव है पर डॉक्टर और घरवालों की जानकारी के अभाव में इलाज नहीं करवा पाते हैं. डॉ राजेश कुमार ने बताया कि टेक्नोलॉजी और बच्चों के स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने में दूसरे राज्य झारखंड से आगे हैं. लेकिन अपना झारखंड भी स्वास्थ्य सुविधा के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है. डॉ राजेश कुमार ने कॉन्फ्रेंस में भाग ले रहे युवा चिकित्सकों से कहा कि आने वाले दिनों में नवजात, शिशुओं बच्चों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाने के लिए आप तैयार हो रहे हैं. उन्होंने बताया कि 24वां झारखंड पेडिकॉन-2025 से झारखंड के चिकित्सकों को आने वाले दिनों में बहुत लाभ मिलेगा. इस तरह के आयोजन से बच्चों के बेहतर इलाज में डॉक्टरों को काफी मदद मिलती है. इस तीन दिवसीय कार्यक्रम के आयोजन में आईएपी के अध्यक्ष डॉ. पीके गुप्ता, रिम्स एसएनसीयू के हेड डॉ. राजीव मिश्रा, सेक्रेटरी डॉ. राजेश कुमार, ज्वाइंट सेक्रेटरी डॉ. शैलेश चंद्रा, डॉ. श्याम सिडाना, डॉ. अनिताभ कुमार, डॉ. परमानंद काशी, डॉ. किरण शंकर दास समेत कई चिकित्सकों ने अहम भूमिका निभाई.

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग क्रिकेट टूनार्मेंट: झारखंड के तीन खिलाड़ी श्रीलंका में करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

रांची, संवाददाता

झारखंड के खेल इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है. झारखंड राज्य के तीन दिव्यांग क्रिकेटर पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने जा रहे हैं. यह खिलाड़ी श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग क्रिकेट महासंग्राम में हिस्सा लेंगे, जो 13 नवंबर से 17 नवंबर 2025 तक आयोजित किया जाएगा. इन खिलाड़ियों में रामगढ़ के अतहर अली, बोकारो के महावीर मोदी और साहिबगंज के नाजिर शामिल हैं. तीनों खिलाड़ी झारखंड राज्य दिव्यांग क्रिकेट टीम के नियमित सदस्य रहे हैं और अपने प्रदर्शन के दम पर राष्ट्रीय चयनकर्ताओं का ध्यान आकर्षित किया है. अब ये खिलाड़ी भारतीय टीम का हिस्सा बनकर श्रीलंका की धरती पर तिरंगा लहराने को तैयार हैं. तीनों खिलाड़ी रांची रेलवे स्टेशन से रवाना होकर चेन्नई पहुंचेंगे, जहां से वे हवाई मार्ग से कोलंबो के लिए उड़ान भरेंगे. रवाना होने से पहले रेलवे स्टेशन पर परिवारजनों, खेल प्रेमियों और सामाजिक संगठनों ने इन खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं. कई लोगों ने कहा कि यह पल न केवल खिलाड़ियों के लिए, बल्कि पूरे झारखंड के लिए गौरव का क्षण है. राज्य दिव्यांग क्रिकेट संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि झारखंड के इन खिलाड़ियों ने पिछले वर्षों में कई राष्ट्रीय टूर्नामेंटों में शानदार प्रदर्शन किया है. रामगढ़ के अतहर अली को उनकी गेंदबाजी के लिए जाना जाता है, जबकि बोकारो के महावीर मोदी एक बेहतरीन ऑलराउंडर हैं. साहिबगंज के नाजिर अपनी तेजतर्रार फील्डिंग और सटीक बल्लेबाजी के लिए मशहूर हैं. संघ के सचिव ने कहा कि यह उपलब्धि दिखाती है कि अगर मन में जज्बा हो, तो कोई भी बाधा बड़ी नहीं होती. इन खिलाड़ियों ने साबित किया है कि सीमाएं केवल शरीर की नहीं, सोच की होती हैं. टीम चयन की घोषणा के बाद पूरे झारखंड में खुशी की लहर दौड़ गई है. सोशल मीडिया पर खेल प्रेमी लगातार बधाइयां दे रहे हैं. रांची, रामगढ़, बोकारो और साहिबगंज में स्थानीय संगठनों ने जश्न भी मनाया. स्कूलों और कोचिंग सेंटर्स में इन खिलाड़ियों की सफलता को प्रेरणा के रूप में साझा किया जा रहा है.

झारखंड में घर-घर दस्तक देगा शिक्षा विभाग, 15 नवंबर से शुरू होगा हाउसहोल्ड सर्वे

रांची: झारखंड सरकार शिक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए 15 नवंबर राज्य स्थापना दिवस के दिन से एक बड़ा अभियान शुरू करने जा रही है. राज्य भर में शिक्षा विभाग के कर्मचारी और शिक्षक घर-घर पहुंचकर बच्चों की पढ़ाई की स्थिति का सर्वेक्षण करेंगे. इस हाउसहोल्ड सर्वे का उद्देश्य ऐसे बच्चों की पहचान करना है जो किसी कारणवश स्कूल नहीं जा रहे हैं या बीच में पढ़ाई छोड़ चुके हैं. सर्वे की प्रक्रिया 10 जनवरी 2026 तक चलेगी. इस दौरान हर जिले में स्कूलवार डेटा तैयार किया जाएगा ताकि आगामी सत्र में किसी भी बच्चे को स्कूल से बाहर न रहना पड़े. शिक्षा विभाग ने इसके लिए एक मोबाइल ऐप तैयार किया है, जिसके जरिए शिक्षक फील्ड से तुरंत जानकारी अपलोड करेंगे. शिक्षकों को तय क्षेत्रों में जाकर प्रत्येक घर की स्थिति दर्ज करनी होगी. इसके साथ ही स्थानीय पंचायतों, स्वयंसेवी संस्थाओं और स्कूल प्रबंधन समितियों को भी इस प्रक्रिया में जोड़ा जा रहा है. विभाग का लक्ष्य है कि सर्वे से मिले आंकड़ों के आधार पर बच्चों का दोबारा नामांकन तुरंत शुरू किया जा सके. पिछले साल हुए सर्वे में झारखंड में करीब 59 हजार बच्चे स्कूल से बाहर पाए गए थे. इस बार शिक्षा विभाग ने लक्ष्य रखा है कि किसी भी गांव या वार्ड में एक भी बच्चा ड्रॉपआउट की श्रेणी में न रहे. सर्वे रिपोर्ट सीधे राज्य स्तर के पोर्टल पर जाएगी, जहां रोजाना अपडेट की निगरानी होगी. प्रधानाध्यापकों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने क्षेत्र से संबंधित सभी विवरण समय पर अपलोड करें. वहीं, जिला शिक्षा अधीक्षक को यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी स्कूल का डेटा लंबित न रहे. शिक्षा पदाधिकारी विनय कुमार ने कहा कि हाउसहोल्ड सर्वे सिर्फ औपचारिकता नहीं है, बल्कि यह झारखंड के हर बच्चे को शिक्षा से जोड़ने का एक ठोस कदम है. हमारी कोशिश है कि किसी बच्चे की पढ़ाई गरीबी, दूरी या संसाधन की कमी से बाधित न हो. इस बार फील्ड स्तर पर सत्यापन और मॉनिटरिंग दोनों को और मजबूत किया गया है. उन्होंने आगे कहा कि समुदाय की भागीदारी से ही यह अभियान सफल होगा. शिक्षक, अभिभावक और पंचायत प्रतिनिधि एक साथ जुड़ें तो कोई भी बच्चा स्कूल से बाहर नहीं रहेगा. सर्वे से जो आंकड़े सामने आएंगे, वे आने वाले वर्षों में राज्य की शिक्षा नीति की दिशा तय करेंगे. यह सर्वे 2026 के नए सत्र के लिए आधार तैयार करेगा और शिक्षा विभाग की नीति निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा.

चोरी कांड का खुलासा: महिला चोर सहित तीन गिरफ्तार, गहने बरामद

रांची: जिला के सदर इलाके से पुलिस ने एक महिला चोर सहित तीन आरोपी को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपियों ने सदर थाना क्षेत्र में रहने वाले पवन कुमार के यहां बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया था. रांची पुलिस के द्वारा जारी की गई रिलीज के अनुसार रांची के सदर थाना क्षेत्र के सुंदर बिहार तिरिल कोकर के रहने वाले पवन साह के यहां 7 नवंबर की रात बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया था. इस मामले को लेकर पवन साह के द्वारा घर पर हुई चोरी के संबंध में 8 नवंबर को सदर थाना में लिखित आवेदन दिया. जिसके आधार पर सदर थाना कांड संख्या-544/ 25 दिनांक 8/ 11/ 25 धारा -305 /331(4) दर्ज कर त्वरित अनुसंधान प्रारंभ करते हुए सदर थाना पुलिस के द्वारा चोरी कांड का सफलता के साथ खुलासा किया गया और चोरी गए गहने और सामान को बरामद किया गया है. रांची के सदर थाना प्रभारी कुलदीप ने बताया कि चोरी की वारदात को अंजाम देने में लक्ष्मी नाम की युवती भी शामिल थी. वह गुमला की रहने वाली है. वहीं इस मामले में ज्वेलर्स दुकान के मालिक अनीश सोनी को भी गिरफ्तार किया गया है. सोनी चोरी के गहने को खपाने का काम किया करता था. सोने की चेन- 01 अदद, सोने का कान का टॉप- 02 जोड़ा, सोने की बाली- 01 जोड़ा, सोने का जितिया- 01 अदद, चांदी की पायल- 03 जोड़ी, चांदी की बिछिया- 03 अदद, चांदी का सिन्दूर का किया- 01 अदद शामिल है. इस कार्रवाई में गिरफ्तार आरोपियों में राजा वर्मा उर्फ हर्ष वर्मा, ये सदर थाना से पूर्व में आर्म्स एक्ट में जेल जा चुका है. लक्ष्मी कुमारी उर्फ सुप्रिया उर्फ छोटंकी, गुमला की रहने वाली है. इसके अलावा अनीस सोनी, इसका खेलगांव थाना स्थित न्यू खटंगा में निर्मला ज्वेलर्स सोना चांदी की दुकान है. यह चोरी के गहने खपाने का काम किया करता था.

दक्षिणी छोटानागपुर पुलिस खेल प्रतियोगिता का समापन, रांची टीम ओवरऑल चैंपियन

रांची, संवाददाता

तीन दिवसीय दक्षिणी छोटानागपुर क्षेत्रीय पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता का रविवार को समापन हो गया. रांची पुलिस इस बार ओवरआल चैंपियन बनी. रांची पुलिस लाइन में यह प्रतियोगिता आयोजित की गई थी.

खूंटी दूसरे नंबर पर

रांची में आयोजित तीन दिवसीय दक्षिणी छोटानागपुर पुलिस खेल प्रतियोगिता का रविवार को समापन हो गया. पूरी प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए रांची जिला ओवरऑल चैंपियन बना है, जबकि खूंटी दूसरे स्थान पर रहा. प्रतियोगिता में सिमडेगा टीम का फुटबॉल में जलवा देखने को मिला फुटबॉल में सिमडेगा पहले स्थान पर रहा. जबकि हॉकी, बास्केटबॉल, कबड्डी, हैंडबॉल और वॉलीबॉल में रांची की टीम चैंपियन बनी. इस प्रतियोगिता में रांची, लोहरदगा, सिमडेगा, खूंटी और गुमला जिले की पुलिस टीमों ने भाग लिया था. तीन दिनों तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में पुलिसकर्मियों ने खेल के क्षेत्र में अपना जौहर दिखाया.

किसको कितने अंक मिले

प्रतियोगिता में पहला स्थान पर रांची 60 अंकों के साथ ओवरऑल चैंपियन बनी,जबकि 15 अंकों के साथ खूंटी दूसरे स्थान पर रहा. वहीं 15 ही अंकों के साथ ही सिमडेगा तीसरे स्थान पर, चौथे स्थान पर गुमला और पांचवें स्थान पर लोहरदगा जिला रहा.

एक दर्जन प्रतियोगिता आयोजित

दक्षिणी छोटानागपुर क्षेत्रीय पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता में वॉलीबॉल, बॉस्केटबॉल, फुटबॉल, हैंडबॉल, हॉकी, कबड्डी, कराटे और दौड़ के साथ लगभग दर्जन से अधिक खेल प्रतियोगिता आयोजित की गई थी. प्रतियोगिता में प्रथम आने वाले पुलिसकर्मियों को पुलिस नेशनल गेम में खेलने का मौका मिलेगा.

आईजी रहे मुख्य अतिथि

प्रतियोगिता के समापन के मौके पर रांची रेंज के आईजी मनोज कौशिक ने कहा कि खेलकूद न सिर्फ शारीरिक और मानसिक क्षमता को बढ़ाता है, बल्कि तनाव भी कम करता है. आईजी ने कहा कि पुलिसकर्मियों के लिए तनाव एक ओर जहां चुनौती है, वहीं दूसरी ओर इससे पार पाने के लिए फिट रहना जरूरी है. ये सिर्फ खेल के द्वारा ही संभव हो सकता है. प्रतियोगिता में सफल होने वाले पुलिसकर्मियों को भविष्य में बेहतर मौका मिलेगा.

चेंबर में लगेगा 15 दिनों के अंतराल पर बैंकिंग समाधान कैंप

रांची, संवाददाता

झारखण्ड चेंबर ऑफ कॉमर्स की बैंकिंग उप समिति की ओर से प्रत्येक 15 दिनों के अंतराल पर बैंकिंग समाधान कैंप का आयोजन किया जायेगा। इसकी सहमति बैंकिंग उप समिति की चेम्बर भवन में रविवार को हुई बैठक में बनी। बैठक में उप समिति की अध्यक्ष निधि झुनझुनवाला ने बताया कि प्रथम समाधान कैंप 22 नवंबर को चैंबर भवन में आयोजित किया जायेगा। इसमें व्यापारियों की बैंक से जुड़ी समस्या, लोन से संबंधित शिकायत, तकनीकी कठिनाइयों की जानकारी प्राप्त कर, संबंधित बैंक को रिपोर्ट देकर समाधान का प्रयास किया जायेगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में व्यापारिक गतिविधियों के सुचारू संचालन में बैंकों की बड़ी भूमिका है। बिना बैंकिंग सहयोग के आर्थिक विकास को गति देना संभव नहीं है। बैठक में साइबर क्राइम की बढ़ती घटनाओं पर भी चिंता जताई गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए कहा गया कि इस विषय पर बैंकिंग

अधिकारियों से वार्ता कर यह सुनिश्चित किया जायेगा कि व्यापारी वर्ग को साइबर सुरक्षा संबंधी जागरूकता और तकनीकी सहयोग प्राप्त हो सके।

इस अवसर पर चैंबर उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया और राम बांगड़ ने संयुक्त रूप से कहा कि बैंक और व्यापारी समाज एक-दूसरे के पूरक हैं। कैंप के माध्यम से व्यापारियों की वास्तविक समस्याओं का समाधान संभव हो सकेगा। बैठक में चैंबर प्रवीण लोहिया, कार्यकारिणी सदस्य मुकेश अग्रवाल, तुलसी पटेल और उप समिति की अध्यक्ष निधि झुनझुनवाला सहित अन्य उपस्थित थे।

झारखंड पेडिकॉन संपन्न, डॉ सुनीता को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड

रांची, इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (आईएपी) रांची शाखा की ओर से ओरमांझी स्थित विनायक इको रिसोर्ट में आयोजित तीन दिवसीय 24वां झारखंड पेडिकॉन कार्यक्रम रविवार को संपन्न हुआ। सम्मेलन में देशभर से आए 300 से अधिक शिशु रोग विशेषज्ञों ने भाग लिया और आधुनिकतम चिकित्सा पद्धतियों एवं शोध कार्यों पर अनुभव साझा किया। इस अवसर पर रांची की वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ सुनीता कात्यायनी को उनके उत्कृष्ट चिकित्सकीय योगदान के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। मौके पर डॉ राजेश कुमार (बालपन) ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि झारखंड बच्चों के स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में तेजी से प्रगति कर रहा है। डॉ रजत मालोत ने बच्चों के हड्डी रोगों पर जागरूकता की आवश्यकता बताई, वहीं डॉ प्रशांत साबोत ने राज्य में बेहतर स्वास्थ्य ढांचे की सराहना की। सम्मेलन में डॉ बसंत कल्तकर, डॉ नीलम मोहन, डॉ शिवराज सिंह, डॉ विकास राज, डॉ. रजत मालोत, डॉ प्रशांत साबोत सहित कई प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने बच्चों के स्वास्थ्य और उपचार पद्धतियों पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में आईएपी अध्यक्ष डॉ पीके गुप्ता, डॉ राजीव मिश्रा, सेक्रेटरी डॉ राजेश कुमार (बालपन) सहित कई चिकित्सकों ने अहम भूमिका निभाई।

बाबूलाल सोरेन को बैल कहना केवल मेरे बेटे का नहीं, पूरे आदिवासी समाज का अपमान : चंपाई सोरेन

रांची, संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम जिले की घाटशिला विधानसभा सीट पर उपचुनाव का शोर रविवार शाम थम गया। अब प्रत्याशी केवल घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क साध सकेंगे। इस चुनाव का परिणाम भले ही झारखंड सरकार की स्थिरता पर असर न डाले, लेकिन यह मुकाबला राजनीतिक प्रतिष्ठा की लड़ाई में बदल चुका है। एक ओर स्वयं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और पत्नी कल्पना सोरेन हैं तो वहीं भाजपा प्रत्याशी पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के पुत्र बाबूलाल सोरेन हैं, जो झामुमो से अलग होकर भाजपा में शामिल हुए हैं।

चुनावी प्रचार के अंतिम दिन घाटशिला में एटमॉस्फियर रिसॉर्ट में भावुक होते हुए चंपाई सोरेन ने प्रेस वार्ता में कहा कि यह चुनाव उनके बेटे बाबूलाल सोरेन का नहीं, बल्कि आदिवासी अस्मिता और स्वाभिमान की रक्षा का संघर्ष है। उन्होंने कहा, हमने अपनी जिंदगी का हर पल उस पार्टी (झामुमो) को मजबूत करने में लगाया, जिसके लिए हमने जंगलों में संघर्ष किया। लेकिन आज उसी पार्टी के मुखिया ने हमारे समाज, हमारी अस्मिता का अपमान किया है। बाबूलाल सोरेन को बैल कहना केवल मेरे बेटे का नहीं, पूरे आदिवासी समाज का अपमान है।

पूर्व मुख्यमंत्री की आंखें भर आईं जब उन्होंने कहा, हम आदिवासी हैं, हमारे पास दिल है, सम्मान है, भावनाएं हैं। सत्ता के नशे में कोई भी व्यक्ति यह भूल जाए कि हम अपमान सह लेंगे, यह उसकी भूल होगी। मैं घाटशिला की जनता से अपील करता हूं कि वे इस अपमान का जवाब चोट की चोट से दें। चंपाई सोरेन ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि राज्य में आदिवासी बेटियों की सुरक्षा खतरे में है, जनसांख्यिकीय संतुलन बदल रहा है, परंतु सत्ता में बैठे लोग इन गंभीर मुद्दों पर मौन हैं। इन्हें जनता की समस्याओं का समाधान करने की बजाय दूसरों को नीचा दिखाने में व्यस्त हैं। उन्होंने जनता से भावुक अपील करते हुए कहा, यह चुनाव मेरे लिए राजनीति का प्रश्न नहीं, बल्कि अपने स्वाभिमान और आदिवासी अस्मिता की रक्षा का प्रश्न है। मैं जनता से विनती करता हूं कि वे झारखंड की आत्मा की रक्षा के लिए मतदान करें।

रांची में सजा हैंडलूम एक्सपो, मेले में दिख रही एक भारत-श्रेष्ठ भारत की झलक

रांची, संवाददाता

राजधानी रांची इन दिनों देश की विविध कला, संस्कृति और परंपरा का अनोखा संगम बनी हुई है. हरमू मैदान में आयोजित राष्ट्रीय हस्तशिल्प एक्सपो में देश के कोने-कोने से आए लोग अपनी अनूठी कारीगरी और पारंपरिक उत्पादों से लोगों को आकर्षित कर रहे हैं.

150 से अधिक स्टॉल लगाए गए

इस एक्सपो में तमिलनाडु, तेलंगाना, बिहार, पश्चिम बंगाल, केरल, जम्मू-कश्मीर समेत कई राज्यों के 150 से अधिक दुकानदारों ने अपने-अपने स्टॉल लगाए हैं. कश्मीर से कन्याकुमारी तक के कलाकारों की भागीदारी इसे सचमुच एक भारत, श्रेष्ठ भारत की झलक दे रही है.

24 नवंबर तक चलेगा हैंडलूम

एक्सपो मेला

रांची में हैंडलूम एक्सपो 24 नवंबर तक चलेगा. आयोजन का उद्देश्य हस्तनिर्मित वस्तुओं और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना है. वोकल फॉर लोकल के तहत स्थानीय उद्यमियों और कारीगरों को मंच देने पर विशेष ध्यान दिया गया है. झारखंड के पारंपरिक हस्तशिल्प जैसे तसर सिल्क, डोकरा कला, बांस और लकड़ी से बने उत्पादों के साथ अन्य राज्यों की खास कलाकृतियां भी आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं. मेले में सजे स्टॉलों पर तरह-तरह की चीजें देखने को मिल रही हैं. खादी और हैंडलूम के परिधान, पारंपरिक फर्नीचर, घरेलू उपयोग की वस्तुएं, श्रृंगार सामग्री, बच्चों के खिलौने, सजावटी सामान और स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टॉल लगे हैं. जम्मू-कश्मीर से आए शिल्पकार अपने प्रसिद्ध ऊनी शॉल और ड्राइ फ्रूट्स लेकर पहुंचे हैं, तो केरल से आए व्यापारी यहां के लोगों को अचार, पापड़ और मसालों के स्वाद से परिचित करा रहे हैं. बिहार और बंगाल की पारंपरिक साड़ियों के साथ दक्षिण भारत के पीतल के बर्तनों की चमक भी लोगों का ध्यान खींच रही है.

मेले में हर वर्ग के लोगों के लिए खास

यह एक्सपो सिर्फ खरीदारी का ही नहीं, बल्कि अनुभव का भी मेला है. आयोजन स्थल पर हर वर्ग और हर उम्र के लोगों के लिए कुछ न कुछ खास है. बच्चों के लिए झूले और मनोरंजन की व्यवस्था है. वहीं फूड लवर्स के लिए फूड कोट में देशभर के व्यंजनों का स्वाद उपलब्ध है. साथ ही, लोक कलाकारों के रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम पूरे माहौल को जीवंत बना रहे हैं. शिल्पकारों का कहना है कि रांची की मिट्टी, यहां का मौसम और लोगों की गर्मजोशी उन्हें बहुत भा रही है. कश्मीर के एक स्टॉल धारक ने बताया कि झारखंड के लोगों का कला और हस्तशिल्प के प्रति लगाव देखकर उन्हें बहुत अच्छा लगा. वहीं केरल से आए व्यापारी ने कहा कि यहां के ग्राहक हस्तनिर्मित वस्तुओं के प्रति जागरूक हैं और पारंपरिक कला को सराह रहे हैं. आयोजक समिति का कहना है कि इस तरह के आयोजन न केवल कारीगरों को आर्थिक सहयोग देते हैं, बल्कि उन्हें अपने हुनर को नई पहचान दिलाने का मौका भी देते हैं. यह मंच देश के विभिन्न हिस्सों की परंपराओं को जोड़ने का कार्य कर रहा है.

एक्सचेंज पर रोक से बढ़ी मुश्किलें ! रिम्स और सदर अस्पताल में ब्लड की कमी, रक्तदान से स्थिति में सुधार की उम्मीद

रांची। विभागीय स्तर पर झारखंड के ब्लड बैंकों में 'ब्लड एक्सचेंज' पर रोक लगा दी गई है. दरअसल, यह रोक चाईबासा ब्लड बैंक से थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को एचआईवी पॉजिटिव ब्लड चढ़ाने की घटना के बाद लगाई गई है. विभाग ने मरीजों की जरूरत के अनुसार, रक्त की व्यवस्था के लिए ब्लड डोनेशन कैंप पर जोर देने की बात कही है लेकिन अभी डोनेशन कैंप से जरूरत के हिसाब से ब्लड कलेक्ट नहीं हो पा रहा है.

वड़ोदरा में सम्पन्न हुई 16 किमी की राष्ट्रीय एकता यात्रा

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ हुए शामिल

पटेल के सपनों का भारत बनाने का संकल्प

संवाददाता । रांची

रांची : गुजरात के वड़ोदरा में रविवार को सरदार पटेल के 150वीं जयंती वर्ष पर भव्य राष्ट्रीय एकता पदयात्रा निकाली गई। इस पदयात्रा में केंद्रीय युवा मामलों के मंत्री मनसुख मंडाविया, केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी, रक्षा राज्य मंत्री और रांची लोकसभा क्षेत्र के सांसद संजय सेठ, वड़ोदरा भाजपा अध्यक्ष डॉ० जय प्रकाश सोनी, गुजरात सरकार में मंत्री बहन मनीषा वकील और प्रद्युम्न वजा, मेयर पिंकी बेन सोनी भी मौजूद रहे। 16 किलोमीटर तक की इस पदयात्रा में हजारों लोगों ने अपनी सहभागिता निभाई।

पदयात्रा के समापन पर भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति एम० वेंकैया नायडू जी का उद्बोधन हुआ। पदयात्रा से पूर्व स्मृति उद्यान में 562 रियासतों को एकजुट करने वाले सरदार पटेल की स्मृति में 562 पौधे लगाए गए। इसके बाद शुरू हुई पदयात्रा का दर्जन भर से अधिक स्थानों पर भव्य स्वागत किया गया, जिसमें विभिन्न सामाजिक संस्थाओं, भाजपा कार्यकर्ताओं, स्कूल कॉलेज के विद्यार्थियों व अन्य संगठन की लोगों के साथ वरिष्ठ नागरिकों और संतों ने अपना आशीर्वाद प्रदान किया। पदयात्रा को लेकर रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ ने बताया कि यह ऐतिहासिक पदयात्रा रही, जिसमें वडोदरा शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र तक के लोग शामिल हुए। 16 किलोमीटर की यह पदयात्रा शहर से शुरू हुई और सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्र में संपन्न हुई। यह एक ऐतिहासिक यात्रा रही, जिसमें सरदार पटेल के सपनों को पूर्ण करने के संकल्प के साथ आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प के प्रति सबने प्रतिबद्धता दोहराई।

संजय सेठ ने कहा कि इस पदयात्रा को आम नागरिकों का अभूतपूर्व स्नेह और समर्थन मिला। कई स्थानों पर नागरिकों ने पुष्प वर्षा कर पदयात्रा में शामिल लोगों का स्वागत किया। राष्ट्रीय स्तर पर इस पदयात्रा ने गहरी छाप छोड़ी है। सरदार पटेल के संकल्प और उनके सपने पूरे हों, यह आज हर देशवासी का प्रण बन चुका है। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरदार पटेल के सपनों का श्रेष्ठ भारत का निर्माण हम सब करेंगे। वडोदरा में मिले अभूतपूर्व स्नेह के लिए रक्षा राज्य मंत्री ने वडोदरा के कार्यकताओं, नागरिक व सामाजिक संगठनों के प्रति कृतज्ञता प्रकट की है।

बीएलओ बना रहे मैपिंग और फैमिली ट्री, कई मतदाताओं के छूट रहे पसीने

संवाददाता । रांची

रांची : झारखंड में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की तैयारी तेजी से चल रही है। चुनाव आयोग के निर्देश पर, वर्तमान मतदाता सूची को 2003 की मतदाता सूची के साथ मैप (मैपिंग) किया जा रहा है। बीएलओ मतदाताओं के फैमिली ट्री (पारिवारिक वृक्ष) का निर्माण करते हुए यह मैपिंग कर रहे हैं। देश के अन्य राज्यों में एसआईआर का दूसरा चरणफरवरी में समाप्त होगा। इसके बाद, यह संभावना है कि चुनाव आयोग उन राज्यों के तीसरे चरण की घोषणा करेगा, जिनमें झारखंड भी शामिल होगा। इस दौरान, राज्य में वर्तमान मतदाता सूची की मैपिंग का कार्य पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। एसआईआर के दौरान, मतदान करने की योग्यता रखने वाले सभी नागरिकों को चुनाव आयोग को जरूरी दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। नागरिकों को नागरिकता, निर्वाचन सूची में पहचान और आवासीय स्थिति से जुड़े दस्तावेज देने होंगे। आवेदन करते समय, नागरिक को अपने और अपने माता-पिता के लिए दस्तावेजों को अलग-अलग स्व-प्रमाणित करके जमा करना होगा। चुनाव आयोग ने इसके लिए 13 दस्तावेजों की एक संदर्भ सूची जारी की है, जिसका उपयोग सहायक दस्तावेज के रूप में किया जाएगा। चुनाव आयोग ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में दस्तावेजों को अपडेट कराने, प्रमाण पत्र बनवाने और आवेदन प्रक्रिया को समझाने के लिए लगातार अभियान चला रहा है। मतदाता सूची की मैपिंग के लिए पंचायत स्तर पर शिविर लगाए जा रहे हैं।

भ्रष्टाचार के खिलाफ जारी रहेगा अभियान : सरयू

संवाददाता । रांची

जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने कहा है कि झारखंड उच्च न्यायालय में दायर उनके मुकदमे की सुनवाई के दौरान दो दिन पहले न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय का समाचार कतिपय समाचार पत्रों में इस कदर बढ़ा- चढ़ाकर प्रकाशित है, मानो यह उनके विरुद्ध है। एक वक्तव्य में उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय में वह इसलिए गए थे, क्योंकि तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता, जिनका भ्रष्टाचार उन्होंने विभागीय दस्तावेज के माध्यम से उजागर किया था, उन्हें (सरयू राय को) गिरफ़्तार कराने के लिए सरकार की पूरी शक्ति लगाए हुए थे। तब उच्च न्यायालय ने उनके विरुद्ध पीड़क कारवाई नहीं करने का फैसला दिया था। उसके कुछ दिनों बाद उन्हें (सरयू राय को) न्यायालय से इस मामले में जमानत मिल गई और गिरफ़्तारी से संरक्षण मिल गया। ऐसी स्थिति में उच्च न्यायालय के पूर्व के फैसले की बहुत प्रासंगिकता नहीं रह गई और न्यायालय ने यह निर्णय वापस कर लिया। सरयू राय ने कहा कि मामला यह है कि झारखंड सरकार के मंत्रिपरिषद ने कोविड में जान जोखिम में डालकर काम करने वाले कोविड कर्मियों कोउनके एक माह के वेतन के बराबर प्रोत्साहन राशि देने का निर्णय लिया था। स्वास्थ्य मंत्री के रूप में बन्नागुप्ता ने प्रोत्साहन राशि स्वयं लेने का बिल बनाकर कोषागार में भेज दिया। अपने आप्त सचिव सहित अपने कोषांग में कार्यरत कर्मियों के अतिरिक्त अन्य 55 लोगों और कुल मिलाकर 60 लोगों के नाम प्रोत्साहन राशि लेने के लिए भेज दिया, जो उनके भ्रष्ट आचरण का द्योतक था।

केंद्रीय सरना समिति का डिलिस्टिंग को लेकर परिचर्चा

संवाददाता । रांची

रांचीः केंद्रीय सरना समिति के केंद्रीय कार्यालय 13 आर आईआई टी बिल्डिंग कचहरी परिसर रांची में डिलिस्टिंग को लेकर बैठक रखी गई बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय सरना समिति के केंद्रीय अध्यक्ष फूलचंद तिर्की ने किया बैठक में पुर्व घोषित कार्यक्रम के तहत12 दिसंबर 2025 को डिलिस्टिंग को लेकर चर्चा परिचर्चा किया गया कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर झारखंड के विभिन्न जिलों में जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय लिया गया केंद्रीय सरना समिति के केंद्रीय अध्यक्ष फूलचंद तिर्की ने कहा कि आज सरना आदिवासी जो रूढ़िवादी परंपरा संस्कृति को मानते हैं उनके हक अधिकार पर चौतरफा हमला किया जा रहा है एक तरफ कुर्मी कुड़मी आदिवासियों का आरक्षण खाने के लिए एड़ी चोटी एक किए हुए हैं वहीं दूसरी ओर धर्मांतरित ईसाई पहले से आदिवासी का आरक्षण खा रहे हैं केंद्रीय सरना समिति के महासचिव संजय तिर्की ने कहा कि ईसाई मिशनरी दोहरा लाभ ले रहे हैं एक तरफ अल्पसंख्यक का भी आरक्षण का रहे हैं दूसरी तरफ अनुसूचित जनजाति का भी लाभ ले रहे हैं जिसके कारण मूल आदिवासी जो रूढ़िवादी परंपरा संस्कृति को मानते हैं आज भी गरीबी का दंश झेल रहे हैं 12 दिसंबर 2025 का महाधरना ऐतिहासिक होगा बैठक में केंद्रीय सरना समिति के वरीय उपाध्यक्ष प्रमोद एक्का रांची जिला सरना समिति के उपाध्यक्ष नंदा उंराव महासचिव संजय तिर्की विनय उरांव निरा टोप्पो विमल कच्छप राहुल क्रेकेटा सोहन कच्छप एवं अन्य शामिल थे.

खेल नर्सरी ग्रामीण बच्चो की खेल प्रतिभा निखारने में निभाएगी महत्वपूर्ण भुमिका - बादल राज

रातू में प्रथम खेल नर्सरी का भव्य शुभारंभ

संवाददाता । रांची

रांचीः फीता काटकर खेल नर्सरी का उदघाटन करते जिला शिक्षा अधीक्षक रातू। प्रथम एजुकेशन फाऊंडेशन एवं दानी स्पोर्ट्स फाउंडेशन के तत्वाधान में रविवार को प्रखंड के बाजपुर गांव में प्रथम खेल नर्सरी का भव्य शुभारंभ जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज ने फीता काटकर किया। जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज ने कहा कि खेल नर्सरी ग्रामीण बच्चों की खेल प्रतिभा को निखारने में महत्वपूर्ण योगदान देगी। खेल नर्सरी सुदूर ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। खेल नर्सरी में बाजपुर एवं बिंधानी गांव के बीच बालक एवं बालिका वर्ग में फ्रेंडली टूर्नामेंट आयोजित हुआ, जिसमें बच्चों ने शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में शामिल दोनों टीम के खिड़कियां को सहभागिता प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। खेल नर्सरी के लिए उपयुक्त सामग्री कोच को दिया गया। खेल नर्सरी का उद्देश्य बच्चों में खेल के प्रति रुचि बढ़ाना, उनकी फिटनेस मजबूत करना और प्रतिभाशाली बच्चों को खेल प्रशिक्षण से जोड़ना है। बताते चले कि प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन एवं दानी स्पोर्ट्स फाउंडेशन के द्वारा स्थापित इस खेल नर्सरी में सभी उम्र समूह के बच्चों को स्पोर्ट्स ट्रेनर के द्वारा नियमित रूप से अलग अलग खेलों में प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यक्रम में मुखिया सबिता तिर्की एवं वार्ड सदस्य द्वारा किक मारकर खेल का शुरूआत किया गया। इस टूर्नामेंट में बालक वर्ग से बाजपुर एवं बालिका वर्ग में बिंधानी की टीम विजयी रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्कृति, स्निग्धा, जीना, आशीष व्यास, आरती उरांव, आकाश लुगुन, वीरेंद्र सिंह, अरविंद प्रसाद, जागेश्वर दास, मनोज यादव, चंद्रशेखर, पंकज पांडेय, सूरज पांडेय ने महत्वपूर्ण भुमिका निभाई।

झारखंड आदिवासी छात्र संघ ने केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम को सौंपा ज्ञापन

छात्रवृत्ति, आरक्षण व पेसा एक्ट लागू करने की मांग

संवाददाता

रांची : झारखंड आदिवासी छात्र संघ के प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को केंद्रीय अध्यक्ष सुशील उरांव के नेतृत्व में केंद्रीय आदिवासी मामलों के मंत्री जुएल ओराम से रांची में मुलाकात की और आदिवासी छात्रों की छात्रवृत्ति, शिक्षा, रोजगार और अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत ज्ञापन सौंपा। झारखंड आदिवासी छात्र संघ के केंद्रीय अध्यक्ष सुशील उरांव ने कहा कि झारखंड देश के कुल खनिज भंडार का लगभग 40 प्रतिशत देता है, लेकिन राज्य की 26.3 प्रतिशत आदिवासी आबादी शिक्षा और रोजगार जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। उन्होंने आरक्षित पदों की रिक्तता और प्रमोशन में आरक्षण न मिलने की समस्या भी उठाई। झारखंड के ट्राइबल रिसर्च इंस्टीट्यूट (टीआरआई) सर्वे के हवाले से विवेक तिर्की ने बताया कि अधिकांश आदिवासी परिवार गरीबी, निरक्षरता, कुपोषण और भोजन संकट से जूझ रहे हैं, और केवल 16 फीसदी छात्र मैट्रिक के बाद आगे पढ़ाई कर पाते हैं। संघ के प्रतिनिधिमंडल ने पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति की लंबित राशि जारी करने, पेसा एक्ट को लागू करने, ट्राइबल सब प्लान और डिस्ट्रिक मिनिरल्स फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) फंड के पारदर्शी उपयोग तथा बाहरी विस्थापन (18.6 प्रतिशत) की समस्या पर केंद्र सरकार से कार्रवाई की मांग की। प्रतिनिधिमंडल में जलेश्वर भगत, मनोज उरांव, विवेक तिर्की, प्रकाश भगत, मनीष उरांव, सुलेखा कुजूर, कार्तिक उरांव, दिनेश उरांव, रंजीत उरांव सहित अन्य सदस्य शामिल थे।

ब्रीफ न्यूज

बिन्दे मुंडा बने समिति के अध्यक्ष

संवाददाता ।

रांची :आईएसएम चौक पुनदाग रांची में शेख भिखारी व शहीद टिकैत उमराव समारोह समिति की बैठक निजामुद्दीन मस्तान बाबा की अध्यक्षता में रविवार को हुई.इस दौरान समिति का चुनाव किया गया मुख्य संरक्षक संजीव कुजूर ,इनामुल हक, एजाज अंसारी, इरफान अहमद, और जाबिर हुसैन बनाए गए ! वही बिन्दे मुंडा अध्यक्ष, मजहर हुसैन और इश्तियाक अंसारी कार्यकारी अध्यक्ष, मोबिन अंसारी उपाध्यक्ष, कुदूस अंसारी प्रधान महासचिव, रोशन अंसारी और अफरोज अंसारी सचिव, इमरान अंसारी ,सुरेश साहू और तौफीक आलम उपसचिव ,खुशीद मामा और शमशाद उर्फ टुना कोषाध्यक्ष, उप -कोषाध्यक्ष वसीम भंडारी और मुस्तफा अंसारी और मीडिया प्रभारी तौसीफ खान और गुलजार अहमद को चुना गया !समिति के ओर से 08 और 09 जनवरी 2026 को वीर सपूत शेख शहीद भिखारी व शहीद दिवस पर बड़े कवाली का आयोजन किया जाता है ! यह जानकारी मीडिया प्रभारी तौसीफ खान ने दो !

पूर्व सांसद गीता कोड़ा का राज्य सरकार पर तीखा हमला

संवाददाता ।

चाईबासा : पूर्व सांसद श्रीमती गीता कोड़ा ने रविवार को प्रेस वार्ता कर झारखंड सरकार की कई खामियों को उजागर किया। उन्होंने सरकार द्वारा चलाए जा रहे 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम पर सबसे बड़ा सवाल उठाते हुए कहा कि 12 नवंबर से 25 दिसंबर तक चलने वाले इस अभियान को अचानक 22 से 28 नवंबर तक सीमित कर देना और इसका नाम बदलकर 'सेवा का अधिकार सप्ताह' करना सरकार की जनता को भ्रमित करने वाली नीति को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि आनंदपुर, चक्रधरपुर सहित कई क्षेत्रों में मैया सम्मान और अबुआ आवास पोर्टल लगातार बंद रहे। मनोहरपुर के नंदपुर पंचायत में अधूरा अबुआ आवास का उद्घाटन कोड़ा ने सरकारी भ्रष्टाचार और दिखावे की पराकाष्ठा बताया। सरकार पर हमला जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि यह 'ठगुआ सरकार' गरीब- गुरबों की नहीं, बल्कि दलालों और भ्रष्टाचारियों की सरकार बन गई है। कमीशनखोरी, अवैध उत्खनन, सट्टाझलॉटरी जैसे गैरकानूनी कारोबार राज्य की नई पहचान बनते जा रहे हैं। शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए गीता कोड़ा ने कहा कि झ 45 लाख बच्चे 8 महीनों से परीक्षा तिथि की प्रतीक्षा में हैं। 40 लाख बच्चों को अब तक स्वेटरझ्झजूता नहीं मिला है। चक्रधरपुर और मनोहरपुर में ठंड से मौतें हुई हैं। झ लाखों छात्रों को स्टाइपेंड नहीं मिलने से उनकी पढ़ाई बाधित हो रही है। स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी उन्होंने सरकार को घेरा, विशेषकर पश्चिमी सिंहभूम में एचआईवी संक्रमित रक्त चढ़ाने की घटना को सरकार की घोर लापरवाहीह्न बताया और कहा कि जिला चिकित्सा व्यवस्था खुद बीमार हो चुकी है। किसानों की स्थिति पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि धान खरीद केंद्रों की उचित तैयारी नहीं है।

बुजुर्गों की सेवा करना तीर्थ यात्रा के समान : रोहित

संवाददाता ।

रांची : मारवाड़ी युवा मंच रांची दक्षिण जागृति महिला शाखा ने रविवार को बरियातू स्थित डीएवी नंदराज के आवासीय परिसर में वृद्धा आश्रम में भव्य भंडारा और भोजन वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। मंच की सदस्यों ने आश्रम में रह रहे सभी वृद्धजनों के लिए श्रद्धा के साथ भोजन की व्यवस्था की। भोजन में दाल, चावल, आलू-गोभी की सब्जी, कोफ्ता, खीर, रोटी और नारंगी शामिल थी। मारवाड़ी युवा मंच के पूर्व प्रांतीय उपाध्यक्ष रोहित शारदा ने इस मौके पर कहा कि वृद्धजनों की सेवा तीर्थ दर्शन के समान पवित्र कार्य है। कार्यक्रम में कैलाश प्रसाद रामुका (सरायकेला) मुख्य सहयोगी के रूप में उपस्थित रहे और उनके योगदान की मंच ने सराहना की। आयोजन की अध्यक्षता प्रमिला सराफ ने की, मंच संचालन निर्मल अग्रवाल ने किया और धन्यवाद ज्ञापन उर्मिला मोटानी व बिना शारदा ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर रांची दक्षिण शाखा के अध्यक्ष ऋषभ रामपुरिया एवं कोषाध्यक्ष रामचंद्र अग्रवाल भी उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान दिया।

रांची में राजीव दीक्षित की जयंती-पुण्यतिथि पर निःशुल्क चिकित्सा शिविर व दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन

संवाददाता ।

रांची : (झारखंड सरकार से पंजीकृत संस्था) विश्वा संजीवनी ट्रस्ट द्वारा संचालित बी.एस.टी. नेचर क्योर हॉस्पिटल, चुनावा टोली, कांटा टोली, खादगढ़ा बस स्टैंड के निकट, में मंगलवार को स्वदेशी विचारधारा के प्रखर प्रवक्ता राजीव भाई दीक्षित की जन्मतिथि एवं पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता ट्रस्ट की अध्यक्ष डॉ. सानिया कुमारी ने की। मौके पर छात्र क्लब चिकित्सक मंच (यूनिट) के संरक्षक विजय पाठक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के प्रथम चरण में राजीव दीक्षित जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर दीये प्रज्वलित किए गए। दूसरे चरण में अस्पताल परिसर में निःशुल्क चिकित्सा जांच शिविर आयोजित हुआ, जिसमें अस्पताल के निदेशक एवं आयुवेदाचार्य डॉ. बी.के. सिंह ने 13 मरीजों की निशुल्क जांच कर उन्हें मुफ्त दवाएं प्रदान कीं। उन्होंने कहा कि राजीव दीक्षित स्वदेशी भावना के प्रेरणास्रोत थे और जनसेवा को सर्वोच्च मानते थे। छात्र क्लब के संरक्षक विजय पाठक ने कहा कि महान व्यक्तित्वों की जयंतीझ्रपुण्यतिथि पर जरूरतमंदों की सेवा करना वास्तविक श्रद्धांजलि है। इसके साथ ही हॉस्पिटल में 19-20 नवंबर को दो दिवसीय निःशुल्क कार्यशाला सह प्रशिक्षण शिविर भी संपन्न हुआ, जिसमें देवघर, बोकारो, पलामू, रांची समेत कई जिलों के 12 क्लिनिक संचालकों ने भाग लिया। मुख्य वक्ता डॉ. बी.के. सिंह ने जापानी एनालाइजर तकनीक और प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति की विस्तृत जानकारी दी।

अपराध समीक्षा बैठक के बाद डीसी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा

सभी थाना एवं धारा 163 के तहत दुकानो एवं प्रतिष्ठानों में भी सीसीटीवी कैमरा लगवाने का आदेश दिया

रामगढ़, संवाददाता

सोमवार को को अजय कुमार, पुलिस अधीक्षक, रामगढ़ के द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय, रामगढ़ स्थित सभागार कक्ष में अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य रूप से सभी थाना प्रभारी को थाना के प्रवेश/निकाश द्वार पर सीसीटीवी कैमरा लगाने का निर्देश दिया गया, एंटी क्राईम चेकिंग लगातार स्थान बदल-बदल कर करने, रक्षक एप का उपयोग करते हुए बिटवार क्यू०आर० कोड स्कैन करनें, वाहन चेकिंग का डाटा इन्ट्री करने, एनडीपीएस एक्ट में जप्त अफीम, मालखान में रखे लावारिस संपत्ति के निष्पादन करने, महिलाओं के सुरक्षा को लेकर सभी थाना / ओपी प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि रात्रि के समय किसी महिला, बच्चों एवं बुजूर्ग को अकेला देख उन्हें हर संभव सहायता प्रदान करते हुए उनके गंतव्य स्थल तक सुरक्षित पहुँचाना सुनिश्चित करेंगे। थाना में आने वाले आम जनता के बैठने, पीने का पानी की समुचित व्यवस्था उनके साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार करने एवं उनके समस्याओं का समाधान करने का भी निर्देश दिया गया। बिट पुलिसिंग को लेकर सभी थाना प्रभारी को पुनः बिटवार पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों का बटवाँरा करते हुए उनकी जिम्मेवारी निर्धारित करने, नकली देशी एवं विदेशी शराब के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया। इसके उपरांत बैठक में लंबित काण्डों, अतिसंवेदनशील काण्डों (हत्या, पोक्सो, आगजनी, अपराधिक, महिला उत्पीड़न, साइबर धोखाधड़ी, एनडीपीएस, लूट, डकैती, गृहभेदन, चोरी इत्यादि) की समीक्षा की गई, संगठित अपराध गिरोह एवं संवेदनशील काण्डों में जेल से बाहर निकले अभियुक्तों के विरूद्ध निगरानी प्रस्ताव समर्पित करने एवं सत्यापन कर निगरानी रखने / चोरी, गृहभेदन एवं डकैती के काण्डों का उद्भेदन करने, प्रत्येक दिन थाना/ओपी प्रभारी के द्वारा थाना में प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों के साथ मॉर्निंग मीटिंग कर टास्किंग करते हुए लंबित काण्डों में अद्यतन काण्ड दैनिकी समर्पित करने तथा लंबित कार्रवाई को पूर्ण करते हुए त्वरित गति से काण्ड का अनुसंधान पूर्ण कर काण्ड को निष्पादित करने, NETGRID (1.Gandiva 2.Sudharshan) का प्रयोग करने, लंबित सम्मन, वारण्ट, कुर्की, पास्पोर्ट, चरित्र सत्यापन, पी०जी० पोर्टल, आयोग से संबंधित मामलों, लंबित मालखाना का त्वरित कार्रवाई करते हुए निष्पादित करने, महिला उत्पीड़न (पोक्सो एवं बलात्कार) के मामलों को 02 माह के अन्दर निष्पादन करने, सड़क सुरक्षा से संबंधित उपाय करने एवं जगरूकता अभियान चलाने, IRAD में सड़क दुर्घटना से संबंधित डाटा का एंट्री करने, दागियों, गिरोह के सदस्यों का सत्यापन करने, सीसीटीएनएस अन्तर्गत IIF-1 to 7 फॉर्म को अद्यतन करने, दुकानदारों से अनुरोध कर धारा-163 BNSS का उपयोग करते हुए दुकानों के सामने CCTV लगवाने, हिट एण्ड रन मामलों के पीड़ितो को ससमय मुआवजा दिलवाने, डायल 112 में प्राप्त होने वाले शिकायतों का स-समय निपटारा करने, गिरफ्तार आरोपियों के फिंगर प्रिंट को NAFIS पर अपडेट करने, पुराने मामलों में आरोपियों को स-समय अदालत में उपस्थित कराने, New Criminal law के तहत sakshya app का उपयोग, जुआ, अवैध शराब, गंजा के विरूद्ध सघन छापमारी कर कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया। सभी थाना/ओपी प्रभारी को अपने-अपने क्षेत्र में भ्रमणशिल रहकर वाहन चेकिंग करने तथा आसूचना संकलन करते हुए चोरी, लूट, गृहभेदन एवं डकैती के काण्डों को अंजाम देने वाले गिरोह के संबंध में जानकारी एकत्रित करते हुए साक्ष्य के आधार पर गिरफ्तार करने साथ ही थाना/ओ०पी० क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों के संबंध में जानकारी एकत्रित कर निगरानी रखते हुए सुरक्षा मुहैया कराने, अद्यतन-सक्रिय अपराधकर्मियों के विरूद्ध सीसीए की कार्रवाई करने, काण्ड में राज्य से बाहर के अभियुक्तों का सत्यापन / गिरफ्तारी हेतु लंबित कार्रवाई को राज्य से बाहर जाने का आदेश प्राप्त कर करें, VIP गतिविधि के दौरान VIP के मानक के अनुसार पर्याप्त सुरक्षा मुहैया कराने, महत्वपूर्ण काण्डों का प्रभार स्वयं थाना प्रभारी को ग्रहण करने हेतु निर्देशित किया गया है। बैठक में पुलिस उपाधीक्षक (मु०), रामगढ़, सहायक पुलिस अधीक्षक-सह-अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, पतरातु, परिचारी प्रवर, परिचारी, पुलिस केन्द्र, रामगढ़, पु०नि०-सह-थाना प्रभारी, रामगढ़ /रजरप्पा, यातायात थाना प्रभारी, रामगढ़, सभी थाना/ओपी प्रभारी एवं सभी शाखा प्रभारी बैठक में उपस्थित रहें। पुलिस अधीक्षक, रामगढ़ के द्वारा विगत माह में प्रतिवेदित काण्डों की अपेक्षा 03 या 03 से अधिक काण्डों का निष्पादन करने वाले अनुसंधानकर्ता एवं भदानीनगर में महिला के साथ बलात्कार कर हत्या करने के आरोपी को 48 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया उक्त काण्ड के उदभेदन में शामिल पुलिस पदाधिकारी/कर्मियों को एक-एक सुसेवांक से पुरस्कृत किया गया।

हुसैनाबाद में लावारिश पड़ी सैकड़ों साइकिलें, विभागीय लापरवाही से वंचित छात्राएं

पलामू, संवाददाता

झारखंड सरकार की छात्रा साइकिल योजना हुसैनाबाद में लापरवाही की भेंट चढ़ती नजर आ रही है। पुराने प्रखंड कार्यालय परिसर में सैकड़ों साइकिलें खुले मैदान में महीनों से पड़ी हुई हैं, जिन पर अब जंग लगने लगी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, साइकिलें कई महीने पहले पहुंच चुकी हैं और उनकी असेंबलिंग भी पूरी कर ली गई थी, फिर भी अब तक वितरण नहीं हुआ है। विभागीय अधिकारी हर बार सूची तैयार होने या तिथि तय किए जानेह्वका बहाना देते रहे हैं। गरीब छात्राओं को सरकार की इस योजना से जो लाभ मिलना चाहिए था, वह अब तक नहीं मिल पाया है। बारिश और धूप में पड़ी साइकिलें खराब हो रही हैं, जिससे सरकारी संपत्ति और योजना–दोनों को नुकसान पहुंच रहा है। शिक्षा विभाग के अधिकारी का कहना है कि लाभुकों की सूची तैयार की जा रही है और जल्द वितरण किया जाएगा, लेकिन स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह आश्वासन महीनों से दोहराया जा रहा है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि शीघ्र जांच कर कार्रवाई की जाए, ताकि छात्राओं तक साइकिल योजना का लाभ समय पर पहुंच सके और सरकार की मंशा व्यर्थ न हो।

कुसुंडा साइडिंग में माफियागिरी व बेरोजगारी के खिलाफ ग्रामीणों का आक्रोश

धनबाद, संवाददाता

गोधर दुर्गा मंदिर प्रांगण में सोमवार को ग्रामीणों द्वारा आयोजित प्रेस वार्ता में रणबीर प्रताप रवानी ने कहा कि कुसुंडा साइडिंग में व्याप्त माफियागिरी और बेरोजगारी के खिलाफ तीखा विरोध जताया। श्री रवानी ने आरोप लगाया कि वर्ष 2011 से संचालित साइडिंग से दो हजार परिवार धूल प्रदूषण की मार झेल रहे हैं, जबकि रोजगार के नाम पर मात्र 24 युवाओं को ही काम दिया गया है। कहा कि काम और ठेका कार्यों पर माफियाओं का कब्जा है तथा प्रशासन मौन है , जल छिड़काव व चिकित्सा सुविधा के अभाव में लोग बीमार पड़ रहे हैं। श्री रवानी ने चेतावनी दी कि यदि स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता नहीं दी गई तो आंदोलन तेज किया जाएगा और कोई भी अनहोनी के लिए प्रबंधन जिम्मेवार होंगे। उन्होंने ने कहा कि वार्ड संख्या 13 के कम से कम 100 बेरोजगार युवकों को रोजगार मिलना चाहिए।

उन्होंने नारा लगाया – सरकारी संपति से वैर नहीं, माफिया तेरी खैर नहीं।

प्रेस वार्ता में रणवीर प्रताप रवानी, पवन सिंह, मिथिलेश चौहान, कार्तिक पाण्डेय, आलोक रवानी, उमा शंकर दुबे, विशाल खानी सहित कई ग्रामीण लोग उपस्थित थे।

भाजपा एफ सी आई प्रबंधन के द्वारा आवास खाली करने और पुनः पी पी कोर्ट की कार्रवाई शुरू करने का आदेश का विरोध करती है

धनबाद, संवाददाता

सोमवार को भारतीय जनता पार्टी सिंदरी नगर की एक अतिआवश्यक बैठक रोडाबांध कार्यालय में सम्पन्न हुई जिसकी अध्यक्षता नगर अध्यक्ष अरविंद पाठक ने की। बैठक को संबोधित करते हुए अरविंद पाठक ने कहा कि सिंदरी नगर भाजपा एफ सी आई प्रबंधन के द्वारा आवास खाली करने और पुनः पी पी कोर्ट की कार्रवाई शुरू करने का आदेश का विरोध करती है और इसे यथाशीघ्र बंद करने का आग्रह करती है। अरविंद पाठक ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस 2025 के अवसर पर एफ सी आई के ओ एस डी शेखावत ने पुनः एक बार आवासीय योजना लाने की बात कही थी लेकिन उस योजना के आने से पहले हीं एफ सी आई के द्वारा नोटिस बांटना न्यायसंगत नहीं है। इस कार्य से यहां के लोगों में एफ सी आई के प्रति अविश्वास उत्पन्न हुआ है। एफसीआई सिंदरी 31 दिसंबर 2002 को बंद हो गई थी उस समय सिंदरी में रह रहे खाली करने के लिए कोशिश लिया गया था। प्रोफेसर रीता वर्मा पूर्व केंद्रीय मंत्री सह सांसद के द्वारा सिंदरी वासियों को पूर्ण रूप से सहयोग की थी जिसे आज सिंदरी वासियों रह रहे हैं। वर्तमान सांसद ढुल्लू महतो के द्वारा भरोसा आश्वासन दिया जा रहा है की सिंदरी वासियों कभी घबराए नहीं खाली नहीं होने देंगे। आज एफसीआई प्रबंधक के द्वारा अवैध रूप से रह रहे सिंदरी वासियों को नोटिस देना शुरू कर दिया गया है जिससे सिंदरी वासियों में हड़काम मचा हुआ है। बताया जा रहा है कि लगभग 1615 व्यक्तियों को नोटिस एफसीआई प्रबंधक के द्वारा जारी किया गया है जिसे जल्द से जल्द खाली करने के लिए बतलाया जा रहा है। आज झारखंड राज 15 नवंबर 2025 को रजत जयंती मनाने जा रहा है दूसरी ओर सिंदरी वासियों को नोटिस दिया जा रहा जल्द से जल्द आवास खाली करें। आज एफसीआई लिमिटेड सिंदरी लगभग 75 वर्ष पूरा होने के बाद भी सिंदरी वासियों में डर बना हुआ रहता है। प्रबंधक के द्वारा अलग-अलग तरीके से पेश आ रहे हैं। बैठक में यह निर्णय लिया गया की धनबाद के सांसद ढुल्लू महतो से वार्ता कर आगे की कार्रवाई रूपरेखा तय की जाएगी। बैठक में मुख्यरूप से भाजपा नेता पूर्व पार्षद दिनेश सिंह, राकेश तिवारी, ब्रजेश सिंह, इंद्रमोहन सिंह, राघव तिवारी, गणपति बाउरी, संजय महतो, अणिमा सिंह, नकुल सिंह, इंदरजीत सिंह, सत्येंद्र सिंह, प्रफुल्ल कुमार, अमित सिंह, चुन्नू सिन्हा, माधव सिंह इत्यादि उपस्थित थे।

बीसीसीएल के CSR मद अंतर्गत 'स्वस्थ जिंदगी - मेगा आरोग्य शिविर' का सफल आयोजन

धनबाद, संवाददाता

बीसीसीएल के CSR मद अंतर्गत आर. के. एच.आई.वी. एड्स रिसर्च एंड केयर सेंटर द्वारा दो दिवसीय 'स्वस्थ जिंदगी - मेगा आरोग्य शिविर' का सफल आयोजन किया गया। यह शिविर 6 नवम्बर को नेहरू नगर, कोयला नगर तथा 7 नवम्बर को एरिया ऑफिसर्स क्लब, बस्ताकोला, धनबाद में संपन्न हुआ। दुनिया की पहली संस्था के रूप में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज इस केंद्र ने अब तक 36,000 से अधिक मेडिकल कैम्प आयोजित किए हैं। इस दो दिवसीय शिविर में लगभग 5000 लोगों की जांच की गई, जिसमें एक्स-रे, टीबी, एचआईवी, शुगर, हीमोग्लोबिन तथा बीएमडी टेस्ट शामिल थे। टीबी जांच में 16 मरीज संक्रमित पाए गए, जिन्हें सरकारी अस्पताल में रेफर किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रोजेक्ट हेड योगिता बोरकर ने किया। 6 नवम्बर के शिविर में सीएमडी मनोज कुमार अग्रवाल सहित शीर्ष अधिकारी उपस्थित रहे, जबकि 7 नवम्बर को सीएसआर समिति के चेयरमैन डॉ. अरुण कुमार उरांव और अन्य गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही। संस्था ने शिविर के बाद पॉजिटिव मरीजों की आगे की चिकित्सा और दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की घोषणा की।

हार्वे हाई स्कूल में पूर्ववर्ती छात्र मिलन समारोह संपन्न, विधायक बोले—जल्द मिलेगा टेन प्लस टू का दर्जा

पलामू, संवाददाता

हुसैनाबाद के ऐतिहासिक हार्वे हाई स्कूल परिसर में तीन दिवसीय पूर्ववर्ती छात्र मिलन समारोह सोमवार को संपन्न हुआ। यह स्कूल वर्ष 1935 में ब्रिटिश शासनकाल में सी.डब्ल्यू. हार्वे द्वारा स्थापित किया गया था। कार्यक्रम में 1964 से 2020 तक के पूर्व छात्र-छात्राएं शामिल हुए। उन्होंने अपने पुराने दोस्तों से मिलकर स्कूल की यादें ताजा कीं और भावुक पलों को साझा किया। उद्घाटन समाजसेवी सीताराम सिंह, सेवानिवृत्त एसडीएम सादिक अंसारी, शिक्षक राजेंद्र सिंह और व्यवसायी अभिमन्यु अग्रवाल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मौके पर कई पूर्ववर्ती छात्रों ने गायन व नृत्य प्रस्तुत कर वातावरण को जीवंत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता गुप्तेश्वर राम, संचालन बिनोद कुमार सिन्हा और मीना सिंह ने किया। मुख्य अतिथि एवं विधायक संजय कुमार सिंह यादव ने कहा कि वह इस समारोह में अतिथि के रूप में नहीं, बल्कि एक पूर्व छात्र के रूप में शामिल हुए हैं। उन्होंने घोषणा की कि हार्वे हाई स्कूल को शीघ्र ही टेन प्लस टू का दर्जा प्रदान किया जाएगा। समारोह के अंत में सभी पूर्व छात्रों को मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में बिनोद कुमार सिन्हा, राजेश गुप्ता, सैयद नौशाद, आशीष कुमार दास, हरिनंदन गिरी समेत कई पूर्व छात्रों की अहम भूमिका रही।

झरखंड आंदोलनकारी समनवय समिति ने उपायुक्त रामगढ़ से मुलाकात किया

रामगढ़, संवाददाता

रजरप्पा। झारखंड आंदोलनकारी समन्वय समिति द्वारा रामगढ़ जिला उपायुक्त फैज अक अहमद मुमताज से शिष्टाचार मुलाकात कर झारखंड आंदोलनकारी समन्वय समिति रामगढ़ जिला अध्यक्ष सुनील राज चक्रवर्ती के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल उनसे मिलकर उन्हें ज्ञापन सोपा गया जिसमें उपायुक्त से आगामी दिनांक 15 नवंबर राज्य स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर झारखंड आंदोलनकारी को सम्मान प्रस्तुति पत्र प्रदान करने की आग्रह किया गया साथ ही गोला डीवीसी चौक का नाम झारखंड के महान आंदोलनकारी दिशुम गुरु शिबु सोरेन चौक नामकरण करने का मांग किया गया। मिलने वालों प्रतिनिधि मंडल में मुख्य रूप से भोलाराम मांझी आदित्य महतो देवकी प्रसाद अमूल्य उपाध्याय कुंजीलाल रविदास भोलाराम रविदास राजाराम महतो लक्ष्मण महतो सागो देवी नूनी बाला देवी सुशीला देवी सुमित्रा देवी सीता देवी जगमोहन रविदास।

सामुदायिक पुलिसिंग, जन-जागरूकता कार्यक्रम से गोमिया के सुदूर गावों में ला रही है विकास की रंग

बोकारो, संवाददाता

अनुमंडल के गोमिया प्रखंड क्षेत्र के नक्सल प्रभावित गांवों में नक्सलियों की छाया हटी तो विकास के किरणें में रफ्तार आने लगी है, दो दशक के पहले महुआटांड, बड़कीपुनू, सिधाबारा, नरकंडी, लोधी, करीं सहित दर्जन भर ऐसे गांव है ,जहाँ पर दिन की उजवाले में राहियों को अमावस्या की रात ही लगता था । वही आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़ा का गंभीर समस्या रहती थी। अब इन कारणों से बादल की छाया छटती गयी और बिकास की किरण दौड़ता गया ,अब स्थिति पहले की अपेक्षा काफी हदतक सुधार हो गयी है । अब भी पहाड़ी क्षेत्रों में नक्सल गतिविधि होने के कारण विकास की गति काफी धीमी हैं। अधिकांश परिवार कृषि या दिहाड़ी मजदूरी पर निर्भर हैं। आर्थिक कमजोरी का सीधा प्रभाव शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और सामाजिक प्रगति पर दिखाई देता है। गोमिया और चतरोचट्टी थाना क्षेत्र के लोग मेहनती, सरल और सहयोगी स्वभाव के हैं। प्रशासन व पुलिस द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं कि इन सुरक्षा, शांति और विकास के रास्ते को आगे बढ़ाने में और नक्सल गतिविधि के समाप्ति समय समय पर सामुदायिक पुलिसिंग, जन-जागरूकता कार्यक्रम, शिक्षा व नशा उन्मूलन से जुड़े अभियानों के माध्यम से रंग आयी है । शांति और स्थिरता ने गोमिया को नई दिशा दी है, जिससे सामाजिक-आर्थिक प्रगति की राह और मजबूत हुई है। इस संबंध में गोमिया थाना प्रभारी रवि कुमार का पुलिसिंग एवम् जागरूकता कार्यक्रम छात्रा-छात्राऐ के बीच खेल समाग्री ,चॉकलेट सहित आदि का वितरण करना सराहनीय उपकार के उधारण है।

मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम में बोकारो को मिला प्रथम पुरस्कार

बोकारो, संवाददाता

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बोकारो जिले को पूरे झारखंड में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। यह उपलब्धि एनसीडी कोषांग, बोकारो द्वारा सिविल सर्जन डॉ. अभय भूषण प्रसाद के निर्देशन में किए गए सराहनीय कार्यों का परिणाम है। यह पुरस्कार सोमवार को बोकारो सदर अस्पताल के मनोरोग चिकित्सक डॉ. प्रशांत कुमार मिश्रा ने एनएचएम झारखंड के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा से प्राप्त किया। डॉ. अभय भूषण प्रसाद ने बताया कि डॉ. प्रशांत कुमार मिश्रा और एनसीडी टीम के अथक प्रयासों से बोकारो जिले ने पिछले पाँच वर्षों से मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम में राज्यभर में शीर्ष स्थान बनाए रखा है। उन्होंने कहा कि आत्महत्या निवारण सप्ताह में भी बोकारो ने सबसे बेहतर कार्य किया, जो टीम की कार्यनिष्ठा और समर्पण को दशार्ता है।

जल संरक्षण और पर्यावरणीय स्थिरता की दिशा में बीएसएल की ऐतिहासिक पहल

बोकारो, संवाददाता

बोकारो इस्पात संयंत्र अब जल संरक्षण और पर्यावरणीय स्थिरता के क्षेत्र में एक नई मिसाल कायम करने जा रहा है। संयंत्र परिसर में 30 मिलियन गैलन प्रति दिन (एमजीडी) क्षमता वाले अत्याधुनिक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) की स्थापना की जा रही है। यह परियोजना सर्कुलर वाटर इकोनॉमी को साकार करने और जीरो लिक्विड डिस्चार्ज के लक्ष्य की दिशा में बीएसएल की ऐतिहासिक पहल है। वर्तमान में बीएसएल अपने औद्योगिक और घरेलू उपयोग हेतु करीब 39 एमजीडी पेयजल की आपूर्ति करता है। संयंत्र एवं टाउनशिप से उत्पन्न लगभग 30 एमजीडी सीवेज जल के वैज्ञानिक शोधन और पुनः उपयोग की आवश्यकता को देखते हुए यह परियोजना शुरू की गई है। यह एसटीपी सीक्वेंशियल बैच रिएक्टर तकनीक पर आधारित होगा, जो प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मानकों के अनुरूप है। शुद्ध किया गया जल दामोदर नदी से लिए जाने वाले रॉ जल से बेहतर गुणवत्ता का होगा, जिसे इस्पात निर्माण प्रक्रिया में पुनः प्रयुक्त किया जाएगा। परियोजना को हाइब्रिड एन्युइटी मॉडल के तहत लागू किया जाएगा, जिससे संचालन और रखरखाव अनुभवी एजेंसियों के माध्यम से सुनिश्चित होगा। परियोजना पूर्ण होने पर बीएसएल में जल संरक्षण, स्वच्छता और पर्यावरणीय अनुपालन के स्तर में उल्लेखनीय सुधार होगा। इससे दामोदर नदी से जल पर निर्भरता घटेगी और लगभग ?50 करोड़ रुपये प्रति वर्ष की बचत होगी। साथ ही, म्यूनिसिपल सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट सुविधा भी शीघ्र ही स्थापित की जाएगी। इन पहलों के साथ बोकारो टाउनशिप झारखंड का पहला ऐसा नगर बन जाएगा, जहाँ इतनी बड़ी क्षमता की आधुनिक पर्यावरणीय सुविधाएँ एक साथ उपलब्ध होंगी। यह प्रयास बीएसएल को एक ईको-एफिशिएंट, जिम्मेदार और भविष्य उन्मुख संगठन के रूप में नई पहचान दिलाएगा।

रघुनाथ महतो चौक नाम से जाना जाएगा पिड़गुल चौक : ग्रामीण

बोकारो, संवाददाता

कसमार प्रखंड के पिड़गुल चौक का नाम अब शहीद रघुनाथ महतो चौक रखा गया है। रविवार को स्थानीय ग्रामीणों ने चौक पर साइन बोर्ड लगाकर इस ऐतिहासिक नामकरण की शुरूआत की। ग्रामीणों ने कहा कि शहीद रघुनाथ महतो ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ चुआड़ आंदोलन का नेतृत्व कर वीरता और स्वाभिमान का अद्भुत उदाहरण पेश किया था। उनका नाम नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। रघुनाथ महतो का जन्म 21 मार्च 1738 को सरायकेला-खरसावां जिले के घुटियाडीह गांव में हुआ था। उन्होंने 1769 में ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ चुआड़ विद्रोह का नेतृत्व किया और अपना गांव, अपना राज; दूर भगाओ विदेशी राज का नारा दिया। यह विद्रोह 1767 से 1783 तक अंग्रेजों और जमींदारों के शोषण के खिलाफ चला। 5 अप्रैल 1778 को अंग्रेजों से लड़ते हुए रघुनाथ महतो शहीद हो गए। उनकी स्मृति में चौक का नामकरण क्षेत्रवासियों के लिए गौरव और स्वाभिमान का प्रतीक है।

20 साल बाद सोनपुर मेला पहुंचे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

81.53 करोड़ की लागत से जल्द तैयार होगा गुड़बाल बांध, जारी हुआ टेंडर

हाजीपुर। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को विश्व प्रसिद्ध हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला का निरीक्षण किया। उन्होंने आपदा प्रबंधन, ग्राम श्री मंडप आदि प्रदर्शनियों का सूक्ष्म अवलोकन किया और उसके बारे में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने मेला यात्रियों के लिए रौनक बना बिहार पर्यटन एवं

सारण जिला प्रशासन द्वारा निर्मित आर्ट एंड क्राफ्ट ग्राम में अवस्थित स्टालों, का व्यापक निरीक्षण किया। इससे पूर्व पुलिस विभाग के श्वान दस्ता ने स्टालों का जांच किया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ बिहार के भवन निर्माण मंत्री मंत्री अशोक चौधरी, सारण आयुक्त राजीव, डीएम अमन समीर, एसपी डॉ कुमार आशीष, पटना के एसएसपी कार्तिकेय शर्मा, पटना नगर आयुक्त डॉ चंद्रशेखर सिंह मौजूद थे मुख्यमंत्री ने आर्ट एंड क्राफ्ट में लगे स्टॉल का निरीक्षण करने के बाद महिला बाल विकास निगम एवं आपदा प्रबंधन विभाग के प्रदर्शनियों का निरीक्षण किया। इसके बाद वे वापस पटना वापस हो गए । मुख्यमंत्री को आर्ट एंड क्राफ्ट में सर्वप्रथम एनडीए के कार्यकर्ताओं ने अंग - वस्त्र से सम्मानित किया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आर्ट एंड क्राफ्ट में बांस कला केंद्र स्टॉल पर बांस से बनी वस्तुओं के बारे में विस्तृत से जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने महिला बाल विकास एवं ग्राम श्री प्रदर्शनी में लगे स्टॉल का निरीक्षण कर जीविका दीदी के द्वारा संचालित स्टॉल पर बिहारी व्यंजन को देखा। मेला क्षेत्र में मुख्यमंत्री के आने से पूर्व सुरक्षा बलों ने कार्यक्रम स्थानों को श्वान -दस्ता एवं मेटल डिटेक्टर से जांच की। वहीं ,आपदा प्रबंधन विभाग के प्रदर्शनी में बाढ़ से सुरक्षा, घरेलू गैस से आग लगने की बचाव सहित अन्य जानकारी प्राप्त की। नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार 2005 में सोनपुर मेला का उद्घाटन किए थे। इसके बाद सोनपुर कबीर मठ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए थे।

तीसी के लड्डू ने सोनपुर मेले में मचाई धूम

विश्व प्रसिद्ध हरिहरक्षेत्र सोनपुर मेला में इस बार तीसी का लड्डू लोगों का आकर्षण का केंद्र बन गया है। मेला में महिला एवं बाल विकास निगम, बिहार सरकार द्वारा आयोजित प्रदर्शनी में एक ऐसा स्टॉल सजाया गया है, जहां तीसी से बने पौष्टिक लड्डू की खुशबू और स्वाद लोगों को अपनी ओर खींच रहे हैं। स्टॉल पर मेला में घूमने आने वाले लोग तीसी के

लड्डू का स्वाद लेने के साथ-साथ इसे घर भी ले जा रहे हैं। स्टॉल पर मौजूद हाजीपुर मीनापुर निवासी अनिता कुमारी ने बताया कि वह कई वर्षों से विभाग की प्रदर्शनी में अपना स्टॉल लगाती आ रही हैं। स्टॉल पर मोटा अनाज जैसे जौ, बाजरा, मड़ुआ, मक्का सहित अन्य खाद्य सामग्री पैकेट में बिक्री के लिए उपलब्ध है। अनिता ने बताया कि आमतौर पर बाजार में बेसन से बने लड्डू मिलते हैं, लेकिन इस स्टॉल पर तीसी से लड्डू बनाया गया है, जिसमें बेदाम, काजू, किशमिश, तिल, नारियल और देशी घी, इलायची मिलाकर तैयार किया गया है। यह लड्डू स्वादिष्ट होने के साथ-साथ स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है। अनिता के अनुसार तीसी में 108 गुण पाए जाते हैं और प्रति माह लगभग 25 किलो तीसी के लड्डू की बिक्री होती है। एक किलो तीसी से लड्डू बनाने में तीसी का पाउडर, गुड़, काजू, किशमिश, तिल और नारियल चूर्ण मिलाकर तैयार किया जाता है। एक किलो लड्डू बनाने का खर्च लगभग 400 रुपये आता है, जबकि इससे 150 रुपये की आमदनी होती है। तीसी का उपयोग रोटी, हलवा, चावल, दही, चटनी और पाउडर के रूप में भी किया जाता है। खाली पेट तीसी का सेवन स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माना जाता है। अनिता ने बताया कि स्टॉल पर मक्का, गेहूं, बाजरा का दलिया, चना का सत्तू और मक्का का आटा भी 50 रुपये के पैकेट में उपलब्ध है, जबकि तीसी का लड्डू 100 रुपये के डब्बे में बिक्री के लिए रखा गया है।

गंडक नदी में कटाव से दहशत

करोड़ों खर्च के बावजूद नहीं मिला समाधान, विभाग की ने किया निरीक्षण

सारण/मुजफ्फरपुर। बिहार के सारण और मुजफ्फरपुर जिले की सीमावर्ती गंडक नदी में हो रहे लगातार कटाव ने स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ा दी है। करोड़ों रुपये खर्च किए जाने के बाद भी कटाव रोकने में कोई ठोस सफलता नहीं मिली है। खेत, बगीचे और आवासीय जमीन कटने से नदी किनारे बसे लोगों के बीच विस्थापन का खतरा बढ़ता जा रहा है। हैजलपुर गांव में गंडक नदी का कटाव पिछले एक वर्ष से लगातार बढ़ रहा है। स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि ग्रामीण हर दिन दहशत में जी रहे हैं। इसी समस्या को देखते हुए, सारण के सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूडी ने जल संसाधन विभाग को आवेदन देकर स्थायी समाधान की मांग की थी। शुक्रवार को जल संसाधन विभाग की एक उच्च स्तरीय टीम ने स्थानीय पंचायत के मुखिया अनिल सिंह की मौजूदगी में हैजलपुर पहुंचकर कटाव वाले क्षेत्र का निरीक्षण किया। टीम ने कटाव की वर्तमान स्थिति, ग्रामीणों को हो रही परेशानी और जोखिम का विस्तृत मूल्यांकन किया। निरीक्षण के दौरान अधीक्षण अभियंता अब्दुल हमीद ने बताया कि कटाव की रफ्तार कम करने के लिए फिलहाल मिट्टी का ओवर बोरी कम किया जा रहा है और नदी किनारे बालू भरी बोरियां डाली जा रही हैं। उन्होंने कहा कि हवांव को पूरी तरह सुरक्षित करने के लिए स्थायी समाधान का ब्लूप्रिंट तैयार किया जा रहा है, जिसे जल्द विभाग को भेजा जाएगा। टीम ने कटाव स्थल के विभिन्न बिंदुओं का तकनीकी सर्वे किया और आश्वासन दिया कि स्थायी निरोधात्मक कार्यों को लेकर जल्द अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

नालंदा: 39 पैक्स डिफॉल्टर घोषित

नालंदा। जिले में 39 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) को सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक ने डिफॉल्टर घोषित कर दिया है। जिसके चलते इस साल किसानों से धान खरीद नहीं कर पाएंगे। 15 नवंबर से जिले में धान खरीद की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, लेकिन इन 39 पैक्स के क्षेत्र में आने वाले हजारों किसानों को अपनी फसल बेचने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था तलाशनी होगी। डिफॉल्टर पैक्सों पर को-ऑपरेटिव बैंक का 12 करोड़ रुपए से अधिक का बकाया है। पिछले वर्ष धान खरीद के लिए दी गई कैश-क्रेडिट की राशि को समय पर नहीं लौटाया गया है। कुछ पैक्सों की ओर से समय पर ऑडिट रिपोर्ट नहीं देने के कारण भी उन्हें डिफॉल्टर की श्रेणी में डाल दिया गया है।

संक्षिप्त डायरी

चलते ट्रक में दौड़ा 11000 वोल्ट का करंट, ड्राइवर की मौत

समस्तीपुर। एक ट्रक 11000 वोल्ट के हाईटेंशन तार की चपेट में आ गया। बिजली के चपेट में आते ही ट्रक बीच सड़क धू-धू कर जलने लगा। देखते ही देखते आग ने पूरे ट्रक को अपने चपेट में ले लिया। ट्रक में करंट लगते ही ड्राइवर झटका खाकर नीचे गिर गया। जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान पप्पू कुमार(35) के रूप में हुई है। पप्पू ही इस ट्रक के मालिक थे। वहीं 4 लोगों ने कूदकर अपनी जान बचाई। हादसे में खलासी गोलू कुमार झुलस गया है। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। ट्रक पर खाद लोड था। घटना सिंघिया थाना क्षेत्र के भरहर चौक के पास हुई। जानकारी के मुताबिक, पप्पू कुमार समस्तीपुर से ट्रक में खाद भरकर निमि जा रहे थे। जैसे ही ट्रक भरहर चौक के पास पहुंचे ऊपर से गुजर रहे 11,000 वोल्ट के हाई वोल्टेज तार के संपर्क में आ गया और इससे आग लग गई। ट्रक ड्राइवर की करंट लगने से मौत हो गई। देखते ही देखते आग ने ट्रक को पूरी तरह अपनी चपेट में ले लिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद आसपास के लोग मदद के लिए भागे, लेकिन करंट से जुड़ा मामला होने की वजह से स्थानीय लोग बहुत मदद नहीं कर पाए। तुरंत इसकी सूचना पुलिस और फायर ब्रिगेड लेकिन, उनके पहुंचने से पहले ट्रक पूरी तरह जलकर राख हो गया था। मृतक के परिजन चंदन कुमार ने कहा, "मैं अपने शॉप पर था। फोन आया कि करंट लगने से पप्पू की मौत हो गई। जिसके बाद परिवार के सदस्यों के साथ पहुंचा। गाड़ी में 4-5 लोग सवार थे। 3 लोग कूदकर जान बचाई है।'

छपरा में फिर चली गोलियां, कपड़ा व्यवसायी के कर्मी से डेढ़ लाख की लूट

छपरा। बिहार के छपरा में एक बार फिर अज्ञात हथियारबंद अपराधियों ने दुस्साहस का परिचय देते हुए एक बड़े लूटकांड को अंजाम दिया है। अपराधियों ने न केवल एक कर्मचारी को गोली मारी, बल्कि सारण पुलिस को खुली चुनौती देते हुए वसूली की करीब डेढ़ लाख रुपये की रकम भी लूट ली। यह घटना शनिवार की देर शाम छपरा‑सिवान मुख्य मार्ग पर हुई। जानकारी के अनुसार, मोटरसाइकिल सवार तीन अपराधियों ने कपड़ा व्यवसायी के कर्मी अरशद अंसारी को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया और उसके पास मौजूद वसूली की रकम लूटकर फरार हो गए। घायल अरशद अंसारी नगर थाना क्षेत्र के खंटका तेलपा निवासी साकिर अंसारी का पुत्र है। दाउदपुर थानाध्यक्ष कुंदन कुमार के अनुसार, अपराधियों की गिरफ्तारी और लूटी गई रकम की बरामदगी को लेकर लगातार छापेमारी की जा रही है। उन्होंने लोगों से अपील की कि बड़ी रकम लेकर यात्रा करने से पहले स्थानीय पुलिस को जरूर सूचित करें, जिससे ऐसे मामलों को रोका जा सके। घटना के संबंध में बताया गया कि अरशद अंसारी साहेबगंज पुरानी गुरहट्टी स्थित थोक कपड़ा व्यवसायी रविशंकर गुप्ता की दुकान पर काम करता है। शनिवार देर शाम वह सिवान जिले के मैनपुर और सारण जिले के रसूलपुर बाजार से उधारी की लगभग डेढ़ लाख की राशि वसूल कर अकेले बाइक से छपरा लौट रहा था। रास्ते में दाउदपुर थाना क्षेत्र के रेलवे ढाला के पास पीछे से एक बाइक पर सवार तीन हथियारबंद अपराधियों ने उसका पीछा किया और उसे जबरन रोकने का प्रयास किया।

शिवहर में 8.750 किलो गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार

शिवहर। पिपराही पुलिस ने 8 किलो 750 ग्राम गांजा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार सिन्हा के निर्देश पर गुप्त सूचना के आधार पर की गई। पुलिस ने आरोपी के पास से एक स्कूटी और एक स्मार्टफोन भी जब्त किया है। पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार सिन्हा ने एक प्रेस वार्ता में बताया कि 29 नवंबर को पिपराही थाना अध्यक्ष को सूचना मिली थी। सूचना के अनुसार, एक व्यक्ति स्कूटी से सीतामढ़ी-धनकौल-शिवहर मार्ग से गांजा लेकर आ रहा था। इसके बाद धनकौल चेक पोस्ट के पास वाहनों की जांच शुरू की गई। जांच के दौरान, एक संदिग्ध व्यक्ति ने अपनी स्कूटी घुमाकर भागने का प्रयास किया। हालांकि, सशस्त्र बल ने उसे पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से गांजा जैसा पदार्थ बरामद हुआ, जिसे विधिवत जब्त कर लिया गया। गिरफ्तार तस्कर की पहचान हेमचंद गिरी के रूप में हुई है, जो राम पुकार गिरी ढेकुली धरमपुर का पुत्र है। उसके पास से कुल 8 किलो 750 ग्राम गांजा, एक स्मार्टफोन और एक स्कूटी जब्त की गई है। इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। छापेमारी दल में पिपराही थाना अध्यक्ष उमाकांत सिंह, पुलिस अवर निरीक्षक राजेश्वर झा, सिपाही अरविंद कुमार, सिपाही अमित कुमार और सिपाही विवेक कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

डिलीवरी के बाद महिला और नवजात की मौत

परिजनों का हंगामा, डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप, प्राइवेट अस्पताल का संचालक फरार

औरंगाबाद। डिलीवरी के बाद महिला और नवजात की मौत हो गई। परिजनों ने डॉक्टर पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाकर जमकर हंगामा। घटना रफीगंज सामुदायिक अस्पताल से 20 मीटर की दूरी पर स्थित एक निजी क्लीनिक का है। मृतका शोभा देवी(20) कासमा थाना क्षेत्र के महुआवन गांव की रहने वाली थी। पति अखिलेश चौधरी ने बताया कि 27 नवंबर को दोपहर दो बजे प्रसव पीड़ा के बाद शोभा को रफीगंज सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे थे। जहां डॉ. लालजी यादव और एक एएनएम ने जांच कर बताया कि सब कुछ सामान्य है। थोड़े समय में प्रसव हो जाएगा। इसके बाद रातभर किसी डॉक्टर या नर्स ने उनकी पत्नी पर ध्यान नहीं दिया। इस दौरान सीएचसी में पदस्थापित आशा कार्यकर्ता ललिता देवी ने परिजनों को यह कहते हुए गुमराह किया कि सरकारी अस्पताल में ठीक से प्रसव नहीं होगा। पास में ही महादेव अस्पताल है, वहां ले चलिए। अखिलेश चौधरी ने आगे कहा कि आशा कार्यकर्ता का सुझाव मानकर अगले दिन 28 नवंबर को दोपहर 1:00 बजे महादेव अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉ. महादेव यादव और रिटायर्ड एएनएम राधा देवी ने हालत गंभीर बताते हुए तत्काल ऑपरेशन की बात कही। पहले 30 हजार रुपए जमा कर लिया। ऑपरेशन के बाद डॉक्टर ने बताया कि महिला और नवजात दोनों की हालत गंभीर है। डॉक्टर नवजात को अपने साथ कासमा रोड स्थित एक निजी अस्पताल ले गए। जहां 20 हजार रुपए फिर जमा करने को कहा गया। कुछ देर बाद अस्पताल के स्टाफ ने बताया कि बच्चे को रेफर करना होगा। परिजन जब बच्चे तक पहुंचे तो वह मृत पाया गया। इधर शोभा देवी की भी हालत लगातार बिगड़ते जा रही थी। डॉक्टर ने एंबुलेंस से गया के एक निजी अस्पताल भेज दिया। जहां से उसे पटना रेफर कर दिया गया। शनिवार सुबह करीब 10:00 बजे पटना के डॉक्टरों ने परिजनों को बताया कि शोभा की भी मौत हो चुकी है। अस्पताल ने शव सौंपने के लिए 82 हजार रुपए जमा कराने को कहा। महिला और नवजात की मौत की खबर फैलते ही परिजन आक्रोशित हो गए। रफीगंज में महादेव अस्पताल के बाहर हंगामा शुरू कर दिया। आरोप है कि डॉक्टर और स्टाफ पूरे मामले में लापरवाह थे और इलाज के नाम पर पैसे ऐंठते रहे। हंगामे के दौरान स्टाफ अस्पताल बंद कर फरार हो गया। गलत इलाज के कारण ही दोनों की मौत हुई है। हंगामे की सूचना पर नवनिर्वाचित विधायक प्रमोद कुमार सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि रफीगंज प्रखंड में अवैध क्लिनिकों का जाल फैला है। सीएचसी के कर्मचारियों की मिलीभगत से यह अवैध खेल चल रहा है। डीएम से फोन पर बात कर मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। मृतका के पति अखिलेश चौधरी ने रफीगंज थाने में डॉक्टर, नर्स और आशा कार्यकर्ता के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई है। प्रशिक्षु डीएसपी सह रफीगंज थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार ने बताया कि आवेदन मिला है। जिसके आधार पर एफआईआर दर्ज कर मामले में उचित कार्रवाई की जा रही है।

भोजपुर में बीजेपी का अभिनंदन समारोह

भाजपा कार्यालय में विधायकों का मालाओं से सम्मान

भोजपुर। रविवार को बामपाली स्थित भाजपा कार्यालय में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की ओर से भोजपुर की सभी सातों विधानसभा सीटों पर जीत के उपलक्ष्य में भव्य अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में श्रम संसाधन मंत्री सह आरा विधायक संजय सिंह टाइगर, बड़हरा विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह, जगदीशपुर विधायक श्रीभगवान सिंह कुशवाहा, शाहपुर विधायक राकेश ओझा, अगिआंव विधायक महेश पासवान, संदेश विधायक राधा चरण साह उर्फ सेठ जी, और तरारी विधायक विशाल प्रशांत को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। समारोह की शुरुआत पारंपरिक रूप से दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों को शॉल ओढ़ाकर और बड़े मालाओं से स्वागत-सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम

में एनडीए के कई वरिष्ठ नेता, जिला पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समर्थक बड़ी संख्या में मौजूद रहे। सभी ने जीत को जनसमर्थन और सरकार की नीतियों में विश्वास का प्रतीक बताया। इस अवसर पर वक्ताओं ने विकास काम को तेज करने और क्षेत्र की जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का संकल्प दोहराया। साथ ही, कार्यकर्ताओं के योगदान और जनता के समर्थन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। पूरा कार्यक्रम उत्साह और उमंग के माहौल में संपन्न हुआ। श्रम संसाधन मंत्री संजय सिंह टाइगर ने कहा कि यह अभिनंदन एनडीए के कार्यकर्ताओं का है। इनलोगों के प्रयास से अभिनंदन आम आवाम का है। इसलिए, की आम आवाम NDA सरकार पर भरोसा किया। अभिनंदन के हकदार भोजपुर समेत प्रदेश की जनता है। आज हमलोग आभार व्यक्त करने आए थे। सरकार का प्रयास है कि विकास के कार्यों को और भी गति दिया जाए। इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण हो, समस्याओं का समाधान हो और जो जन कल्याणकारी योजना सरकार की चल रही है। वो सभी वर्गों तक पहुंचे इसका प्रयास और तेज होगी। संजय टाइगर ने कहा कि तेजस्वी यादव को जनता ने उनको उस लायक नहीं छोड़ा है कि मुंह छुपाए घूम रहे हैं।

'भोजपुरी देश-विदेश की भाषा': सम्राट चौधरी

कार्यक्रम बोले: आठवीं अनुसूची में होगी शामिल

अमनौर। बिहार के अमनौर में आयोजित 28वें अखिल भारतीय भोजपुरी साहित्य सम्मेलन का उद्घाटन बिहार के उपमुख्यमंत्री सह गृह मंत्री सम्राट चौधरी ने किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भोजपुरी विश्व की समृद्ध और व्यापक रूप से बोली जाने वाली भाषाओं में शामिल है। उन्होंने आश्वस्त किया कि सामूहिक प्रयास से भोजपुरी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल कराया जाएगा। सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार सरकार भोजपुरी के सम्मान, विस्तार और विकास के लिए हर संभव प्रयास करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि एनडीए सरकार पर लोगों के विश्वास का परिणाम है कि 2030 से पहले बिहार में ही बड़ी संख्या में रोजगार उपलब्ध कराए जाएंगे। कानून-व्यवस्था पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, इस बिहार की धरती पर कोई माफिया नहीं रहेगा। अगर रहेगा तो उसकी जगह सिर्फ जेल होगी। महिला सुरक्षा पर उन्होंने कहा कि स्कूल और कॉलेजों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाएगी, ताकि छात्राएं सुरक्षित माहौल में पढ़ाई कर सकें। स्थानीय विधायक कृष्ण कुमार मंटू द्वारा अमनौर को अनुमंडल बनाने की मांग पर डिप्टी सीएम ने कहा कि वह इस मांग को याद रखेंगे और भविष्य में नए अनुमंडल बनने की प्रक्रिया में इसे शामिल करने पर विचार किया जाएगा। उद्घाटन समारोह के बाद बंद चीनी मिलों के मुद्दे पर सम्राट चौधरी ने कहा कि सरकार पूरी तरह गंभीर है और बिहार की सभी बंद चीनी मिलों को चालू कराने की दिशा में काम चल रहा है। मढ़ौरा की चीनी मिल के बारे में उन्होंने कहा कि अगले एक साल में

प्रक्रिया पूरी कर इसे फिर से शुरू किया जाएगा। कार्यक्रम में बिहार सरकार के उद्योग मंत्री और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि भोजपुरी भाषा और समाज देश-विदेश में अपनी मजबूत उपस्थिति रखते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में विकास की गति जिस प्रकार बढ़ रही है, उसी प्रकार भोजपुरी भाषा को भी आगे बढ़ाया जाएगा। मंत्री नितिन नवीन ने कहा कि बिहार सरकार की पहल पर भोजपुरी भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल कराने के प्रयास तेज किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि भोजपुरी सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि कई देशों में बोली जाती है, इसलिए, इसके उत्थान के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी है। कार्यक्रम में मॉरीशस के पूर्व प्रधानमंत्री की पत्नी सरीता बुद्धु, दिल्ली के भाजपा सांसद और गायक-एक्टर मनोज तिवारी, तरैया विधायक जनक सिंह, बनियापुर विधायक केदारनाथ सिंह, अमनौर विधायक कृष्ण कुमार मंटू, छपरा विधायक छोटी कुमारी, विधान पार्षद प्रो. डॉ. वीरेन्द्र नारायण यादव और भोजपुरी गायिकाएं कल्पना पटवारी और अक्षरा सिंह ने भी संबोधित किया। सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ. ब्रज भूषण मिश्र, महामंत्री जय जयकांत सिंह जय, स्वागत सचिव मनोज सिंह और आयोजन समिति के सचिव शिवानुग्रह नारायण सिंह ने मंच पर डिप्टी सीएम समेत अन्य अतिथियों का स्वागत किया। उद्घाटन समारोह का संचालन जयकांत सिंह जय और एमएलसी संजय मयूख ने संयुक्त रूप से किया। उद्घाटन के बाद नए सत्र के लिए प्रमुख शिक्षाविद शशांक प्रसाद किशोर को सम्मेलन का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। उन्होंने कहा कि भोजपुरी भाषा का सम्मान बढ़ाने, इसके उत्थान और आठवीं अनुसूची में शामिल कराने की दिशा में वह पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम करेंगे।

अद्भुत है भगवान जगन्नाथ मंदिर की महिमा

पुरी का भगवान जगन्नाथ मंदिर अपनी भव्यता और आस्था के लिए विश्व प्रसिद्ध है, लेकिन इससे जुड़े कई रहस्य और परंपराएं भी हैं, जो आपको हैरान कर देंगी। इन्हीं में से एक है इस मंदिर का झंडा जो हवा की दिशा के विपरीत लहराता है। आम तौर पर झंडा हवा के साथ उड़ता है, लेकिन यहां ऐसा नहीं होता। यही बात इस मंदिर को रहस्यमयी और अद्भुत बनाती है.

आज तक कोई पता नहीं लगा पाया है कि मंदिर का झंडा हवा के विपरीत दिशा में क्यों लहराता है। स्थानीय लोग इसे भगवान जगन्नाथ की दैवीय शक्ति का संकेत मानते हैं। कहा जाता है कि मंदिर के ऊपर लहराता झंडा नकारात्मक ऊर्जाओं को खत्म करता है और पूरे वातावरण में सकारात्मकता फैलाता है। इस झंडे को हर दिन बदला जाता है, लेकिन यह काम कोई साधारण नहीं है, बल्कि भगवान के प्रति भक्ति और विश्वास का प्रतीक माना जाता है। हर शाम लगभग सूर्यास्त के समय पुराना झंडा उतारकर नया त्रिकोणीय झंडा लगाया जाता है.

ऐसा भी मान्यता है कि अगर किसी दिन झंडा नहीं बदला गया, तो मंदिर 18 सालों तक बंद हो सकता है। इसलिए चाहे बारिश हो या तूफान, यह परंपरा एक दिन के लिए भी नहीं रुकती। झंडा बदलने का यह कार्य एक विशेष परिवार, जिसे चुनरा सेवक या वोला परिवार कहा जाता है, के हाथों से ही होता है। इस परिवार के लोग लगभग पिछले 800 सालों से यह पवित्र जिम्मेदारी निभा रहे हैं.

सबसे हैरानी की बात यह है कि वे बिना किसी सुरक्षा उपकरण के 214 फुट ऊंचे मंदिर के शिखर पर चढ़ते हैं और वहां झंडा बदलते हैं। कहा जाता है कि आज तक इस परिवार के किसी भी सदस्य को इस काम के दौरान कोई चोट नहीं लगी। यह झंडा केवल एक कपड़ा नहीं, बल्कि आस्था, विश्वास और सुरक्षा का प्रतीक है।

मनी प्लांट में डालें ये 2 खास चीजें, घर में बरसेगी धन की वर्षा

मनी प्लांट को केवल सजावट का पौधा नहीं, बल्कि सौभाग्य और बरकत का प्रतीक माना जाता है। ज्योतिष और वास्तु शास्त्र में यह मान्यता है कि इस पौधे की सही देखभाल और इसके साथ किए गए कुछ विशेष उपाय आपके रुके हुए धन को वापस ला सकते हैं। रसोई में रखी दो ऐसी सामान्य चीजें हैं, जिन्हें मनी प्लांट की मिट्टी में मिलाने से न केवल पौधे की ग्रोथ तेजी से होती है, बल्कि यह आपके घर में सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित कर बरकत लाने का काम भी करता है। तो आइए जानते हैं, इन दो शक्तिशाली उपायों के बारे में जो आपके भाग्य को बदल सकते हैं।

दूध

कुछ ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, मनी प्लांट की मिट्टी में दूध मिलाना बहुत शुभ होता है। माना जाता है कि यह उपाय करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और घर में आर्थिक समृद्धि आती है। यह कर्ज से मुक्ति दिलाने में भी सहायक हो सकता है। दूध में कैल्शियम, प्रोटीन और अन्य पोषक तत्व होते हैं, जो पौधे को स्वस्थ और हरा-भरा बनाए रखने में मदद कर सकते हैं, हालांकि इसे बहुत सीमित मात्रा में और पतला करके ही इस्तेमाल करना चाहिए।

चीनी

मनी प्लांट की मिट्टी में चीनी डालने को भी धन और सौभाग्य से जोड़ा जाता है। माना जाता है कि ऐसा करने से धन की देवी लक्ष्मी का आशीर्वाद मिलता है और वित्तीय नुकसान दूर होते हैं। कुछ लोग इसे राहु दोष से मुक्ति पाने के लिए भी उपयोगी मानते हैं। चीनी पौधे के लिए एक तरह से कार्बोहाइड्रेट का स्रोत बन सकती है, जो मिट्टी में सूक्ष्मजीवों की गतिविधि को बढ़ावा दे सकती है।

मनी प्लांट पर लाल धागा बांधें

घर में स्थायी सुख और समृद्धि बनाए रखने के लिए मनी प्लांट की डालियों पर लाल धागा बांधना चाहिए। इससे पौधे की सकारात्मक ऊर्जा और बढ़ जाती है और घर में धन का स्थिर प्रवाह बना रहता है।

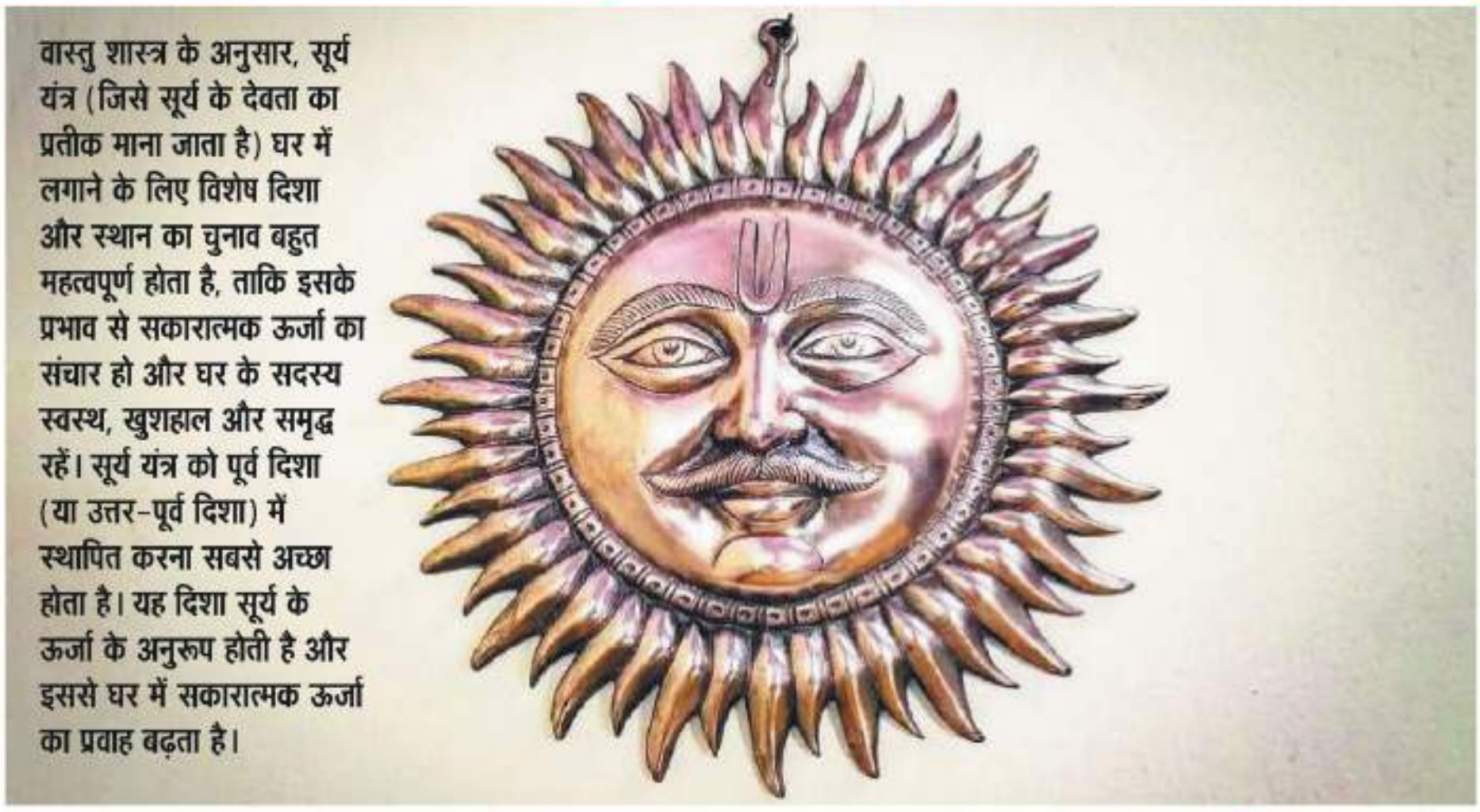

वास्तु शास्त्र के अनुसार, सूर्य यंत्र (जिसे सूर्य के देवता का प्रतीक माना जाता है) घर में लगाने के लिए विशेष दिशा और स्थान का चुनाव बहुत महत्वपूर्ण होता है, ताकि इसके प्रभाव से सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो और घर के सदस्य स्वस्थ, खुशहाल और समृद्ध रहें। सूर्य यंत्र को पूर्व दिशा (या उत्तर-पूर्व दिशा) में स्थापित करना सबसे अच्छा होता है। यह दिशा सूर्य के ऊर्जा के अनुरूप होती है और इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

वास्तु के अनुसार घर में लगाएं सूर्य यंत्र

सूर्य यंत्र को किस दिशा में लगाना चाहिए:

पूर्व दिशा:

सूर्य यंत्र को घर में पूर्व दिशा में लगाना सबसे उत्तम माना जाता है। सूर्योदय की दिशा पूर्व होती है और सूर्य यंत्र को इस दिशा में लगाने से घर में उजाला, सकारात्मक ऊर्जा और स्वास्थ्य संबंधी लाभ होते हैं। यदि सूर्य यंत्र को पूर्व दीवार पर स्थापित किया जाए तो इसका प्रभाव अधिक लाभकारी होता है। इससे घर में शांति, समृद्धि और उन्नति का वातावरण बनता है।

उत्तर-पूर्व दिशा:

उत्तर-पूर्व को ईशान कोण भी कहा जाता है, जो घर में ऊर्जा का प्रमुख केंद्र होता है। सूर्य यंत्र को इस दिशा में लगाने से घर में सकारात्मकता बढ़ती है और जीवन में खुशियां आती हैं। यह दिशा धार्मिक और आध्यात्मिक उन्नति के लिए भी अनुकूल मानी जाती है।

दक्षिण दिशा से बचें:

सूर्य यंत्र को दक्षिण दिशा में लगाने से बचना चाहिए। दक्षिण दिशा में सूर्य का प्रभाव अत्यधिक हो सकता है और यह घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार कर सकता है, जिससे परिवार में संघर्ष और तनाव बढ़ सकता है।

पश्चिम दिशा:

पश्चिम दिशा में सूर्य यंत्र लगाना भी ठीक नहीं माना जाता क्योंकि यह दिशा सूर्य के प्रभाव का उल्टा असर कर सकती है, जिससे घर में समस्या और उलझनें बढ़ सकती हैं।

सूर्य यंत्र की स्थापना के दौरान कुछ खास बातें:

सूर्य यंत्र को स्वच्छ स्थान पर रखें : यंत्र को किसी स्वच्छ और धूल-मिट्टी से मुक्त स्थान पर लगाना चाहिए, ताकि यह पूर्ण रूप से अपनी ऊर्जा दे सके।

सूर्य यंत्र का नियमित पूजन करें : सूर्य यंत्र को स्थापित करने के बाद नियमित रूप से पूजा करें। इससे सूर्य की कृपा घर पर बनी रहती है।

सूर्य यंत्र के पास दीपक रखें : सूर्य यंत्र के पास घी का दीपक रखना अच्छा होता है क्योंकि वह सूर्य के प्रभाव को और अधिक मजबूत करता है और घर में शांति और समृद्धि लाता है।

सूर्य यंत्र का आकार और रूप : यंत्र का आकार और रूप सही होना चाहिए। उचित और प्रमाणिक सूर्य यंत्र का प्रयोग ही असरदार होता है।

वास्तु दोष से मुक्त सुन्दर व अच्छा घर बनाना या उसमें रहना हर व्यक्ति की इच्छा होती है पर थोड़ा सा भी वास्तु दोष आपको काफी कष्ट दे सकता है लेकिन वास्तु दोष निवारण के महंगे उपायों को अपनाने से पहले विघ्नहर्ता गजानन के आगे मस्तक जरूर टेक लें क्योंकि आपके कई वास्तु दोषों का ईलाज गणपति पूजा से ही हो जाता है।

वास्तुदोष दूर करने करें गणपति पूजा

वास्तु पुरुष की प्रार्थना पर ब्रह्माजी ने वास्तुशास्त्र के नियमों की रचना की थी। यह मानव कल्याण के लिए बनाया गया था, इसलिए इनकी अनदेखी करने पर घर के सदस्यों को शारीरिक, मानसिक, आर्थिक हानि भी उठानी पड़ती है।

अतः वास्तु देवता की संतुष्टि के लिए भगवान गणेश जी को पूजना बेहतर लाभ देगा। इनकी आराधना के बिना वास्तुदेवता को संतुष्ट नहीं किया जा सकता। बिना तोड़-फोड़ अगर वास्तु दोष को दूर करना चाहते हैं तो इन्हें आजमाएं।

गणपति जी का वंदन कर वास्तुदोषों को शांत किए जाने में किसी प्रकार का संदेह नहीं होता है। मान्यता यह है कि नियमित गणेश जी की आराधना से वास्तु दोष उत्पन्न होने की संभावना बहुत कम होती है। इससे घर में खुशहाली आती है और तरक्की होती है।

मुख्य द्वार पर लगाये प्रतिमा

यदि घर के मुख्य द्वार पर एकदंत की प्रतिमा या चित्र लगाया गया हो तो उसके दूसरी तरफ ठीक उसी जगह पर गणेश जी की प्रतिमा इस प्रकार लगाए कि दोनों गणेशजी की पीठ मिली रहे। इस प्रकार से दूसरी प्रतिमा या चित्र लगाने से वास्तु दोषों का शमन होता है। भवन के जिस भाग में वास्तु दोष हो उस स्थान पर घी मिश्रित सिंदूर से स्वास्तिक दीवार पर बनाने से वास्तु दोष का प्रभाव कम होता है।

घर या कार्यस्थल के किसी भी भाग में वक्रतुण्ड की प्रतिमा अथवा चित्र लगाए जा सकते हैं। किंतु प्रतिमा लगाते समय यह ध्यान अवश्य रखना चाहिए कि किसी भी स्थिति में इनका मुंह दक्षिण दिशा या नैर्ऋत्य कोण में नहीं हो। इसका विपरीत प्रभाव होता है।

घर में बैठे हुए गणेश जी तथा कार्यस्थल पर खड़े गणपति जी का चित्र लगाना चाहिए, किंतु यह ध्यान रखें कि खड़े गणेश जी के दोनों पैर जमीन का स्पर्श करते हुए हों। इससे कार्य में स्थिरता आने की संभावना रहती है।

भवन के ब्रह्म स्थान अर्थात् केंद्र में, ईशान कोण एवं पूर्व दिशा में सुखकर्ता की मूर्ति अथवा चित्र लगाना शुभ रहता है। किंतु टॉयलेट अथवा ऐसे स्थान पर गणेशजी का चित्र नहीं लगाना चाहिए जहां लोगों को थूकने आदि से रोकना हो। यह गणेशजी के चित्र का अपमान होगा। सुख, शांति, समृद्धि की चाह रखने वालों के लिए घर में सफेद रंग के विनायक की मूर्ति, चित्र लगाना चाहिए।

सिंदूरी रंग के गणपति की आराधना अनुकूल नहीं

सर्व मंगल की कामना करने वालों के लिए सिंदूरी रंग के गणपति की आराधना अनुकूल रहती है। इससे शीघ्र फल की प्राप्ति होती है। विघ्नहर्ता की मूर्ति अथवा चित्र में उनके बाएं हाथ की ओर सूंड घुमी हुई हो इस बात का ध्यान रखना चाहिए। दाएं हाथ की ओर घुमी हुई सूंड वाले गणेश जी हठी होते हैं तथा उनकी साधना-आराधना कठिन होती है। शास्त्रों में कहा गया है कि दाएं सूंड वाले गणपति देर से भक्तों पर प्रसन्न होते हैं।मंगल मूर्ति भगवान को मोदक एवं उनका वाहन मूषक अतिप्रिय है। अतः घर में चित्र लगाते समय ध्यान रखें कि चित्र में मोदक या लड्डू और चूहा अवश्य होना चाहिए। इससे घर में बरकत होती है। इस तरह आप भी बिना तोड़-फोड़ के गणपति पूजन के द्वारा से घर के वास्तुदोष को दूर कर सकते हैं।

पूजा के दौरान धूपबत्ती जलाना शुभ

सनातन धर्म और वास्तु शास्त्र में पूजा के दौरान धूपबत्ती जलाना शुभ माना जाता है जबकि अगरबत्ती नहीं। अगरबत्ती में बांस जलता है जो अशुभ है और स्वास्थ्य को हानि पहुंचाता है। धूपबत्ती ग्रह शांति और सकारात्मक ऊर्जा देती है। आइए जानें हर नियम ताकि पूजा का पूरा फल मिले।

हिंदू शास्त्रों में अगरबत्ती का कोई उल्लेख नहीं है और इसमें बांस जलता है, जो अंतिम संस्कार से जुड़ा है। बांस जलाने से पितृ दोष, वंश वृद्धि में रुकावट और दुर्भाग्य आता है। वैज्ञानिक रूप से बांस का धुआं सांस की बीमारी पैदा करता है। ऐसे में पूजा में अगरबत्ती ना जलाएं।

ज्योतिष में बांस जलाने से पितृ दोष उत्पन्न होता है और पूर्वजों की आत्मा अशांत रहती है। शव यात्रा व कपाल क्रिया में बांस का उपयोग होता है, इसलिए पूजा में इसे जलाना वर्जित है। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और संतान सुख प्रभावित होता है।

धूपबत्ती चंदन, लकड़ी छाल और जड़ी-बूटियों से बनती है, जो ग्रहों को शांत करती है। रोज धूप जलाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा, वास्तु दोष दूर होता है और देव कृपा मिलती है। धूप की सुगंध मन शांत करती है और पूजा का फल कई गुना बढ़ जाता है।

धूपबत्ती में उपयोगी सामग्री अलग-अलग ग्रहों से जुड़ी होती है। चंदन शुक्र ग्रह को, गूगल राहु ग्रह को और लोबान सूर्य को शांत करता है। धूप जलाने से कुंडली के दोष कम होते हैं और जीवन में स्थिरता आती है। शाम को धूप जरूर जलाएं।

धूपबत्ती का धुआं कीटाणुनाशक है और घर की हवा शुद्ध करता है, जबकि अगरबत्ती का धुआं हानिकारक है।

रेपो दर में कटौती कर सकता है रिजर्व बैंक

मुंबई भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की इस सप्ताह होने वाली बैठक में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद है। रेपो दर वह दर है जिस पर केंद्रीय बैंक वाणिज्यिक बैंकों को अल्पकालिक ऋण देता है। एमपीसी की बैठक 03 से 05 दिसंबर को होने वाली है। इससे पहले अक्टूबर को हुई बैठक में रेपो तथा अन्य नीतिगत दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया था। पिछली बार आरबीआई गवर्नर ने कहा था कि मुद्रास्फीति की कम दरों को देखते हुए रेपो दरों में कटौती की गुंजाइश है, लेकिन केंद्रीय बैंक और आंकड़ों का इंतजार करेगा। यह वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में की गयी कटौती तथा अमेरिका में भारतीय वस्तुओं पर उच्च आयात के प्रभाव को देखना चाहेगा।

चीन की कारखाना गतिविधियों में नवंबर में लगातार आठवें महीने गिरावट

हांगकांग चीन की कारखाना गतिविधियों में नवंबर में लगातार आठवें महीने गिरावट आई है। एक आधिकारिक सर्वे में यह जानकारी दी गई है। हालांकि, अमेरिका-चीन के बीच व्यापार के मोर्चे पर समझौता हो गया है, लेकिन इसके बावजूद चीन की चुनौतियां बनी हुई हैं। चीन के राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो ने कहा कि आधिकारिक विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) नवंबर में थोड़ा बढ़कर 49.2 हो गया, जो अक्टूबर में 49 था। पीएमआई के 50 से नीचे होने का आशय गतिविधियों में संकुचन से है। पीएमआई गतिविधियों में यह गिरावट विश्लेषकों के अनुमान के मुताबिक है। इस महीने की शुरुआत में अमेरिकी शुल्क में कटौती के बाद अमेरिकी बाजार में चीन का निर्यात प्रतिस्पर्धा हासिल कर सकता है। लेकिन यह कहना जल्दबाजी होगी कि व्यापार समझौते के बाद निर्यात में फिर से रफ्तार पकड़ी है या नहीं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका 30 अक्टूबर से चीनी उत्पादों पर शुल्क में कटौती करेगा। इससे चीन के निर्यात और विनिर्माण को लेकर कुछ उम्मीद बंधी है।

एसबीआई को कॉरपोरेट ऋण में दो अंकीय वृद्धि की उम्मीद: चेयरमैन सीएस शेट्टी

आर्थिक सुधार और मजबूत पाइपलाइन से बचे हुए दो तिमाहियों में ऋण में तेजी की संभावना

नई दिल्ली भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष की बची हुए दो तिमाहियों में कॉरपोरेट ऋण में दो अंकीय वृद्धि देखने को मिलेगी। बैंक के चेयरमैन सीएस शेट्टी ने हाल ही में एक साक्षात्कार में कहा कि आर्थिक गतिविधियों में सुधार और बैंक की मजबूत ऋण पाइपलाइन के कारण कॉरपोरेट ऋण में तेजी आएगी। शेट्टी ने बताया कि एसबीआई के पास लगभग 7 लाख करोड़ रुपए के मंजूर ऋण हैं, जिनमें बिना इस्तेमाल की गई कार्यशील पूंजी सीमा और मियादी ऋण शामिल हैं। ये ऋण वर्तमान में वितरण प्रक्रिया में हैं। इसके अलावा कई परियोजना ऋण पर अभी बातचीत चल रही है, जो भविष्य में बैंक की ऋण वृद्धि को और मजबूत बनाएंगे। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय से कॉरपोरेट ऋण पिछड़ रहा था, लेकिन दूसरी तिमाही में इसमें 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। शेष दो तिमाहियों में बैंक नीचे दो अंकों की वृद्धि की उम्मीद कर रहा है। आर्थिक गतिविधियों में सुधार के साथ कार्यशील पूंजी का इस्तेमाल बढ़ रहा है, जो हर तिमाही के साथ और मजबूत हो रहा है। एसबीआई चेयरमैन ने यह भी स्पष्ट किया कि बैंक को ऋण वृद्धि बढ़ाने और अगले पांच-छह साल में 15 प्रतिशत का पूंजी पर्याप्तता अनुपात बनाए रखने के लिए अतिरिक्त इक्विटी पूंजी की आवश्यकता शायद नहीं पड़ेगी।

आरबीआई पॉलिसी से पहले बैंकों ने सस्ते किए होम लोन

कई बैंकों ने ब्याज दरें घटाकर 7 फीसदी से शुरू कीं

नई दिल्ली

आरबीआई की अगली मौद्रिक नीति की घोषणा से ठीक पहले देशभर के बैंकों ने होम लोन की ब्याज दरों में कमी कर दी है। इसका सीधा फायदा उन ग्राहकों को मिलेगा जो नया घर खरीदने या निर्माण करने के लिए किफायती फाइनेंस की तलाश में थे। मौजूदा हालात में कई बैंक न्यूनतम 7 प्रतिशत तक की सालाना ब्याज दर पर लोन उपलब्ध करा रहे हैं, जिससे मासिक किस्तों में उल्लेखनीय कमी आएगी। पब्लिक सेक्टर बैंकों में बैंक ऑफ महाराष्ट्र, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन ओवरसीज बैंक और बैंक ऑफ इंडिया ने नवंबर 2025 तक के लिए 7.35 प्रतिशत की शुरुआती दरों की घोषणा की है। केनरा बैंक 7.40 प्रतिशत और देश का सबसे बड़ा बैंक एसबीआई 7.50 प्रतिशत सालाना से ब्याज दरें ऑफर कर रहा है। एसबीआई का रेपो-लिंक्ड बेंचमार्क रेट 1 अगस्त 2025 से लागू है, जिसके आधार पर ग्राहकों की क्रेडिट प्रोफाइल के मुताबिक ब्याज तय किया जाता है। दूसरी ओर, प्राइवेट सेक्टर में एचडीएफसी बैंक 7.90 प्रतिशत,

एक्सिस बैंक 8.35 प्रतिशत और आईसीआईसीआई बैंक 8.75 प्रतिशत से होम लोन दे रहे हैं। ये सभी बैंक 30 साल तक की लंबी अवधि के साथ अधिकतम 90 प्रतिशत तक फाइनेंस उपलब्ध करा रहे हैं।

डालमिया सीमेंट को 266.3 करोड़ के कर नोटिस

नई दिल्ली डालमिया सीमेंट (भारत) लिमिटेड (डीसीबीएल), जो डालमिया भारत की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी है, को बिक्री कर कार्यालय से कुल 266.3 करोड़ रुपये के नोटिस प्राप्त हुए हैं। कंपनी ने शेयर बाजारों को सूचित किया कि ये नोटिस केंद्रीय जीएसटी/तमिलनाडु जीएसटी कानून 2017 की धारा 74 के तहत आकलन वर्ष 2019-20 और 2022-23 के लिए लालगुडी, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु के अधिकारी द्वारा जारी किए गए हैं। आकलन वर्ष 2019-20 के लिए, अधिकारियों ने 128.39 करोड़ रुपये का कर और 19.25 करोड़ रुपये का जुर्माना मांगा है, जबकि 2022-23 के लिए 59.32 करोड़ रुपये का कर और समान राशि का जुर्माना निर्धारित किया गया है। कंपनी ने बताया कि यह नोटिस कर योग्य कारोबार और इनपुट टैक्स क्रेडिट में अंतर से संबंधित है। कंपनी ने कहा कि उसे ये आदेश 28 नवंबर, 2025 को मिले हैं।

दो माह में दो दर्जन कंपनियां आईपीओ लाने की तैयारी में, 40,000 करोड़ जुटाएंगी

पिछले साल 91 आईपीओ के जरिए कुल 1.6 लाख करोड़ रुपये जुटाए गए थे

नई दिल्ली भारतीय शेयर बाजार में आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) का आकर्षण इस साल तेजी से बढ़ रहा है। मर्चेंट बैंकरों के अनुसार, अगले दो महीनों के दौरान आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी, मीशो और जे निफर ग्रीन इनर्जीसमेत लगभग 24 कंपनियां अपने आईपीओ लाने की तैयारी में हैं। इन आईपीओ के जरिए लगभग 40,000 करोड़ रुपये जुटाने की संभावना है। इस समय की मजबूत पाइपलाइन में कृत्रिम मेधा (एआई) कंपनी फ्रेक्टल एनालिटिक्स, होम और स्लीप समाधान ब्रांड वेकफिट, टेक्नोलॉजी आधारित सुरक्षा और निगरानी कंपनी इनोवेटिव व्यू इंडिया और हॉस्पिटल श्रृंखला पार्क मेडि वर्ल्ड जैसी प्रमुख कंपनियां शामिल हैं। यह संकेत देता है कि कंपनियों का भरोसा मजबूत है और निवेशक न केवल सूचीबद्धता के दिन लाभ के लिए, बल्कि लंबी अवधि के निवेश के लिए भी उत्सुक हैं। विशेष रूप से, बड़ी, मझोली और छोटी सभी आकार की कंपनियां आईपीओ ला रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इस तेजी का श्रेय बढ़ती खुदरा भागीदारी और घरेलू निवेश प्रवाह को जाता है। इस साल अब तक 96 कंपनियां शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुई हैं और उन्होंने आईपीओ के माध्यम से कुल 1.6 लाख करोड़ रुपये जुटाए हैं। इनमें से 40 से अधिक कंपनियां केवल पिछले तीन महीनों में सूचीबद्ध हुई हैं, जो प्राथमिक बाजार में बढ़ती गतिविधियों को दर्शाता है। पिछले साल, 2024 में 91 आईपीओ के जरिए कुल 1.6 लाख करोड़ रुपये जुटाए गए थे।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से सात का मार्केट कैप 96,201 करोड़ बढ़ा

सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज और बजाज फाइनेंस, सबसे अधिक गिरावट भारती एयरटेल में रही

नई दिल्ली

बीते सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से सात के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 96,200.95 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे ज्यादा फायदा रिलायंस इंडस्ट्रीज और बजाज फाइनेंस को हुआ। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 28,282.86 करोड़ रुपये बढ़कर 21,20,335.47 करोड़ रुपये हो गया। बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 20,347.52 करोड़ रुपये बढ़कर 6,45,676.11 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इसके अलावा एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 13,611.11 करोड़ रुपये बढ़कर 15,48,743.67 करोड़ रुपये हुआ, जबकि आईसीआईसीआई बैंक 13,599.62 करोड़ रुपये बढ़कर 9,92,725.97 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार मूल्यांकन 7,671.41 करोड़ रुपये बढ़कर 5,79,644.16 करोड़ रुपये हुआ। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार पूंजीकरण 6,415.28 करोड़

रुपये बढ़कर 9,04,185.15 करोड़ रुपये और इन्फोसिस का मूल्यांकन 6,273.15 करोड़ रुपये बढ़कर 6,47,961.98 करोड़ रुपये रहा। इस रुख के उलट भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 35,239.01 करोड़ रुपये घटकर 11,98,040.84 करोड़ रुपये रह गया। एलआईसी का मूल्यांकन 4,996.75 करोड़ रुपये घटकर 5,65,581.29 करोड़ रुपये और टीसीएस का पूंजीकरण 3,762.81 करोड़ रुपये घटकर 11,35,952.85 करोड़ रुपये पर आ गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। इसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एलआईसी का स्थान रहा।

भारत 2050 तक 30 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनने की राह पर

8.2 फीसदी रियल जीडीपी ग्रोथ ने बढ़ाई उम्मीदें, नॉमिनल ग्रोथ 12 फीसदी तक पहुंची

नई दिल्ली

भारत ने 2050 तक 30 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनने का बड़ा लक्ष्य तय किया है, और ताजा आर्थिक संकेतक बताते हैं कि यह लक्ष्य अब पहले से अधिक संभव नजर आ रहा है। दूसरी तिमाही के वित्त वर्ष 26 में देश की रियल जीडीपी ग्रोथ 8.2 फीसदी दर्ज की गई, जो बताती है कि अर्थव्यवस्था मजबूत रफ्तार से आगे बढ़ रही है। भारत की मौजूदा नॉमिनल जीडीपी लगभग 4.15 ट्रिलियन डॉलर है और लक्ष्य तक पहुंचने के लिए पूरे 25 साल का समय उपलब्ध है। आर्थिक गणनाओं के अनुसार, यदि भारत लगातार 8.23 फीसदी नॉमिनल ग्रोथ रेट बनाए रखता है, तो 2050 तक 30 ट्रिलियन डॉलर का स्तर हासिल किया जा सकता है। मौजूदा परिदृश्य में 8.2 फीसदी रियल ग्रोथ के साथ इन्फ्लेशन जोड़ने पर नॉमिनल ग्रोथ 12 फीसदी से अधिक रहती है, यानी भारत लक्ष्य के लिए आवश्यक ग्रोथ से भी तेज चल रहा है। विश्लेषण बताते हैं कि अगर भारत अगले 25 वर्षों तक 8.2 फीसदी रियल ग्रोथ बनाए रखता है, तो 2050 में जीडीपी लगभग 30 ट्रिलियन डॉलर के पास पहुंच सकती है। वहीं यदि नॉमिनल ग्रोथ 12 फीसदी पर बनी रहती है, तो भारत 70 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की अर्थव्यवस्था भी बन सकता है।

एपिस इंडिया का बड़ा बोनस इश्यू, निवेशकों के लिए खास मौका

24:1 रेशियो में बोनस शेयर, रिकॉर्ड डेट 5 दिसंबर

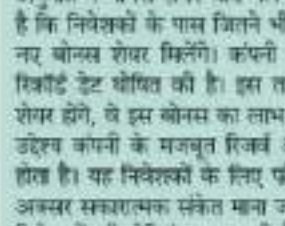

मुंबई एपिस इंडिया लिमिटेड (सिक्योरिटी कोड: 506166), जो हनी, फूड प्रोडक्ट्स और एफएमसीजी सेक्टर में काम करती है, इस हफ्ते अपने शेयरधारकों के लिए बड़ा अवसर लेकर आ रही है। कंपनी ने 24:1 के बेहद बड़े अनुपात में बोनस शेयर जारी करने की घोषणा की है। इसका मतलब है कि निवेशकों के पास जितने भी शेयर हैं, उन्हें हर 1 शेयर पर 24 नए बोनस शेयर मिलेंगे। कंपनी ने 5 दिसंबर को एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट घोषित की है। इस तारीख तक जिन निवेशकों के पास शेयर होंगे, वे इस बोनस का लाभ उठा सकेंगे। बोनस इश्यू का मुख्य उद्देश्य कंपनी के मजबूत रिजर्व और वित्तीय स्थिति का संकेत देना होता है। यह निवेशकों के लिए फ्री शेयर पाने का मौका है और इसे अक्सर सकारात्मक संकेत माना जाता है। बोनस शेयर मिलने के बाद निवेशकों की होल्डिंग बढ़ जाती है, हालांकि शेयर की कीमत अपने अनुपात में एडजस्ट हो जाती है। इससे कुल वैल्यू लगभग वही रहती है, लेकिन शेयर की संख्या बढ़ने से लिक्विडिटी तेज होती है और नए निवेशकों के लिए प्रवेश आसान हो जाता है।

तेल-तिलहन बाजार में सुधार के बावजूद सोयाबीन तिलहन दाम में गिरावट

सरसों, मूंगफली तेल-तिलहन, सोयाबीन तेल, पामतेल/पामोलीन और बिनौला तेल के दाम बढ़े

स्थानीय मांग में सुधार होने के बावजूद मूंगफली की खपत सीमित

नई दिल्ली

बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजार में मिश्रित रुझान दिखा। सरसों, मूंगफली तेल-तिलहन, सोयाबीन तेल, पामतेल और पामोलीन तथा बिनौला तेल के दाम में सुधार हुआ, जबकि सोयाबीन तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। सोयाबीन डी-आयल्ड केक की कमजोर स्थानीय मांग के कारण मिल वालों की खरीदारी प्रभावित रही, जिससे सोयाबीन तिलहन पर दबाव बना। सरसों के भाव में सुधार हुआ है। दाना 7,110-7,160 रुपये प्रति क्विंटल, दादरी तेल 14,725 रुपये प्रति क्विंटल और पक्की व कच्ची घानी तेल क्रमशः 2,470-2,570 और 2,470-2,605 रुपये प्रति टिन पर बंद हुए। सरसों के दाम एमएसपी से ऊपर चल रहे हैं, लेकिन आगामी दो-तीन महीनों में नई फसल आने की संभावना और आयातित तेलों से दबाव का असर हो सकता है। सोयाबीन की स्थिति कमजोर बनी हुई है। दाना 4,550-4,600 रुपये और लूज 4,250-4,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए, जो एमएसपी से काफी नीचे हैं। सोयाबीन तेल में दिल्ली 13,450 रुपये और इंदौर 13,100 रुपये प्रति क्विंटल पर सुधार दिखा। आयातक पहले लागत से 3-3.5 फीसदी कम दाम पर बेच रहे थे, जो अब 6.5-7 प्रतिशत तक बढ़ गया है। मूंगफली तेल-तिलहन के दाम भी सुधार के साथ बंद हुए। तिलहन 6,450-6,825 रुपये प्रति क्विंटल, तेल 15,250 रुपये प्रति क्विंटल और साल्वेंट रिफाइंड 2,470-2,770 रुपये प्रति टिन पर बंद हुए। स्थानीय मांग बढ़ने के बावजूद हाजिर दाम एमएसपी से 10-12 फीसदी नीचे हैं। पामतेल और पामोलीन के भाव में मामूली सुधार हुआ। सीपीओ 11,275 रुपये, पामोलीन दिल्ली 13,125 रुपये और पामोलीन कांडला 12,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। सरकार ने कच्चे पामतेल का आयात शुल्क घटाया और सोयाबीन डीगम तेल के आयात शुल्क में मामूली बढ़ोतरी की। विशेषज्ञों ने कहा कि आयात पर निर्भरता बढ़ने और हाजिर दाम एवं एमएसपी के बीच अंतर से किसानों और मिलों को नुकसान हो रहा है। बाजार में सुधार सरसों, मूंगफली और पामतेल में दिख रहा है, लेकिन सोयाबीन तिलहन की गिरावट और हाजिर दाम में अंतर चिंता का विषय बने हुए हैं।

एफपीआई ने नवंबर में घरेलू शेयर बाजार से 3,765 करोड़ निकाले

साल 2025 में अब तक एफपीआई ने शेयरों से कुल 1.43 लाख करोड़ रुपये से अधिक निकाले

नई दिल्ली

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) नवंबर 2025 में भारतीय शेयर बाजार में फिर से बिकवाल बन गए हैं। अक्टूबर में 14,610 करोड़ रुपये के निवेश के बाद, विदेशी निवेशकों ने इस महीने शेयरों से 3,765 करोड़ रुपये निकाले। जुलाई से नवंबर तक एफपीआई का रुख अस्थिर रहा, जुलाई में 17,700 करोड़ रुपये, अगस्त में 34,990 करोड़ रुपये और सितंबर में 23,885 करोड़ रुपये की निकासी हुई थी। विशेषज्ञों के अनुसार नवंबर में बिकवाल बनने के कारण वैश्विक और घरेलू दोनों कारकों से जुड़े हैं। बाजार के विशेषज्ञों के मुताबिक अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दर नीति में अनिश्चितता, डॉलर में मजबूती और उभरते बाजारों में जोखिम लेने की क्षमता कम होना एफपीआई के सतर्क रुख की वजह बने। भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव भी इसके पीछे हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक जोखिम से बचने की धारणा और

प्रौद्योगिकी, उपभोक्ता सेवाओं एवं स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के शेयरों में उतार-चढ़ाव मुख्य कारण हैं। एफपीआई का प्रवाह बदलने योग्य है, क्योंकि कुछ दिन खरीदार और कुछ दिन बिकवाल रहने का रुझान रहा है। साल 2025 में अब तक एफपीआई ने शेयरों से कुल 1.43 लाख करोड़ रुपये से अधिक निकाले हैं। इसी दौरान, ऋण बाजार में निवेश 8,114 करोड़ रुपये का रहा, जबकि स्वैच्छिक प्रतिधारण मार्ग से 5,053 करोड़ रुपये की निकासी हुई।

कर्नाटक हाईकोर्ट : मामूली देरी या दस्तावेजों की कमी से मुआवजा हो सकता है रद्द

एमएसीटी में दावा दर्ज करने और मुआवजा पाने के लिए सावधानी जरूरी

नई दिल्ली

कर्नाटक हाईकोर्ट ने हाल ही में मोटर एक्सीडेंट क्लेम्स ट्रिब्यूनल (एमएसीटी) के एक फैसले को सही ठहराते हुए स्पष्ट किया कि मामूली देरी, दस्तावेजों की कमी या सबूतों में खामियां भी सड़क दुर्घटना मुआवजे के हक को प्रभावित कर सकती हैं। मामले में, शिकायत दर्ज कराने में 24 दिन की देरी और आरोपी वाहन के शामिल होने को साबित न कर पाने के कारण एमएसीटी ने दावे को खारिज किया था। हाईकोर्ट ने भी इसे सही माना। एमएसीटी, मोटर व्हीकल एक्ट, 1988 की धारा 165 के तहत स्थापित है और यह मृत्यु, चोट या तीसरे पक्ष की संपत्ति को हुए नुकसान के मामलों में मुआवजा प्रदान करता है। यह सामान्य सिविल कोर्ट की लंबी प्रक्रिया नहीं अपनाता और धारा 168 के तहत संक्षिप्त प्रक्रिया में जांच कर फैसला सुनाता है। दावा दर्ज करने के लिए आवेदन में दुर्घटना का पूरा विवरण, चोट या नुकसान और मुआवजे की मांग लिखना आवश्यक है। इसे पीड़ित, मृतक के कानूनी प्रतिनिधि, संपत्ति के मालिक या अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा दाखिल किया जा सकता है। दावा उस एमएसीटी में दाखिल किया जा सकता है, जहां दावेदार या आरोपी का निवास या व्यवसाय है। आम तौर पर यह दावे दुर्घटना के 6 महीने के भीतर दाखिल किए जाते हैं, हालांकि सुप्रीम कोर्ट में इस सीमा को चुनौती दी गई है। मुआवजा तय करने में उम्र, आय, कमाई की क्षमता, भविष्य की आय के नुकसान, मेडिकल बिल, लंबी अवधि के इलाज की जरूरत और आश्रितों की निर्भरता जैसे फैक्टर्स को ध्यान में रखा जाता है। दर्द और तकलीफ जैसी गैर-आर्थिक क्षतियां भी मुआवजे में शामिल होती हैं। विशेषज्ञ कहते हैं कि मजबूत दावा करने के लिए तुरंत एफआईआर दर्ज कराना, दुर्घटना स्थल से सबूत जुटाना, इलाज कराना और एमएलसी दर्ज कराना जरूरी है। देरी या दस्तावेजों में खामियां मामले को कमजोर कर सकती हैं, जैसा कि कर्नाटक हाईकोर्ट के हालिया फैसले में देखा गया।

1 दिसंबर से बदल जाएंगे कई नियम, आपकी जेब पर पड़ेगा सीधा असर

सीएनजी-पीएनजी, एलपीजी, बैंकिंग, पेंशन और टैक्स से जुड़े नियम किए गए संशोधित

मुंबई

दिसंबर की शुरुआत के साथ ही कई बड़े आर्थिक और प्रशासनिक बदलाव लागू हो रहे हैं, जिनका सीधा असर आम लोगों की जेब पर पड़ने वाला है। हर महीने की तरह इस बार भी गैस, बैंकिंग, पेंशन और टैक्स से जुड़े नियमों में संशोधन किए गए हैं। आइए जानते हैं 1 दिसंबर से क्या-क्या बदलने वाला है।

1. सीएनजी और पीएनजी की कीमतों में संभावित बदलाव- ऑयल कंपनियां हर महीने सीएनजी, पीएनजी और जेट फ्यूल के दाम में संशोधन करती हैं। 1 दिसंबर को भी नई दरें जारी हो सकती हैं। कीमतों में बढ़ोतरी या कमी का असर सीधे घरेलू बजट पर पड़ेगा, खासकर उन परिवारों पर जो पीएनजी गैस से खाना पकाते हैं या सीएनजी वाहनों का उपयोग करते हैं।

2. एलपीजी सिलेंडर की कीमतें भी होंगी अपडेट- सरकार हर महीने घरेलू और कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के रेट में बदलाव करती है।

नवंबर में दिल्ली में 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में 5 रुपए की कमी की गई थी। दिसंबर में फिर से नई कीमतें जारी की जाएंगी, जिससे होटल, रेस्टोरेंट और आम उपभोक्ताओं का खर्च प्रभावित होगा।

3. पेंशनरों के लिए जरूरी निर्देश- पेंशन प्राप्त करने वाले बुजुर्गों के लिए दिसंबर बेहद महत्वपूर्ण है। सरकार ने सभी पेंशनरों को 30 नवंबर या दिसंबर तक जीवन प्रमाण पत्र जमा करने के निर्देश दिए हैं। समय पर प्रमाण पत्र जमा न करने पर जनवरी से पेंशन रोक दी जाएगी। अच्छी बात है कि यह प्रक्रिया अब ऑनलाइन भी पूरी की जा सकती है।

4. ऑनलाइन बैंकिंग और कार्ड नियमों में बदलाव- 1 दिसंबर से कई बैंक ऑनलाइन बैंकिंग, यूपीआई, क्रेडिट व डेबिट कार्ड से जुड़े नियम अपडेट कर रहे हैं। कुछ बैंकों में सुरक्षा सुविधाएं बढ़ाई जा रही हैं, वहीं कार्ड चार्ज और ट्रांजैक्शन फीस में बदलाव संभव है। ग्राहकों को अपने बैंक के नोटिफिकेशन पर नजर बनाए रखना चाहिए।

5. टैक्स फाइलिंग की अंतिम तिथि और बैंक हॉलिडे- अक्टूबर महीने की टीडीएस फाइलिंग की आखिरी तारीख 30 नवंबर तय की गई है। वहीं दिसंबर में लगभग 18 दिन बैंक हॉलिडे रहेंगे, इसलिए किसी भी बैंकिंग कार्य की पहले से योजना बनाना जरूरी है।

संसद का शीतकालीन सत्र : एसआईआर पर बढ़ता संग्राम

विनोद कुमार सिंह

राजनीतिक तापमान दिल्ली की गुलाबी सर्द हवाओं के बीच इन दिनों राजधानी की राजनीतिक फि जा में असामान्य रूप से गरमाहट से भरी है।

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की राजधानी दिल्ली एक ओर वायु प्रदूषण और सुरक्षा चुनौतियाँ दुनिया भर का ध्यान खींच रही हैं,वहीं दूसरी ओर भारतीय लोकतंत्र का मंदिर भारतीय संसद ,1 दिसंबर से19 दिसंबर तक चलने वाले अपने शीतकालीन सत्र के लिए तैयार है। शीतकालीन सत्र शुरू होने से पहले ही सत्ता के गलियारों का माहौल में सभी राजनीतिक दल ने कमर कस ली है।रविवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक का उद्देश्य भले ही सहयोग, समन्वय और सुचारू संचालन सुनिश्चित करना था,परंतु पूरी बैठक का केंद्र बिंदु एसआईआर–मतदाता सूची संशोधन विवाद–बनकर उभरा।जिस अंदाज में विपक्ष ने सरकार को घेरा,उससे संकेत साफ है कि यह सत्र शांत,सरल या सामान्य नहीं होने जा रहा।सर्वदलीय बैठक की शुरुआत रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सौहार्दपूर्ण अपील के साथ की।उन्होंने आग्रह किया कि सभी राजनीतिक दल संसद को चलने दें और गरिमामय बहस के साथ लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत बनाएं।संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने भी इसी भाव को आगे बढ़ाते हुए कहा कि सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है,विपक्ष जो भी बात उठाना चाहे,उस पर सरकार सदन में संवाद करेगी। उनका कहना था कि बहस होगी, मतभेद भी होंगे,परंतु ये मतभेद व्यवधानों का रूप न लें–यही आशा है।आज की बैठक में जेपी नड्डा, अर्जुन मेघवाल,एल. मुरुगन,कांग्रेस की ओर से प्रमोद तिवारी,जयराम रमेश और गौरव गोगोई, टीएमसी के डेरेक ओब्रायन,आरजेडी के मनोज झा,सपा के रामगोपाल यादव,आप के सुशील गुप्ता सहित तमाम दलों के वरिष्ठ नेता मौजूद थे।हालांकि विपक्ष की ओर से अपेक्षित मुद्दों–राष्ट्रीय सुरक्षा,विदेश नीति,प्रदूषण संकट,आर्थिक चुनौतियों–का उल्लेख तो हुआ,लेकिन एसआईआर विवाद ने इन सभी चर्चाओं को पीछे धकेल दिया।जैसे ही बैठक शुरू हुई, एसआईआर पर उठे प्रश्नों ने माहौल गरमा दिया।विपक्ष का आरोप था कि मतदाता सूची संशोधन की प्रक्रिया संदिग्ध है और इससे लोकतांत्रिक ढाँचे की निष्पक्षता पर सवाल खड़े होते हैं।कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी का बयान विशेष रूप से तीखा था–ह्रअब सिर्फ वोट चोरी नहीं, बल्कि डकैती हो रही है ह्र यह टिप्पणी केवल आरोप नहीं,बल्कि विपक्ष की व्यापक रणनीति की झलक भी थी,जो बताती है कि वह इस मुद्दे को संसद के भीतर और बाहर दोनों जगह प्रमुख राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल करेगा।

टीएमसी,डीएमके और समाजवादी पार्टी ने भी इसी स्वर में सरकार से जवाब माँगा।उनका कहना था कि एसआईआर के बहाने बड़े पैमाने पर जोड़-घटाव किए जा रहे हैं,जिससे चुनावी पारदर्शिता प्रभावित होगी और मतदाता सूची की विश्वसनीयता पर आंच आएगी।विपक्ष ने मांग की कि सरकार इस विषय पर विस्तृत वक्तव्य दे और सभी असमंजस दूर करे।इस आक्रामकता के बीच जेडीयू नेता संजय झा ने विपक्ष की चिंताओं को अनावश्यक करार देते हुए कहा कि पिछले सत्र में भी विपक्ष ने एसआईआर पर खूब शोर मचाया था,परंतु कोई भी ठोस तथ्य सामने नहीं आ पाया।उन्होंने बिहार चुनाव परिणामों का हवाला देते हुए कहा कि जनता ऐसे आरोपों से प्रभावित नहीं हुई और उसने भ्रम फैलाने वालों को नकार दिया।बैठक समाप्त होने के बाद कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने और भी स्पष्ट शब्दों में आरोप लगाया कि सरकार धीरे-धीरे संसदीय परंपराओं को कमजोर कर रही है।उनका कहना था कि शीतकालीन सत्र को अनावश्यक रूप से छोटा रखा गया है ताकि गंभीर विषयों पर चर्चा से बचा जा सके।उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस सत्र में राष्ट्रीय सुरक्षा,वायु प्रदूषण, लोकतंत्र की रक्षा और मतदाता सूची सुरक्षा जैसे मुद्दों पर व्यापक बहस की मांग करेगी।माकपा नेता जॉन ब्रिटास ने हाल ही में लालकिले के पास हुए विस्फोट का हवाला देते हुए कहा कि इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था की कमजोरियों को जगजाहिर कर दिया है,इसलिए संसद में इस पर गहन,तथ्यपूर्ण चर्चा होना आवश्यक है।उनका कहना था कि यदि सरकार इन विषयों को टालने की कोशिश करेगी और सत्र बाधित होगा,तो इसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी।दूसरी ओर,टीएमसी और डीएमके ने भी विपक्षी एकजुटता का संकेत देते हुए कहा कि यदि संसद जवाबदेही सुनिश्चित नहीं करती तो विपक्ष किसी भी मंच पर अपनी आवाज बुलंद करेगा।विपक्ष अपने मुद्दों को केवल सदन में नहीं,बल्कि जनमानस के स्तर पर भी ले जाने का मानस बना चुका है,और एसआईआर इसका केंद्रबिंदु है।

इस राजनीतिक उथल-पुथल के बीच सरकार अपने विधायी एजेंडे को लेकर पूरी तरह तत्पर दिखाई दे रही है।इस सत्र में सरकार कई महत्वपूर्ण विधेयक प्रस्तुत करने जा रही है।इनमें सबसे उल्लेखनीय असैन्य परमाणु क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने का प्रस्ताव है,जिसके बारे में सरकार का मानना है कि इससे भारत वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा में बेहतर स्थान हासिल करेगा।एटॉमिक एनर्जी बिल सहित कुल दस नए विधेयक सदन में रखे जाने की योजना है।सीमित समय को देखते हुए सरकार चाहती है कि अधिकतम विधायी कार्य पूरा किया जा सके और लंबित बिलों को आगे बढ़ाया जाए।यह सत्र ऐसे समय में हो रहा है जब बिहार विधान सभा चुनाव में भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए ने भारी जीत दर्ज की है।इस जीत ने सत्तापक्ष को नई ऊर्जा दी है,लेकिन विपक्ष अपने आरोपों के साथ और भी सशक्त होकर संसद में उतरने की तैयारी कर रहा है।विपक्ष के निशाने पर न केवल एसआईआर है,बल्कि हाल में दर्ज सोनिया और राहुल गांधी पर प्राथमिकी,दिल्ली का प्रदूषण संकट,दिल्ली में आतंकी हमले, सुरक्षा चूक,और चुनावी पारदर्शिता से जुड़े प्रश्न भी हैं।विपक्ष इन सभी मुद्दों को केंद्र में रखते हुए सरकार को कठघरे में खड़ा करना चाहता है।सर्वदलीय बैठक का उद्देश्य सहयोग था,परंतु बैठक में उभरे सुरों ने यह स्पष्ट कर दिया कि राजनीतिक सहमति बनना आसान नहीं।अधिकांश नेताओं ने यह अवश्य कहा कि संसद लोकतांत्रिक विमर्श का मंच है और विधेयकों को जल्दबाजी में पास करने की प्रवृत्ति से बचना चाहिए,परंतु यह विचार शायद आने वाले सत्र की वास्तविकता को नहीं बदल सकेगा। किरेन रिजिजू ने बार-बार इस बात पर जोर दिया कि सरकार हर विषय पर चर्चा को तैयार है बशर्ते विपक्ष अपनी भूमिका रचनात्मक रखे। लेकिन विपक्ष के तीखे सुरों से संकेत मिलता है कि टकराव लगभग तय है।1 दिसंबर से 19 दिसंबर तक चलने वाले इस सत्र में कुल15 बैठकें प्रस्तावित हैं।इतने कम समय में व्यापक मुद्दों पर समग्र चर्चा कर पाना चुनौतीपूर्ण होगा।सरकार जहां अपने सुधारवादी विधेयकों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है,वहीं विपक्ष यह सुनिश्चित करना चाहता है कि जनता के हित और लोकतांत्रिक मूल्य केंद्र में बने रहें।इन दो ध्रुवों के बीच संसद की कार्यवाही गर्मागरम बहसों,तीखे आरोप-प्रत्यारोपों और कई अवसरों पर व्यवधान से भरी रहने की संभावना है।शीतकालीन सत्र केवल विधायी कामकाज का अवसर नहीं,बल्कि भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता की परीक्षा भी होगा।सत्ता और विपक्ष दोनों की जिम्मेदारी है कि वे देश की संवैधानिक गरिमा और संसदीय परंपराओं को सर्वोपरि रखें।यह सत्र बताएगा कि क्या राजनीतिक दल इन आदर्शों पर खरे उतरते हैं या फिर राजनीति की गहमागहमी संसद के संचालन पर हावी हो जाती है। ऐसे माहौल में राजनीतिक तापमान दिल्ली की गुलाबी सर्द हवाओं के बीच इन दिनों राजधानी की राजनीतिक फि जा में असामान्य रूप से गरमाहट से भरी है।

संपादकीय

कानून की परिभाषा अक्सर बदल जाती है

पुनरीक्षण याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने 2-1 के बहुमत से मई में दिए गए फैसले को पलट दिया है। नतीजतन, पर्यावरण मंजूरी की बिना परवाह किए काम शुरू करो और बाद में मंजूरी ले लो-यह चलन जारी रहेगा। कानून यह है कि कोई किसी भी निर्माण परियोजना पर काम पर्यावरण संबंधी मंजूरी मिलने के बाद ही होना चाहिए। मगर सरकार ने पहले 2017 में एक अधिसूचना और फिर 2021 में ऑफिस मेमोरेंडम के माध्यम से प्रावधान कर दिया कि बिना पर्यावरण संबंधी हरी झंडी लिए जिन परियोजनाओं पर काम आगे बढ़ चुका है, उन्हें बाद में ऐसी मंजूरी दी जा सकेगी। मुद्दा है कि कोई परियोजना जब पर्यावरण को क्षति पहुंचा चुकी हो, तो फिर उसे मंजूरी देने या ना देने की क्या अहमियत है? बहरहाल, सरकार ने ऐसा प्रावधान किया, तो उसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। इस वर्ष मई में सर्वोच्च न्यायालय ने इस प्रावधान को रद्द कर दिया।

दो जजों की बेंच ने उचित निर्णय दिया कि ऐसा करना कानून और उसकी भावना के खिलाफ है। मगर चूंकि इस फैसले से बड़े-बड़े हित प्रभावित हो रहे थे, तो पुनरीक्षण याचिका पर कोर्ट ने तीन जजों की बेंच बनाई। अब उस बेंच ने 2-1 के बहुमत से मई में दिए गए फैसले को पलट दिया है। यानी पर्यावरण मंजूरी की बिना परवाह किए काम शुरू करो और बाद में मंजूरी ले लो-यह चलन जारी रहेगा। मई में फैसला देने वाली बेंच में शामिल रहे जज जस्टिस उज्जल भुइंया नई बेंच में भी थे। उन्होंने असहमत फैसला दिया। इसमें उचित ही उन्होंने दिल्ली में छाये स्मॉग का उदाहरण देते हुए देश में गहराते जा रहे पारिस्थितिकीय संकट का हवाला दिया।

उन्होंने इस दलील को ठुकरा दिया कि मई का फैसला लागू रहने पर अरबों रुपये का निर्माण तोड़ा होगा, इसलिए फैसले को उलट दिया जाए। लेकिन बाकी दो जजों ने 20 हजार करोड़ रुपये की संपत्ति के दांव पर लगे होने का तर्क देते हुए निर्णय को पलट दिया। वैसे उनके सामने विकल्प यह भी था कि कानून के हुए उल्लंघन पर भारी जुर्माना लगाते, उल्लंघन होने देने के दोषी अधिकारियों की जवाबदेही तय करते, और निर्णय देते कि आगे से ऐसा करने की अनुमति नहीं होगी। संदेश साफ है, जब धनी-मानी लोगों के हित जुड़े हों, तो अक्सर कानून की परिभाषा बदल जाती है।

चिंतन-मनन

विनम्रता का पाठ

पंडित विद्याभूषण बहुत बड़े विद्वान थे। दूर-दूर तक उनकी चर्चा होती थी। उनके पड़ोस में एक अशिक्षित व्यक्ति रहते थे-रामसेवक। वे अत्यंत सज्जन थे और लोगों की खूब मदद किया करते थे। पंडित जी रामसेवक को ज्यादा महत्व नहीं देते थे और उनसे दूर ही रहते थे। एक दिन पंडित जी अपने घर के बाहर टहल रहे थे। तभी एक राहगीर उधर आया और मोहल्ले के एक दुकानदार से पूछने लगा-भाई यह बताओ कि पंडित विद्याभूषण जी का मकान कौन सा है। यह सुनकर पंडित जी की उत्सुकता बढ़ी। वह सोचने लगे कि आखिर यह कौन है जो उनके घर का पता पूछ रहा है। तभी दुकानदार ने उस राहगीर से कहा-मुझे तो किसी पंडित जी के बारे में नहीं मालूम। तब राहगीर ने कहा-क्या रामसेवक जी का घर जानते हो?

दुकानदार ने हंसकर कहा-अरे भाई उन्हें कौन नहीं जानता। वे बड़े भले आदमी हैं। फिर उसने हाथ दिखाकर कहा- वो रहा रामसेवक जी का घर। फिर दुकानदार ने राहगीर से सवाल किया-लेकिन आपको काम किससे है? पंडित जी से या रामसेवक जी से? राहगीर कहने लगा-भाई काम तो मुझे रामसेवक जी से है। पर उन्होंने ही बताया था कि उनका मकान पंडित विद्याभूषण जी के पास है। यह सुनकर पंडित जी ग्लानि से भर उठे। सोचने लगे कि उन्होंने हमेशा ही रामसेवक को अपने से हीन समझा और उसकी उपेक्षा की पर रामसेवक कितना विनम्र है। वह खुद बहुत प्रसिद्ध होते हुए भी उन्हें ज्यादा महत्व देता है। उसी रात पंडित जी रामसेवक के घर गए और उससे क्षमायाचना की। फिर दोनों गहरे मित्र बन गए।

सुरक्षा, जागरूकता और संवेदनशीलता ही है एड्स से बचाव की कुंजी

योगेश कुमार गोयल

गंभीर वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बनता एचआईवी...

न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया में लोगों के लिए 'एड्स' आज भी एक भयावह शब्द है। एड्स (एक्वायर्ड इम्यूनो डेफिशिएंसी सिन्ड्रोम) का अर्थ है शरीर में रोगों से लड़ने की क्षमता कम होने से अप्राकृतिक रोगों के अनेक लक्षण प्रकट होना। एच.आई.वी. संक्रमण के बाद एक ऐसी स्थिति बन जाती है कि इससे संक्रमित व्यक्ति की मामूली से मामूली बीमारियों का इलाज भी दूभर हो जाता है और रोगी मृत्यु की ओर खिंचा चला जाता है। आज भी यह खतरनाक बीमारी दुनियाभर के करोड़ों लोगों के शरीर में पल रही है। एड्स महामारी के कारण अफ्रीका के तो कई गांव के गांव नष्ट हो चुके हैं। 'रॉयटर्स' की एक रिपोर्ट के मुताबिक 1980 के दशक में एड्स महामारी शुरू होने के बाद से 77 मिलियन से भी अधिक लोगों में इसका वायरस फैल चुका है। वर्ष 2017 में विश्वभर में करीब 40 मिलियन लोग एचआईवी संक्रमित थे। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक स्तर पर 2023 के अंत तक 3.95 करोड़ लोग एचआईवी के साथ जी रहे थे। एड्स को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 1 दिसंबर को एक विशेष थीम के साथ 'विश्व एड्स दिवस' मनाया जाता है, जो इस वर्ष 'व्यवधान पर काबू पाना, एड्स प्रतिक्रिया में परिवर्तन लाना' विषय के साथ मनाया जा रहा है।

वैसे एड्स का इतिहास काफी दिलचस्प है। दरअसल 1981 में न्यूयार्क तथा कैलिफोर्निया में न्यूमोसिस्टिस न्यूमोनिया, कपोसी सार्कोमा तथा चमड़ी रोग जैसी असाधारण बीमारी का इलाज करा रहे पांच समलैंगिक युवकों में एड्स के लक्षण पहली बार मिले थे। चूंकि जिन मरीजों में एड्स के लक्षण देखे गए थे, वे सभी समलैंगिक थे, इसलिए उस समय इस बीमारी को समलैंगिकों की ही कोई गंभीर बीमारी मानकर इसे 'गे रिलेटेड इम्यून डेफिशिएंसी' (ग्रिड) नाम दिया गया था। इन मरीजों की शारीरिक प्रतिरोधक क्षमता असाधारण रूप से कम होती जा रही थी लेकिन कुछ समय पश्चात जब दक्षिण अफ्रीका की कुछ महिलाओं और बच्चों में भी इस बीमारी के लक्षण देखे जाने लगे, तब जाकर यह धारणा समाप्त हुई कि यह बीमारी समलैंगिकों की ही बीमारी है। तब गहन अध्ययन के बाद पता चला कि यह बीमारी एक सूक्ष्म विषाणु के जरिये होती है, जो रक्त एवं यौन संबंधों के जरिये एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक पहुंचती है। तत्पश्चात इस बीमारी को एड्स नाम दिया गया, जो एचआईवी नामक वायरस द्वारा फैलती है।

यह वायरस मानव शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली पर हमला करके मानव रक्त में पाई जाने वाली श्वेत रक्त कणिकाओं को नष्ट करता है और धीरे-धीरे ऐसे व्यक्ति के शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता पूरी तरह नष्ट हो जाती है। यही स्थिति 'एड्स' कहलाती है। अगर एड्स के कारणों पर नजर डालें तो मानव शरीर में एचआईवी का वायरस फैलने का मुख्य कारण हालांकि असुरक्षित सेक्स तथा अधिक पार्टनरों के साथ शारीरिक संबंध बनाना ही है लेकिन कई बार कुछ अन्य कारण भी एचआईवी संक्रमण के लिए जिम्मेदार होते हैं। शारीरिक संबंधों द्वारा 70-80 फीसदी, संक्रमित इंजेक्शन या सुईयों द्वारा 5-10 फीसदी, संक्रमित रक्त उत्पादों के आदान-प्रदान की प्रक्रिया के जरिये 3-5 फीसदी तथा गर्भवती मां के जरिये बच्चे को 5-10 फीसदी तक एचआईवी संक्रमण की संभावना रहती है।

डब्ल्यूएचओ तथा भारत सरकार के सतत प्रयासों के चलते हालांकि एचआईवी संक्रमण तथा एड्स के संबंध में जागरूकता बढ़ाने के अभियानों का कुछ असर दिखा है और संक्रमण दर घटी है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 2010 से अभी तक एचआईवी संक्रमण की दर में 40 प्रतिशत से ज्यादा की कमी आई है। फिर भी भारत में एड्स के प्रसार के कारणों में आज भी सरकारी व गैर सरकारी स्तर पर स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता एवं जिम्मेदारी का अभाव, अशिक्षा, निर्धनता, अज्ञानता और बेरोजगारी प्रमुख कारण हैं। अधिकांशतः लोग एड्स के लक्षण उभरने पर भी बदनामी के डर से न केवल एच.आई.वी. परीक्षण कराने से कतराते हैं बल्कि एचआईवी संक्रमित किसी व्यक्ति की पहचान होने पर उससे होने वाला व्यवहार तो बहुत चिंतनीय एवं निंदनीय होता है। इस दिशा में लोगों में जागरूकता पैदा करने के संबंध में सरकारी अथवा गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा भले ही कितने भी दावे किए जाएं पर एड्स पीड़ितों के साथ भेदभाव के सामने आने वाले मामले विभिन्न राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटियों एवं सरकारी तथा गैर सरकारी प्रयासों की पोल खोलते नजर आते हैं। देशभर में ऐसे बहुत से एचआईवी संक्रमित व्यक्ति और उनके परिवार हैं, जिन्हें एचआईवी संक्रमण का खुलासा होने के बाद समाज और अपने ही लोग हिकारत भरी नजरों से देखते थे।

वास्तविकता यही है कि लोगों में एड्स के संबंध में जागरूकता पैदा करने के लिए उस स्तर पर प्रयास नहीं हो रहे, जिस स्तर पर होने चाहिएं। लोगों को जागरूक करने के लिए हमारी भूमिका अभी भी सिर्फ चंद पोस्टर चिपकाने और टीवी चैनलों या पत्र-पत्रिकाओं में कुछ विज्ञापन प्रसारित-प्रकाशित कराने तक ही सीमित है और शायद यही कारण है कि 21वीं सदी में जी रहे भारत के बहुत से पिछड़े ग्रामीण अंचलों में खासतौर से महिलाओं ने तो एचआईवी संक्रमण जैसे शब्द के बारे में कभी सुना तक नहीं। तमाम प्रचार-प्रसार के बावजूद आज भी बहुत से लोग इसे छुआछूत की बीमारी ही मानते हैं और इसीलिए वे ऐसे रोगी के पास जाने से भी घबराते हैं। तमाम दावों के बावजूद आज भी समाज में एड्स रोगियों को बहुत सी जगहों पर तिरस्कृत नजरों से ही देखा जाता है। एड्स पर नियंत्रण पाने के लिए जरूरत है प्रत्येक गांव, शहर में इस संबंध में गोष्ठियां, नुक्कड़ नाटक, प्रदर्शनियां इत्यादि के आयोजनों की ताकि लोगों को सरल एवं मनोरंजक तरीकों से ही इसके बारे में पूरी जानकारी मिल सके। एड्स जैसे विषयों पर सार्वजनिक चर्चा करने से बचने की प्रवृत्ति तथा एड्स पीड़ितों के प्रति बेरूखी व संवेदनहीनता की प्रवृत्ति अब हमें त्यागनी ही होगी। इसके अलावा प्रचार एवं प्रसार माध्यमों को भी इस दिशा में अहम भूमिका निभानी होगी। विश्व भर में एड्स की महामारी पर अंकुश लगाने के लिए लोगों को सुरक्षित सैक्स एवं अन्य आवश्यक सावधानियों के लिए भी प्रेरित करना होगा।

युगों -युगों तक मानव को अमर कर देती है अच्छाई व सच्चाई

नरेन्द्र भारती

अच्छाई युगों-युगों तक मानव को अमर कर देती है।मानव को हमेशा अच्छाई व सच्चाई के मार्ग पर चलना चाहिए।मानव जीवन अनमोल है।कहते है कि एक पत्थर सिर्फ एक बार मंदिर जाता है और भगवान बन जाता है इंसान हर रोज मंदिर जाते है फिर भी पत्थर ही रहते हैं ।आज ईमानदार लोगों की खिल्ली उड़ाई जाती है प्रत्येक इन्सान का एक स्वाभिमान होता है उसे बनाए रखना चाहिए भले ही कितनी ही विपत्ति आ जाए अपना स्वाभिमान बरकरार रखना चाहिए मानव को अपने स्वाभिमान के आसू हर जगह नहीं बहाने चाहिए।आधुनिक इंसान पत्थर दिल व आत्मकेन्द्रित होता जा रहा है।मानव संवेदनहीनता की हदें लांघ रहा है।यह समाज के लिए अशुभ संकेत है।मानव आज मानवता के खिलाफ होता जा रहा है।मानव नंगा आता है नंगा ही चला जाता है इस संसार में जो पैदा हुआ है उसे एक दिन इस नश्वर संसार को छोड़ना ही है आधुनिक युग में जीवन मूल्यों में गिरावट समाज में विष घोल कुंठा उत्पन्न कर रही है तनिक लाभ के लिए लोग अपना जमीर बेच रहे हैं। मानव को अपनी मर्यादा में रहना चाहिए।समय बहुत ही बलवान है वक्त के थपेड़ों से कोई नहीं बच पाया है।जीवन में हम अनेक सुख-दुख देखते है,परन्तु क्या हमने किसी और के लिए कुछ करने के बाद सच्चे सुख की अनुभूति की है दूसरों को अपनी सामर्थ्य के अनुसार दीजिए ,खासकर उन्हें जो अनेक चीजों से वंचित ही रहे या जिन्हे दुख के सिवाय कुछ भी नहीं मिला। आप महसूस करेंगें कि परोपकार का काम करने के बाद आपके होंठों पर आई मुस्कराहट दुनियाभर की दौलत से भी महंगी होगी।जरुरतमंदो की सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है।मगर आधुनिक इंसान फितरती होता जा रहा है। मानव विलासिता पर धन खर्च कर रहा है। सुख में तो सभी साथ होते है मगर दुख में साथ छोड देते है ,कहते अपने ही काम आते है मगर आज आदमी ही आदमी से नफरत कर रहा है कुत्ते बिस्किट खा रहे है मगर मानव भूख से त्रस्त है क्या मजाल की कोई भूखे को रोटी का निवाला दे। आदमी नरभक्षी बनता जा रहा है प्रतिदिन शराब,मांस ,मदिरा का प्रयोग कर रहा है। आदमी आज गिरगिटों की तरह रंग बदलता है। आज मानव मतलब निकल जाने पर पहचानने से इन्कार कर देता है। आज मानव ने भले ही कितनी प्रगति कर ली है मगर सोच वही सामंतवादी है। आदमी को सादगी व उच्च विचारों मे विश्वास रखना चाहिए। अतः प्रत्येक इन्सान की जितनी सहायता हो सके करनी चाहिए। आदमी को कभी भी किसी का निरादर नहीं करना चाहिए ,प्रत्येक मानव का आदर -सत्कार करना चाहिए। जीवन बार-बार नही मिलता है,ईमानदारी की हमेशा जीत हुई है। यह एक शाश्वत सत्य है और बेईमानों का सत्यनाश हुआ है। खुदा के घर में देर है अन्धेर नहीं है।आदमी को समय से डरना चाहिए क्योंकि वक्त का कोई पता नहीं कि कब कौन मिट्टी में मिल जाए। समाज की रचना के लिए सादगीपूर्ण जीवन जीने की कोशिश करनी चाहिए। मानव को हमेशा समानता व एक समान व्यवहार करना चाहिए। क्योंकि जो आदमी भेदभाव करता है वह मानवता के नाम पर कलंक है।कहते है कि व्यक्ति को अपना अतीत नहीं भूलना चाहिए भले ही आदमी कितनी ही ऊंचाईयां छू लें।एक कहावत है कि मानव कितना भी अमीर हो जाए वह अपना अतीत नहीं खरीद सकता? आज दुनिया में कुछ ऐसे लोग है जो कभी दाने-दाने को मोहताज थे। मानव को सदा अच्छे कर्म करने चाहिए क्योंकि अगर तुम अच्छा करोगे अच्छाई ही मिलेगी दुनिया युगों-युगों तक याद रखेगी।हमेशा सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए क्योंकि सच्चाई की सदा जीत हुई है।सांच को आंच नहीं आती।अभावग्रस्त लोगों की सहायता करनी चाहिए।भूखे को रोटी खिलाओ, हमेशा अच्छा करोगे तो अमर हो जाओगे। अगर तुम किसी का अच्छा नहीं कर सकते तो बुरा भी मत करो किसी को मत सताओ।पैसे से गुजरा हुआ समय खरीदना नामुमकिन है। पैसा ही सब कुछ नहीं होता मगर आज रिश्ते तराजू पर तोले जाते है अगर कोई गरीब है तो उसके साथ भेदभाव किया जाता है।वक्त बदलते देर नही लगती इसलिए आदमी को अपना अतीत याद करते रहना चाहिए,ताकि विपत्तीयों का अहसास होता रहे। वर्तमान परिवेश में मानव इतना स्वार्थी व मौकापरस्त होता जा रहा है कि खुद को खुदा से उपर समझने लगा है। आज वह भगवान के साथ छल -कपट तक करने से नहीं चुकता मगर जब उसकी मार पडती है तो होश ठिकाने आ जाते हैं। ऐसे लोगों को आदमियों की पहचान नहीं होती कि कौन अच्छा है कौन बुरा है। आज चापलूस लोगों का बोलबाला हो गया है लेकिन खुदा सब देख रहा है समय ने करवट बदली और उनका भाग्य भी बदल गया लेकिन वह लोग अपनी औकात भूल गये कि एक समय ऐसा भी था कि उनके पास एक जोडी कपडे होते थे।खाने के लाले पडे होते थे। आज अच्छे दिन आ गये तो अपनों को भूल गये और हवा में उडने लगें लेकिन असली व नकली पंखों में फर्क होता है कार-कोठी को ही जीवन का लक्ष्य मान अन्य लोगों को नीचा दिखाने की कोशिश में लगे व्यक्तियों की पोल आखिरकार खुल जाती है, समाज में आत्मकेन्द्रीत लोगों का जमावड़ा बढ़ता जा रहा है ऐसे लोग सिर्फ अपनों के सिवाय दूसरों का अच्छा नहीं कर सकते ऐसे लोग जानवरों से भी बदतर हैं।मानवता से बड़ा कोई धर्म नहीं है।इंन्सानियत को हमेशा जिंदा रखें किसी गरीब को न सताएं।मानवता ही मानव की असली पूंजी है।समाज के हर मानव की सहायता करनी चाहिए। यह अटल सच्चाई है।

(वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP,Run by Vananchal Media & Wefare Trust, behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI- 834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Email:vananchaleye@gmail.com

'लोग क्या कहेंगे' की कहानी में भावनाओं और यादों का चित्रण: गिरिजा ओक

अभिनेता पंकज त्रिपाठी और मोहित छाबड़ा एक नई वेब सीरीज 'परफेक्ट फैमिली' के साथ आ रहे हैं। इस सीरीज में अभिनेत्री गिरिजा ओक अहम भूमिका निभा रही हैं, और हाल ही में जारी प्रोमो में वह नीति करकरिया के रूप में नजर आईं। वेबसीरीज के इस प्रोमो से स्पष्ट है कि यह कहानी केवल पारिवारिक ड्रामा नहीं है, बल्कि उन भावनाओं और यादों का चित्रण है, जिन्हें हम बड़े होने पर समझ पाते हैं। मनोज पाहवा, सीमा पाहवा, गुलशन देवैया और नेहा धूपिया जैसे अनुभवी कलाकार इसमें शामिल हैं, जिससे कहानी और भी मजबूत बनती है। गिरिजा ओक ने अपने किरदार और शो के विषय पर बात करते हुए कहा कि बचपन का ट्रॉमा अपने भीतर गहरे असर छोड़ता है। बच्चे को उस समय यह अहसास भी नहीं होता कि वह किसी भारी भावनात्मक बोझ से गुजर रहा है, वह केवल परिस्थितियों से तालमेल बैठाने की कोशिश कर रहा होता है। उन्होंने कहा कि माता-पिता हमेशा अपने बच्चों के लिए अच्छा ही चाहते हैं, लेकिन कई बार 'लोग क्या कहेंगे' वाली सोच उन्हें सही निर्णय लेने से रोक देती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर माता-पिता समाज के दबाव से ऊपर उठकर सोचें तो वे बेहतर समझ पाएंगे कि उनके बच्चे के लिए वास्तव में क्या जरूरी है। बच्चों की भावनाओं को समझना और उनके लिए सही फैसले लेना बड़ों की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। गिरिजा का मानना है कि आज के समय में माता-पिता पहले की तुलना में अधिक जागरूक और भावनात्मक रूप से संवेदनशील हो गए हैं। इसी कारण भविष्य में कम लोगों को बचपन के परेशान करने वाले अनुभवों के लिए थेरेपी की जरूरत पड़ सकती है। उन्होंने बताया कि इस सीरीज की स्क्रिप्ट ने उन्हें पहली ही पढ़त में अपनी ओर खींच लिया। उन्हें ऐसा महसूस हुआ मानो वे किसी रोचक कहानी की किताब पढ़ रही हों और हर एपिसोड पिछले से गहरी भावनाओं को छूता हो। सीरीज की शूटिंग के अनुभव को साझा करते हुए गिरिजा ने बताया कि जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ी, क्रू भी एक परिवार जैसा हो गया। सेट पर मौजूद दोस्ताना माहौल, मजाक और सहज बातचीत ने पूरी प्रक्रिया को आनंदमय बना दिया। इस वजह से भावनात्मक दृश्यों को निभाना भी आसान हो गया।

10 साल बाद 'भाभी जी घर पर हैं' से अलग हो रही हैं शुभांगी अत्रे

टीवी शो 'भाभी जी घर पर हैं' में अंगूरी भाभी का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस शुभांगी अत्रे ने आखिरकार शो छोड़ने की खबर की पुष्टि कर दी है। उन्हें शो की पुरानी अंगूरी भाभी यानी शिल्पा शिंदे रिप्लेस करने वाली हैं। एक्ट्रेस ने स्वयं बताया है कि 10 साल बाद वह शो से अलग हो रही हैं और इसे वह एक सकारात्मक मोड़ की तरह देख रही हैं। उनके अनुसार यह बदलाव उनके पेशेवर जीवन में नए अवसरों का मार्ग खोलेगा। शुभांगी ने कहा कि उन्होंने हमेशा शो की निर्माता मिसेस कोहली से वादा किया था कि वह शो की यात्रा को सम्मान और गरिमा के साथ शुरू और समाप्त करेंगी, और यह एग्जिट उनके लिए बिल्कुल वैसा ही है जैसा वह चाहती थीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि रिप्लेसमेंट के पीछे कोई नकारात्मक वजह नहीं है, बल्कि वह एक कलाकार के रूप में नए किरदारों को एक्सप्लोर करना चाहती हैं। जीवन में कई उतार-चढ़ाव देखने के बाद अब वह फाइटर मोड में हैं और फिलहाल अपनी बेटी और करियर पर फोकस कर रही हैं। लगभग एक दशक तक शो का हिस्सा रहने के बाद इसे छोड़ना शुभांगी के लिए भावुक अनुभव रहा। वह कहती हैं कि शो से विदा लेना ऐसा है जैसे कोई अपना घर छोड़ रहा हो। अंगूरी भाभी का किरदार उनके व्यक्तित्व का हिस्सा बन चुका था और इस शो ने उन्हें पहचान, सफलता और दर्शकों का अपार प्यार दिया है। उन्होंने इस बात को भी स्वीकार किया कि किसी और के स्थापित किए किरदार को आगे निभाना आसान नहीं होता, क्योंकि उस किरदार को दर्शकों से जोड़ना एक बड़ी चुनौती होती है। फिर भी, उन्हें खुशी है कि दर्शकों ने उन्हें उतना ही प्यार दिया जितना पहले मिला था। शुभांगी ने मजाकिया अंदाज में कहा कि जब शिल्पा शिंदे ने यह रोल छोड़ा था, तब वह इसे एक नवजात शिशु की तरह उनके हाथों में देकर गई थीं।

नया फिटनेस चैलेंज देकर लोगों को चौंकाया भाग्यश्री ने

56 साल की उम्र में भी अभिनेत्री भाग्यश्री का ग्लो और एनर्जी किसी युवा अभिनेत्री से कम नहीं है। भाग्यश्री सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय हैं और फैंस को समय-समय पर फिट रहने के लिए प्रेरित करती रहती हैं। फिल्म 'मैंने प्यार किया' से अपनी मासूम अदाओं और सादगी भरे अभिनय से दर्शकों के दिलों पर राज करने वाली अभिनेत्री भाग्यश्री आज भी अपनी खूबसूरती और फिटनेस के लिए चर्चा में रहती हैं। इसी कड़ी में उन्होंने हाल ही में एक नया फिटनेस चैलेंज देकर लोगों को चौंका दिया है। भाग्यश्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह जिम में ड्रिल एक्सरसाइज करती हुई नजर आती हैं। वीडियो में वह अपने फॉलोवर्स को चैलेंज देती हैं और कहती हैं 'चलिए देखते हैं कि आप कितने फुर्तीले हैं।' वीडियो में भाग्यश्री दो अलग-अलग ड्रिल एक्सरसाइज करती हैं, जिसमें उन्हें कुल 7 सेकंड का समय लगता है। उनकी तेज गति और बेहतरीन कॉन्सन्ट्रेशन देखकर फैंस दंग रह गए और कमेंट सेक्शन में उनकी तारीफों की बौछार कर दी। वीडियो के कैप्शन में उन्होंने लिखा 'इसकी प्रैक्टिस से चपलता, गतिशीलता और ध्यान का परीक्षण किया जाएगा। मुझे हर एक्सरसाइज को करने में 7 सेकंड लगे। इसे आजमाएं और बताएं कि आपको कितना समय लगा। इसे रोजाना करें और अपनी गति बेहतर करने के लिए खुद से प्रतिस्पर्धा करें।' भाग्यश्री का यह फिटनेस चैलेंज तेजी से वायरल हो रहा है और कई यूजर्स इसे आजमाने की बात कह रहे हैं। वीडियो में साफ दिखाई देता है कि 56 की उम्र में भी उनकी फुर्ती और फिटनेस युवा खिलाड़ियों जैसी है। इससे यह भी साबित होता है कि नियमित अभ्यास और अनुशासन से किसी भी उम्र में फिट रहा जा सकता है। ड्रिल एक्सरसाइज को स्किल-बेस्ड ट्रेनिंग माना जाता है, जो शरीर की फुर्ती, संतुलन, गति और समन्वय क्षमता को बढ़ाती है। एक्सरसाइज खिलाड़ियों और धावकों के लिए खासतौर पर लाभकारी मानी जाती है, लेकिन अब आम लोग भी इसे अपनी दिनचर्या में शामिल कर रहे हैं। यह न केवल शरीर को लचीला बनाती है, बल्कि दिल और दिमाग की सेहत भी बेहतर करती है। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि प्रतिदिन 15 मिनट ड्रिल एक्सरसाइज की जाए तो यह शरीर में हार्मोनल बैलेंस बनाने, तनाव कम करने, मूड हल्का करने और दिल की बीमारियों के जोखिम को कम करने में मदद करती है।

सिंदूर और मंगलसूत्र वाले लुक ने फैंस का दिल जीता रानी ने

भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री रानी चटर्जी एक बार फिर चर्चा में हैं। अपने दमदार अभिनय और बेबाक अंदाज के लिए जानी जाने वाली रानी सोशल मीडिया पर भी बेहद सक्रिय रहती हैं और अक्सर अपने फैंस को अपनी निजी और प्रोफेशनल लाइफ की झलक दिखाती रहती हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी नई फिल्म 'यूपी वाली और बिहार वाली' के सेट से कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिन्हें देखकर फैंस बेहद खुश और उत्साहित हो गए। पोस्ट की गई तस्वीरों में रानी चटर्जी नारंगी रंग की खूबसूरत साड़ी में नजर आ रही हैं। उन्होंने हल्का मेकअप किया हुआ है, मांग में सिंदूर और गले में मंगलसूत्र पहना हुआ है, जो उनके लुक को पूरी तरह ट्रेडिशनल और आकर्षक बना रहा है। रानी का यह अवतार देखकर फैंस उनकी खूबसूरती और सरलता की खूब तारीफ कर रहे हैं। अभिनेत्री ने पोस्ट के साथ भोजपुरी गाना 'कहे नाहीं कहलू पहिले' भी जोड़ा है, जो तस्वीरों के भाव को और खास बनाता है। तस्वीरें शेयर करते हुए रानी ने एक भावुक कैप्शन लिखा 'दिल बड़ा तो तू बड़ा', जिसने फैंस के बीच उत्सुकता और बढ़ा दी। सोशल मीडिया पर तस्वीरें वायरल होने के बाद कई फैंस ने कमेंट कर रानी की तारीफ की। एक यूजर ने लिखा, 'बहुत प्यारी लग रही हैं आप, अब आप भी शादी कर लीजिए और अपने पति के लिए व्रत रखिए।' वहीं, एक अन्य ने कहा, 'मंगलसूत्र और सिंदूर में आप बहुत सुन्दर लग रही हैं।' कुछ लोगों ने मजाक में यह भी पूछा कि कहीं रानी ने सच में शादी तो नहीं कर ली!

रानी चटर्जी ने भोजपुरी इंडस्ट्री में अपनी मेहनत और अभिनय कौशल से एक खास जगह बनाई है। यह अभिनेत्री फिल्मी दुनिया में लंबा और मजबूत सफर तय कर चुकी हैं और उनकी फैन फॉलोइंग लगातार बढ़ती जा रही है। हाल ही में उनकी कई फिल्में रिलीज हुई हैं, और कुछ जल्द ही बड़े पर्दे पर आने वाली हैं। वर्तमान में रानी ने अपनी नई फिल्म 'यूपी वाली और बिहार वाली' की शूटिंग पूरी कर ली है, जिसकी जानकारी उन्होंने खुद पोस्ट के जरिए दी। मंजुल ठाकुर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में रानी के अलावा संजना, प्रशांत सिंह, आलोक सिंह राजपूत, ललित उपाध्याय, विद्या सिंह, श्वेता वर्मा और गोपाल चौहान जैसे कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे। इसके साथ ही रानी की 'जानम' और 'बैरी बहुरिया' भी हाल ही में रिलीज हो चुकी है। रानी चटर्जी की नई तस्वीरों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उनकी लोकप्रियता दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है, और फैंस उनसे जुड़े हर अपडेट का बेसब्री से इंतजार करते हैं।

टाइगर के साथ दिशा की केमिस्ट्री को फैंस ने किया बेहद पसंद

बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी की लव लाइफ सालों से लोगों की दिलचस्पी का बड़ा विषय रही है। दिशा का नाम सबसे ज्यादा टाइगर श्रॉफ के साथ जोड़ा गया। टाइगर के साथ उनकी केमिस्ट्री को फैंस ने बेहद पसंद किया। हालांकि बहुत कम लोग जानते हैं कि दिशा का नाम दो और स्टार्स के साथ भी जुड़ चुका है, जिनके साथ उनके रिश्ते ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं। दिशा पाटनी और टाइगर श्रॉफ का रिश्ता लंबे समय तक लाइमलाइट में रहा। दोनों को अक्सर साथ देखा जाता था जिम से लेकर लंच डेट्स और विदेश यात्राओं तक की उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होती थीं। दिशा का टाइगर की मां आयशा श्रॉफ और बहन कृष्णा श्रॉफ के साथ भी घनिष्ठ रिश्ता था। हालांकि दोनों ने कभी अपने रिश्ते को सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं किया, लेकिन करीब छह साल तक एक-दूसरे के साथ रहने के बाद 2022 में दोनों ने अलग होने का फैसला किया। ब्रेकअप के बाद दोनों अपनी-अपनी जिंदगी में आगे बढ़ रहे हैं और अब दोनों के बीच कोई खास संपर्क नहीं है। टाइगर श्रॉफ से पहले भी दिशा पाटनी का नाम टीवी जगत के पॉपुलर एक्टर पार्थ समथान के साथ जुड़ा था। दोनों अपने करियर के शुरुआती चरण में एक-दूसरे के करीब आए और उनकी कई कोजी तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर सनसनी मचा दी थी। हालांकि कुछ समय बाद यह रिश्ता अचानक खत्म हो गया। उस वक्त खबरें थीं कि पार्थ और विकास गुप्ता के बीच कथित विवाद के चलते दिशा और पार्थ के रिश्ते में दरार पड़ी, हालांकि इस पर किसी ने खुलकर कुछ नहीं कहा। बीते कुछ समय से दिशा का नाम विदेशी मॉडल और फिटनेस ट्रेनर अलेक्जेंडर एलेक्स इलिक के साथ भी जोड़ा गया।

दोनों को अक्सर जिम, कैफे, इवेंट्स और पार्टियों में साथ देखा जाता था। सोशल मीडिया पर उनकी कई तस्वीरें और वीडियोज वायरल हुए, जिससे उनके रिश्ते की चर्चाएं तेज हुईं। यहां तक कि अलेक्जेंडर के हाथ पर बने एक टैटू को देखकर फैंस ने कहा कि इसमें दिशा का चेहरा नजर आता है। हालांकि रिपोर्ट्स के अनुसार यह रिश्ता भी अब समाप्त हो चुका है और दोनों अपने-अपने करियर पर फोकस कर रहे हैं। दिशा पाटनी की लव लाइफ भले ही उतार-चढ़ाव से भरी रही हो, मगर उनकी प्रोफेशनल लाइफ लगातार आगे बढ़ रही है।

रानी चटर्जी के पुराने वीडियो पर आई लाइक्स की बाढ़

अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर भोजपुरी अभिनेत्री रानी चटर्जी ने एक खास वीडियो पोस्ट करके पुराने दिनों की यादें ताजा कर दीं। वीडियो में रानी एक गाड़ी में बैठी दिख रही हैं और 1988 की रोमांटिक फिल्म 'कयामत से कयामत तक' के सुपरहिट गाने 'ऐ मेरे हमसफर' पर शानदार एक्सप्रेशन देते हुए नजर आ रही हैं। उनका यह वीडियो पोस्ट होते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिस पर प्रशंसकों के लाइक्स और कमेंट्स की बाढ़ आ गई। कई यूजर्स ने उनके अंदाज की तारीफ करते हुए लिखा कि रानी ने इस गाने में नई जान डाल दी है। वीडियो के कैप्शन में रानी ने लिखा '90 दशक के चाहने वालों, जरा ध्यान दें। फिर, प्यार में पड़ने के लिए तैयार हो जाइए।' उनकी इस बात ने लोगों में पुरानी यादें ताजा कर दीं और कमेंट बॉक्स में फैंस ने ढेरों प्रतिक्रियाएं दीं। कोई उनके एक्सप्रेशन की तारीफ करता दिखा तो कोई इस रोमांटिक गाने को अपना पसंदीदा बता रहा था। रानी चटर्जी के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही फिल्म 'यूपी वाली और बिहार वाली' में नजर आने वाली हैं, जिसकी शूटिंग पूरी हो चुकी है।

श्रद्धा कपूर के करियर में नए अध्याय की शुरुआत

एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर राइटर-डायरेक्टर राहुल मोदी के साथ बॉन्डिंग खूब चर्चा में रहती है। फैंस को एक्ट्रेस ने हाल ही एक और खुशखबरी दी है। श्रद्धा कपूर ने बताया कि वह राहुल मोदी की अगली फिल्म का हिस्सा हैं और इस फिल्म की शूटिंग भी पूरी हो चुकी है। श्रद्धा के मुताबिक, फिल्म का आधिकारिक एलान बहुत जल्द किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अब वह अपने किरदारों और फिल्मों की स्क्रिप्ट को चुनने में अधिक सोच-समझकर कदम उठा रही हैं, ताकि हर प्रोजेक्ट उनके करियर में नया मूल्य जोड़ सके। श्रद्धा ने खुलासा किया कि राहुल मोदी की यह फिल्म स्टार्टअप कल्चर और आधुनिक युवाओं की तेज रफ्तार वाली 'असल लाइफस्टाइल' को दर्शाएगी।

संघर्ष के दिनों में रोजमर्रा का खर्च चलाना मुश्किल था अर्जुन रामपाल के लिए

बॉलीवुड एक्टर अर्जुन रामपाल की पर्सनैलिटी और मॉडल जैसा लुक देखकर कोई भी मान लेगा कि उनका सफर बेहद सुखद रहा होगा। अर्जुन के करियर की शुरुआत ऐसी चुनौतियों से भरी थी कि रोजमर्रा का खर्च चलाना तक मुश्किल बन गया था। एक्टर अर्जुन रामपाल का जन्म मध्य प्रदेश के जबलपुर में हुआ। उनका परिवार मिलिट्री पृष्ठभूमि से जुड़ा था और उनके नाना ब्रिगेडियर गुरदयाल सिंह भारतीय सेना के लिए पहली आर्टिलरी गन डिजाइन करने वाली टीम का हिस्सा थे। बचपन में ही माता-पिता के तलाक के बाद उनकी परवरिश अकेले उनकी मां ने की, जो पेशे से स्कूल टीचर थीं। प्रारंभिक पढ़ाई महाराष्ट्र में पूरी करने के बाद उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी के हिंदू कॉलेज में दाखिला लिया और अर्थशास्त्र में ग्रेजुएशन किया। करियर का मोड़ तब आया जब एक पार्टी में उनकी मुलाकात मशहूर फैशन डिजाइनर रोहित बल से हुई, जिन्होंने उन्हें मॉडलिंग का मौका दिया।

कुछ ही समय में अर्जुन भारत के टॉप मॉडल्स की सूची में शामिल हो गए और 1994 में उन्हें 'सोसाइटी फेस ऑफ द ईयर' पुरस्कार भी मिला। परंतु बाहरी चमक के पीछे संघर्ष चल रहा था। अर्जुन ने खुद स्वीकार किया कि मॉडलिंग के दौरान कमाई अनियमित थी और अक्सर स्थिति ऐसी बन जाती कि खाने तक के पैसे नहीं होते थे। फिल्मों में करियर बनाने की कोशिशों ने मुश्किलें और बढ़ा दीं। इसी बीच उन्हें पहली फिल्म 'मोक्ष' में काम का मौका मिला, लेकिन फिल्म बनने में पांच साल लग गए। इस दौरान उन्होंने मॉडलिंग छोड़ दी थी और कोई निश्चित काम भी नहीं था। 2001 में रिलीज हुई 'प्यार इश्क और मोहब्बत' से उन्हें पहचान मिली। फिल्म भले बॉक्स ऑफिस पर कमजोर रही, लेकिन अर्जुन की एक्टिंग की खूब तारीफ हुई और उन्हें आईफा का 'फेस ऑफ द ईयर' अवॉर्ड मिला।

शुरुआती फिल्मों 'दीवानापन,' 'दिल का रिश्ता,' और 'वादा' से अर्जुन की छवि एक रोमांटिक हीरो की बनी, हालांकि ये फिल्में बड़ी हिट नहीं रहीं। असली मोड़ 2006 में 'डॉन' और फिर 'ओम शांति ओम' में मिला, जहां उन्होंने विलेन का किरदार निभाकर दर्शकों को चौंका दिया। 2008 की फिल्म 'रॉक ऑन' ने उन्हें नई पहचान दी। इस भूमिका के लिए उन्होंने महीनों तक गिटार बजाना सीखा और इस फिल्म ने उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार और फिल्मफेयर में सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का सम्मान दिलाया। अर्जुन ने आगे चलकर अपनी प्रोडक्शन कंपनी 'चेजिंग गणेशा फिल्म्स' बनाई और 'आई सी यू' तथा 'डैडी' जैसी फिल्मों का निर्माण किया।

विराट कोहली ने रचा इतिहास: एक फॉर्मेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी बने

रांची (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने एक बार फिर दबाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए रविवार को रांची में साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले ODI में अपना 52वां एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय शतक जड़ दिया। यह शतक पुरुषों के क्रिकेट में 7000वां अंतर्राष्ट्रीय शतक भी है।

भारत ने सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा (51 गेंदों पर 57 रन) को एक शानदार अर्धशतक के बाद खो दिया था। रोहित-कोहली की जोड़ी ने 109 गेंदों पर 136 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की, जिसने भारत के लिए मजबूत आधार तैयार किया। रोहित ने अपनी पारी में तीन छक्के भी लगाए।

रोहित के आउट होने के बाद, भारत की पारी थोड़ी लड़खड़ाई, जब रुतुराज गायकवाड़ और वाशिंगटन सुंदर सस्ते में आउट हो गए। रन रेट धीमा हुआ और साउथ अफ्रीका ने वापसी की कोशिश की।

हालांकि, कोहली अडिग रहे। उन्होंने चुपचाप शुरुआत की, लेकिन फिर जरूरत पड़ने पर गियर बदला और एक-एक ईंट से अपनी पारी को बनाया। यह शतक 38वें ओवर में आया, जब उन्होंने ऑलराउंडर मार्को जेनसन की गेंद को बेहतरीन तरीके से थर्ड मैन के ऊपर से गाइड किया।

गेंद बाउंड्री के पार चली गई और कोहली ने हवा में मुक्का मारते हुए जोरदार जश्न मनाया। दूसरे छोर पर, केएल राहुल ने शांत रहकर स्ट्राइक रोटेट की और कोहली को चार्ज लेने दिया। ओवर बाकी रहने और बैटिंग लाइनअप में गहराई होने के साथ, भारत 300 से अधिक रन बनाने की अच्छी स्थिति में दिख रहा है।

रोहित और विराट सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली भारतीय जोड़ी बनी, तेंदुलकर और द्रविड़ को पीछे छोड़ा

रांची। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली ने यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में उतरने ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। अब विराट और रोहित की जोड़ी भारतीय टीम की ओर से सबसे अधिक मैच खेलने वाली जोड़ी बन गयी है। इससे पहले ये रिकार्ड सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ की जोड़ी के नाम था। अब रोहित और विराट ने एक साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 392 मैच खेले हैं। यह संयुक्त रूप से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा खेले गए मैच हैं। वहीं सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ की जोड़ी ने 391 मैच खेले हैं। वहीं सबसे अधिक मैच खेलने वाली तीसरी जोड़ी राहुल द्रविड़ और गांगुली की है। इस जोड़ी ने 369 मैच खेले हैं। इस मैच से भारतीय प्रशंसकों को रोहित और विराट की जोड़ी को लंबे समय बाद एक साथ घरेलू मैदान पर खेलते हुए देखने का अवसर मिला है। रोहित और विराटने भारत के लिए एक साथ अपना पहला मैच 18 अगस्त 2008 को खेला था। तब से लेकर इन दोनों ने जमकर रन बनाते हुए एक साथ मिलकर टीम इंडिया को कई मैच जिताए। येसीरीज इन दोनों का ही भविष्य तय करेगी।, टेस्ट और टी20 से रोहित-कोहली के संन्यास लेने से टीम प्रबंधन उन्हें अगले विश्व कप के लिए दावेदार नहीं मान रहा था, मगर ऑस्ट्रेलिया दौरे पर इन दोनों ने ही जमकर रन बनाकर अपनी दावेदारी पेश की थी। अब देखना है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ये कितने सफल रहते हैं।

सुल्तान अजलान शाह कप: रोमांचक फाइनल में बेल्जियम से 1-0 से हारा भारत, रजत पदक से करना पड़ा संतोष

मलेशिया। सुल्तान अजलान शाह कप 2025 के रोमांचक फाइनल में भारत को कड़े मुकाबले में 0-1 से हार का सामना करना पड़ा और टीम को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। बेल्जियम ने अपने इतिहास में पहली बार यह प्रतिष्ठित खिताब जीता। मैच का एकमात्र गोल थिबो स्टॉकब्रोक्स ने 34वें मिनट में किया। भारत, जिसने शनिवार को कनाडा को 14-3 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था, बेल्जियम के खिलाफ मिले तीन पेनल्टी कॉर्नर का लाभ नहीं उठा सका। इस टूर्नामेंट में पेनल्टी कॉर्नर अटैक में सफल रहे जगराज सिंह, अमित रोहिदास और संजय बेल्जियम की मजबूत रक्षा को भेद नहीं पाए। लीग चरण में भी भारत को बेल्जियम ने 3-2 से हराया था और फाइनल में भी वही कहानी दोहराई। मैच में दोनों टीमों ने बेहतरीन रक्षात्मक खेल का प्रदर्शन किया। मैनप्रीत सिंह और हार्दिक सिंह जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में जिम्मेदारी युवा खिलाड़ियों पर थी, जिन्होंने विश्व स्तरीय टीम बेल्जियम के खिलाफ कड़ी टक्कर दी। पहला हाफ गोलरहित रहा, लेकिन इसमें भरपूर ड्रामा देखने को मिला। बेल्जियम ने बेहतर शुरुआत की और गेंद पर अधिक कब्जा जमाए रखा। उनके हमलों ने भारतीय रक्षा को चुनौती दी और भारतीय गोलकीपर ने कुछ अहम बचाव किए। शुरुआती दो दउर को भारत ने सफलतापूर्वक बचाया। भारत को मैच की लय में आने में समय लगा, जबकि बेल्जियम ने मिडफील्ड में दबदबा बनाए रखा। हालांकि बेल्जियम बार-बार सर्कल में घुसने में सफल रहा, लेकिन भारतीय रक्षा ने उन्हें गोल करने से रोके रखा। हाफ टाइम के बाद बेल्जियम ने अपने खेल की तीव्रता बढ़ाई और भारत पर दबाव बनाया। भारत ने हाई प्रेस का सहारा लेते हुए सर्कल एंट्री बढ़ाई, लेकिन बेल्जियम की रक्षा को भेदने में कामयाब नहीं हो सके। इसी बीच 34वें मिनट में स्टॉकब्रोक्स ने गोल कर बेल्जियम को बढ़त दिला दी। अंतिम क्वार्टर में भारत ने बराबरी हासिल करने के लिए लगातार हमले किए, लेकिन बेल्जियम की मजबूत संरचना और समय प्रबंधन ने उन्हें मौका नहीं दिया। अंततः बेल्जियम ने 1-0 की जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम कर लिया।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : अभिषेक ने 12 गेंदों मे ही लगाया अर्धशतक

-सबसे तेज पचास रन बनाने वाले दूसरे भारतीय बने

हैदराबाद (एजेंसी)। पंजाब की ओर से खेलते हुए बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 12 गेंदों पर ही अर्धशतक लगा दिया। अभिषेक ने 425.00 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं। इस युवा बल्लेबाज ने हैदराबाद में बंगाल के खिलाफ एलीट ग्रुप सी के मुकाबले में 12 गेंद में 5 चौके और 5 छक्के लगाकर सबको हैरान कर दिया।

पंजाब कप्तानी करते हुए अभिषेक ने बंगाल के गेंदबाजों की जमकर पिटाई की। पहले दो मैचों में वह रन नहीं बना पाये थे पर इस मैच में उन्होंने कोई गलती नहीं की। इस मैच में उन्होंने मोहम्मद शमी की गेंदों पर भी जमकर शॉट लगाये। अभिषेक का 12 गेंदों में लगाया अर्धशतक पुरुष टी20 क्रिकेट में संयुक्त रूप से तीसरा व किसी भारतीय द्वारा बनाया गया दूसरा सबसे तेज अर्धशतक है। प्रभसिमरन सिंह के साथ पारी की शुरुआत करते हुए अभिषेक ने शमी और आकाश दीप की गेंदों को जमकर पीटा। उन्होंने साक्षम चौधरी और वृत्तिक चटर्जी के खिलाफ भी तेजी से रन बनाये।

टी20 में सबसे तेज अर्धशतक नेपाल के दिपेंद्र सिंह ऐरी ने सितंबर 2023 में हांगझोऊ एशियन गेम्स के दौरान मंगोलिया के खिलाफ 10 गेंदों में अर्धशतक बनाया था। वहीं भारत के आशुतोष शर्मा दूसरे नंबर पर हैं, जिन्होंने 2023-24 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ रेलवे की ओर से खेलते हुए 11 गेंदों में ही पचास रन बना दिये। अब अभिषेक तीसरे नंबर पर आ गये हैं।

चयनकर्ता प्रमुख अजीत अगरकर घरेलू ड्यूटी पर अहमदाबाद में तैनात

अहमदाबाद (एजेंसी)। चयनकर्ता प्रमुख अजीत अगरकर 26 नवंबर से घरेलू ड्यूटी पर अहमदाबाद में तैनात हैं, जबकि भारतीय क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका से 0-2 से घरेलू टेस्ट हार से अभी भी जूझ रहा है। सेलेक्टर्स के चेयरमैन, जिनकी अक्सर घरेलू सर्किट से ज्यादा इंटरनेशनल गेम को प्राथमिकता देने के लिए आलोचना की जाती है, नेशनल टी20 चैंपियनशिप के ग्रुप डी मैचों की देखरेख कर रहे हैं जो अभी कई शहरों में फैले हुए हैं।

अगरकर की अगुवाई वाला पैनल घरेलू क्रिकेट से दूर रहने, खासकर व्हाइट-बॉल स्टिंट के आधार पर टेस्ट खिलाड़ियों को चुनने और स्पेशलिस्ट खिलाड़ियों के बजाय ऑलराउंडरों को तरजीह देने के लिए जांच के दायरे में है। साई सुदर्शन और नीतीश रेड्डी के चयन ने ध्यान खींचा है, जबकि सरफराज खान, अभिमन्यु ईश्वरन और करुण नायर को बाहर रखने पर बहस जारी है। हालांकि चयन पांच सदस्यों वाली कमेटी का सामूहिक फैसला है, लेकिन अगरकर की सबसे ज्यादा आलोचना विदेशी दौरों और इंटरनेशनल मैचों में उनकी लगातार मौजूदगी के कारण हुई है।

यह साफ नहीं है कि टेस्ट हार के बाद उनका मौजूदा घरेलू कार्यकाल बीसीसीआई के किसी निर्देश से जुड़ा है या नहीं, लेकिन अगरकर को पिछले कुछ दिनों में नरेंद्र मोदी स्टेडियम में देखा गया है। दूसरे चयनकर्ताओं में, प्रज्ञान ओझा रविवार (30 नवंबर) से दक्षिण अफ्रीका में शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम के साथ यात्रा करने वाले हैं, जबकि एसएस दास (कोलकाता), आरपी सिंह (लखनऊ) और अजय रात्रा (हैदराबाद) सैय्यद मुश्ताक अली ट्रॉफी ड्यूटी पर हैं।

टेस्ट सीरीज में हार के बाद रेड-बॉल क्रिकेट को लेकर भी कई चर्चाएं शुरू हो गई हैं जिसमें यह भी शामिल है कि क्या इस फॉर्मेट से हटने वाले सीनियर खिलाड़ियों से दोबारा सोचने के लिए कहा जा सकता है। इस बात का कोई संकेत नहीं है कि विराट कोहली से संपर्क किया गया है, लेकिन यह विचार फैलने लगा है। किसी भी औपचारिक कदम की कोई निश्चितता नहीं है, हालांकि ऐसा माना जा रहा है कि हाल ही में रिटायर हुए कम से कम एक खिलाड़ी दोबारा सोचने के लिए तैयार हो सकता है।

कई फ्रेंचाइजी स्काउट्स भी सैय्यद मुश्ताक अली ट्रॉफी वेन्यू पर पहुंच गए हैं, जिसमें जॉन राइट - भारत के पूर्व कोच और लंबे समय से मुंबई इंडियंस के स्काउट, अहमदाबाद के प्रमुख नामों में से हैं। वरुण एरॉन, पार्थिव पटेल, किरण मोरे और विजय भारद्वाज भी मौजूद हैं। राइट, जो सालों से मुंबई इंडियंस के लिए स्काउट रहे हैं और जिन्हें जसप्रीत बुमराह को खोजने का श्रेय दिया जाता है, 16 दिसंबर को आईपीएल ऑक्शन से पहले एक्शन पर नजर रख रहे हैं। अहमदाबाद ने दूसरे सेंटर्स की तुलना में ज्यादा ध्यान खींचा है, जहां झारखंड, तमिलनाडु, कर्नाटक, सौराष्ट्र, उत्तराखंड, दिल्ली और त्रिपुरा की टीमें अभी नरेंद्र मोदी स्टेडियम के मैदान में खेल रही हैं।

भारत अंडर-19 और अफगानिस्तान अंडर-19 के बीच त्रिकोणीय श्रृंखला का फाइनल रद्द

बेंगलुरु। भारत अंडर-19 और अफगानिस्तान अंडर-19 के बीच एकदिवसीय त्रिकोणीय श्रृंखला का फाइनल मैच खराब मौसम की वजह से रविवार को यहां रद्द हो गया। भारत अंडर-19 टीम 19 ओवर में पांच विकेट पर 79 रन बनाकर जूझ रही थी जब बारिश और खराब रोशनी की वजह से खेल रोकना पड़ा जो दोबारा शुरू नहीं हो पाया। तेज गेंदबाज अब्दुल अजीज ने कप्तान विहान मल्होत्रा ??और वंश आचार्य के विकेट लेकर अफगानिस्तान को शुरुआती सफलताएं दिलाई जिससे भारत का स्कोर चार विकेट पर 24 रन हो गया। निखिल चौहान (नाबाद 28) और अभिज्ञान कुंडू (27) ने पांचवें विकेट के लिए 51 रन जोड़कर विकेटों के पतझड़ पर विराम लगाया लेकिन इसके बाद बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा और अंततः मैच रद्द हो गया।

हरमनप्रीत और युवराज सिंह के नाम के स्टैंड बनाएगी पीसीए

चंडीगढ़। अब पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह और भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर के नाम के स्टैंड मोहाली में मुल्लांपुर स्थित महाराजा यादवेंद्र सिंह क्रिकेट स्टेडियम में बनेंगे। ये घोषणा पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) ने की है। इसके अलावा, हरमनप्रीत के साथ ही अमनजोत कौर को इनामी राशि भी दी जाएगी। पीसीए के कार्यवाहक सचिव सिद्धार्थ शर्मा ने कहा, इन खिलाड़ियों को विश्वकप जीतने के लिए सम्मानित किया जा रहा है। साथ ही कहा कि हमने उनके नाम पर एक स्टैंड की घोषणा की है। 11 दिसंबर को भारत-दक्षिण अफ्रीका मैच में युवराज और हरमनप्रीत के नाम के स्टैंड का उद्घाटन होगा। यह स्टैंड न्यू मुल्लांपुर में नए अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में बनेगा। यह उनकी उपलब्धि के लिए हमारी ओर से एक छोटी सी भेंट है। सिद्धार्थ के अनुसार इन महिला खिलाड़ियों को देखकर ही युवा लड़कियां भी इस खेल से जुड़ेंगी। उन्होंने कहा, महिला क्रिकेट में हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिगेज जैसी खिलाड़ियों को देखकर ही युवा सामने आएंगी। साथ ही कहा कि जब युवा पीढ़ी को प्रेरणा मिलेगी, तभी महिला क्रिकेट आगे बढ़ेगा। हरमनप्रीत की कप्तानी में भारतीय टीम ने महिला विश्व कप 2025 के फाइनल मैच में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर खिताब जीता था। इस मुकाबले में भारतीय टीम ने 50 ओवरों में 7 विकेट खोकर 298 रन बनाए। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीकी टीम 45.3 ओवरों में महज 246 रन ही बना पायी। वहीं युवराज सिंह ने भारत को टी20 विश्व कप 2007 और एकदिवसीय विश्व कप 2011 का खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई।

हॉकी जूनियर वर्ल्ड कप : भारत की ओमान पर 17-0 से शानदार जीत, क्वार्टर-फाइनल में जगह बनाने के करीब

चेन्नई (एजेंसी)। भारत ने चेन्नई के एग्मोर में मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में अपने दूसरे पूल बी मैच में ओमान को 17-0 से हराकर पुरुषों के हॉकी जूनियर वर्ल्ड कप 2025 में अपनी लगातार दूसरी जीत हासिल की। भारतीय जूनियर हॉकी टीम ने शुक्रवार को टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में चिली को 7-0 से हराया था। अर्शदीप सिंह (4', 33', 40'), मनमीत सिंह (17', 26', 36') और दिलराज सिंह (29', 32', 58') ने हैट्रिक बनाई, जबकि अजीत यादव (34', 47'), गुरजोत सिंह (39', 45') और लुवांग थोनाओजम इंगालेम्बा (43', 50') ने दो-दो गोल किए। अनमोल एक्का (29') और शारदा नंद तिवारी (55') ने मैच के बाकी दो गोल किए।

अर्शदीप ने चौथे मिनट में गोल किया, लेकिन यह पहले क्वार्टर का एकमात्र गोल साबित हुआ, क्योंकि ओमान ने अपनी किस्मत और आखिरी समय में कुछ अच्छे डिफेंस के दम पर स्कोर 1-0 पर बनाए रखा। लेकिन, दूसरे पीरियड में मनमीत सिंह के दो गोल से भारत ने बढ़त बना ली, जिसके बाद दिलराज सिंह और अनमोल एक्का ने हाफ-टाइम तक भारत को 5-0 से आगे कर दिया। भारत ने तीसरे क्वार्टर में जोरदार वापसी की, जिसमें मेजबान टीम ने मेहमान टीम पर आठ गोल किए, जिसमें मनमीत और अर्शदीप ने अपनी-अपनी हैट्रिक पूरी की।

भारत ने आखिरी क्वार्टर में भी चार और गोल करके अच्छा प्रदर्शन किया, जब दिलराज सिंह ने 58वें मिनट में अपने हैट्रिक गोल से शानदार स्कोरलाइन को खत्म किया। भारत के पांच गोल पेनल्टी कॉर्नर से आए, जबकि शारदा नंद तिवारी ने पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलकर स्कोरशीट में अपना नाम दर्ज कराया। बाकी 11 गोल ओपन प्ले से आए।

इस जीत की वजह से, भारत अभी चल रहे जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप के ग्रुप बी में बेहतर गोल डिफरेंस के आधार पर टॉप पर है। इस नतीजे का यह भी मतलब है कि अगर भारत मंगलवार को अपने आखिरी ग्रुप बी मैच में स्विट्जरलैंड से हार से बचता है, तो वह पूल विनर के तौर पर सीधे मेन्स हॉकी जूनियर वर्ल्ड कप 2025 के क्वार्टर-फाइनल में पहुंच जाएगा। अगर भारत स्विट्जरलैंड से हार जाता है जिसने भी दो मैचों में दो जीत हासिल की है, तो उसे क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करने के लिए छह रनर-अप टीमों में टॉप दो टीमों में शामिल होना होगा।

इमोशनल कोच होना हमेशा फायदेमंद नहीं, गौतम गंभीर पर डिविलियर्स का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 0-2 की शर्मनाक हार के बाद भारतीय टीम और मुख्य कोच गौतम गंभीर लगातार आलोचना के केंद्र में हैं। सोशल मीडिया से लेकर क्रिकेट विशेषज्ञों तक, गंभीर पर भारत के टेस्ट क्रिकेट को गलत दिशा में ले जाने के आरोप लगाए जा रहे हैं। उन पर लगातार प्रयोग करने, बैटिंग ऑर्डर में अनिश्चित बदलाव, स्पेशलिस्ट खिलाड़ियों को नजरअंदाज करने और ऑलराउंडरों को लेकर अतिशय लगाव दिखाने की बातें तेजी से सामने आ रही हैं। हालांकि गंभीर साफ कह चुके हैं कि टीम ट्रांजिशन के दौर में है और बदलाव का ये ही सही समय होता है, चाहे उसे लेकर कितनी भी आलोचना क्यों न झेलनी पड़े। इसी बीच दक्षिण अफ्रीका के पूर्व महान बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने एक दिलचस्प और महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। रविचंद्रन अश्विन के यूट्यूब चैनल से बातचीत में डिविलियर्स ने कहा कि टीम का कोच बहुत ज्यादा इमोशनल हो, तो यह हमेशा सकारात्मक साबित नहीं होता। उन्होंने कहा, 'मैं गौतम गंभीर को एक बेहद भावुक खिलाड़ी के रूप में जानता आया हूं। अगर ड्रेसिंग रूम में भी वही भावुकता हावी रहती है, तो आमतौर पर इमोशनल कोच का होना अच्छी बात नहीं माना जाता।'

डिविलियर्स और गंभीर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक साथ लंबा वक्त बिताया है और कई बार एक-दूसरे के खिलाफ बड़े मुकाबले खेले हैं। आईपीएल में भी दोनों कई साल प्रतिद्वंद्वी रहे। इन्हीं अनुभवों की वजह से डिविलियर्स गंभीर की कोचिंग स्टाइल को समझने की कोशिश करते दिखाई दिए। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भावुक खिलाड़ी होना जरूरी नहीं कि वही शख्स भावुक कोच भी हो। डिविलियर्स ने कहा, 'हर खिलाड़ी की जरूरत अलग होती है। कुछ लोग ऐसे कोच के साथ ज्यादा सहज महसूस करते हैं जो खुद महान खिलाड़ी रहा हो, जबकि कुछ ऐसे कोच के साथ बेहतर खेलते हैं जिनके पास वर्षों का कोचिंग अनुभव हो, भले उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर न खेला हो।' उन्होंने बताया कि उन्हें गैरी कर्स्टन जैसे शांत और संतुलित कोच के तहत खेलना बेहद पसंद था, और यह उनके प्रदर्शन के लिए फायदेमंद साबित हुआ। भारत में टेस्ट सीरीज की हार के बाद अगले साल गंभीर के लिए बड़ा इम्तिहान होगा और टीम के प्रदर्शन से ही तय होगा कि उनका प्रयोगात्मक दृष्टिकोण सही दिशा में है या नहीं। आलोचनाओं के बावजूद डिविलियर्स ने संकेत दिया कि नए बदलावों को समय दिया जाना चाहिए, क्योंकि हर टीम कभी न कभी बदलाव के दौर से गुजरती है।

MLS CUP: मेस्सी की इंटर मियामी टीम ने न्यूयॉर्क सिटी FC को 5-1 से हराकर फाइनल में एंट्री की

फोर्ट लाउडरडेल। लियोनेल मेस्सी की टीम इंटर मियामी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूयॉर्क सिटी एफसी को 5-1 से हराकर ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस खिताब जीत लिया और इसके साथ ही एमएलएस कप फाइनल में जगह पक्की कर ली। इस जीत के बाद मेस्सी का एक और बड़े खिताब के लिए खेलना लगभग तय हो गया है। इंटर मियामी की जीत के हीरो रहे मेस्सी के अर्जेंटीनी साथी तादेओ अलेंदे, जिन्होंने बेहतरीन हैट्रिक जमाई। वहीं, जोर्डी अल्बा और सर्जियो बुस्केट्स ने भी एक-एक गोल दागा। मेस्सी के लिए यह मैच व्यक्तिगत रूप से खास नहीं रहा, लेकिन उन्होंने शुरुआती दो गोल में महत्वपूर्ण असिस्ट दिए। यह क्लब और देश के लिए मिलाकर मेस्सी के करियर का 405वां असिस्ट था, जो फुटबॉल इतिहास में सर्वाधिक माने जाते हैं। इंटर मियामी अब एमएलएस कप फाइनल में वेस्टर्न कॉन्फ्रेंस के विजेता—सैन डिएगो या वैंकूवर की मेजबानी आगामी शनिवार को करेगी।

डब्ल्यूबीबीएल 2025 : पॉइंट्स टेबल में शीर्ष पर पहुंची मेलबर्न स्टार्स

मेलबर्न। विमेंस बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) 2025 के 28वें मुकाबले में शनिवार को मेलबर्न स्टार्स ने जंक्शन ओवल में खेले गए मैच में मेलबर्न रेनेगेड्स पर 45 रन की शानदार जीत दर्ज की। इस महत्वपूर्ण जीत के साथ मेलबर्न स्टार्स ने पाइंट्स टेबल में पहला स्थान हासिल कर लिया है। स्टार्स ने अब तक खेले गए 7 मुकाबलों में से 5 में जीत दर्ज की है, जबकि एक मैच में हार का सामना करना पड़ा और एक मुकाबला बारिश के कारण बेनतीजा रहा था। दूसरी ओर मेलबर्न रेनेगेड्स ने अब तक 8 मैच खेले हैं, जिसमें से टीम ने 4 में जीत हासिल की है और 4 में उसे हार झेलनी पड़ी है। अंक तालिका में रेनेगेड्स फिलहाल में तीसरे स्थान पर है। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मेलबर्न स्टार्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम ने महज 14 रन पर रिस मैक्केना का विकेट गंवा दिया, जो सिर्फ 4 रन बनाकर आउट हुईं। शुरुआती झटके के बाद मेग लैनिंग और एमी जोन्स ने मिलकर टीम को संभाला और दूसरे विकेट के लिए 51 गेंदों में 62 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। एमी जोन्स ने 33 गेंदों में 7 चौकों की मदद से 43 रन की उपयोगी पारी खेली। इसके बाद कप्तान एनाबेल सदरलैंड ने लैनिंग का साथ देते हुए तीसरे विकेट के लिए 43 गेंदों में 70 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। सदरलैंड ने 16 गेंदों में 27 रन का योगदान दिया, जबकि मेग लैनिंग अंत तक नाबाद रहीं और 58 गेंदों में 1 छक्का और 7 चौकों की मदद से शानदार 73 रन बनाए। निर्धारित 20 ओवर में मेलबर्न स्टार्स ने 5 विकेट पर 160 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया। रेनेगेड्स की ओर से मिली इलिंगवर्थ ने सबसे ज्यादा 3 विकेट चटकाए, जबकि जॉर्जिया वेयरहैम ने 2 विकेट अपने नाम किए। लक्ष्य का पीछा करते हुए मेलबर्न रेनेगेड्स की टीम कभी भी लय में दिखाई नहीं दी और 16.3 ओवरों में 115 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। टीम के लिए डिआंड्रा डॉटिन और निकोल फाल्टम ने सर्वाधिक 23-23 रन बनाए, जबकि इसी वोंग ने 20 रन का योगदान दिया। मेलबर्न स्टार्स के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें मैसी गिब्सन ने 3 विकेट चटकाए और किम गार्थ ने 2 सफलताएं हासिल की।

रसेल अब आईपीएल में नहीं खेलेंगे, सहयोगी स्टाफ के तौर पर उतरेंगे

जमैका (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर आंद्रे रसेल अब आईपीएल में खेलते हुए नहीं दिखेंगे। इसका कारण है कि रसेल ने आईपीएल से संन्यास ले लिया है।

रसेल के इस फैसले से उनकी टीम कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के प्रशंसक हैरान हैं। रसेल अचानक ही संन्यास ले लेंगे। इसका अंदेशा उन्हें नहीं था। वह अभी विश्वभर की टी20 लीग्स में अपने प्रदर्शन से छाये हुए हैं। इस कारण आईपीएल में भी उनकी अच्छी मांग है। रसेल ने यह फैसला केकेआर द्वारा उन्हें आईपीएल 2026 की नीलामी से पहले ही रिलीज करने के बाद लिया। रसेल ने आईपीएल को अलविदा कह दिया है पर कहा है कि वह सहयोगी स्टाफ के तौर पर उतरेंगे।

रसेल ने कहा कि वह केकेआर के साथ बने रहेंगे। वह आईपीएल 2026 में कोलकाता नाइट राइडर्स के सहयोगी स्टाफ के रूप में टीम के साथ बने रहेंगे।

रसेल ने अपने संन्यास की घोषणा करते हुए लिखा, 'क्रिकेट से संन्यास ले रहा हूं। साथ ही कहा कि इसमें शानदार सफर रहा है। सीजन की यादें, और केकेआर परिवार से काफी प्यार मिला। मैं दुनिया भर की हर दूसरी लीग में छक्के मारता रहूंगा और विकेट लेता रहूंगा। और सबसे अच्छी बात? मैं घर नहीं छोड़ रहा हूं। इस बार मैं नई भूमिका में नजर आऊंगा।'

रसेल ने अपने आईपीएल करियर की शुरुआत केकेआर नहीं बल्कि दिल्ली कैपिटल्स के साथ 2012 में की थी। दो सत्र दिल्ली से खेलने के बाद वह 2014 में केकेआर के साथ जुड़े और अपने पहले ही सीजन में उन्होंने टीम को विजेता बनाया। साल 2014 के बाद 2025 तक वह लगातार 12 साल कोलकाता की टीम का हिस्सा रहे। रसेल ने आईपीएल में कुल 140 मैच खेले जिसमें उन्होंने 2651 रन बनाने के साथ-साथ 123 विकेट लिए। ऐसे में एक खिलाड़ी के तौर पर लीग में उनका प्रदर्शन बेहतरीन रहा है।

संक्षिप्त समाचार

गिनी बिसाऊ में इलिडियो विएरा नए प्रधानमंत्री

बिसाऊ, एजेंसी। पश्चिमी अफ्रीकी देश- गिनी-बिसाऊ में हालिया चुनाव के कुछ दिनों के भीतर ही तख्तापलट के बाद सेना ने शुक्रवार को इलिडियो विएरा ते को नया प्रधानमंत्री नियुक्त नियुक्त किया है। विएरा ते हटाए गए राष्ट्रपति उमारो सिस्सोको एम्बालो के करीबी सहयोगी हैं। उन्होंने रविवार को हुए राष्ट्रपति चुनाव के दौरान उनके कैंपेन डायरेक्टर के तौर पर काम किया था। देश के नए मिलिट्री लीडर जनरल होर्ता इंटा-आ ने एक आदेश कर उन्हें प्रधानमंत्री नियुक्त करने की घोषणा की है। गौरतलब है कि, बुधवार को राष्ट्रीय चुनावों के तीन दिन बाद सेना ने सत्ता पर कब्जा कर लिया था। अपदस्थ राष्ट्रपति उमारो सिस्सोको एम्बालो पड़ोसी सेनेगल चले गए हैं। इस बीच, विपक्ष ने कहा कि चुनाव में हार से बचने के लिए एम्बालो ने तख्तापलट की साजिश रची थी। सेना के जरिये कर्फ्यू हटाए जाने के बाद राजधानी बिसाऊ में शांति लौट आई है। लोग और गाड़ियां शहर की सड़कों पर घूम रही हैं। मुख्य स्टॉक एक्सचेंज और बाहरी जिलों के बाजार, बैंक भी फिर से खुल गए हैं। गिनी-बिसाऊ दुनिया के सबसे गरीब देशों में से एक है।

ब्रिटेन में कुल प्रवासन घटकर 2.04 लाख पर पहुंचा

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में कुल प्रवासन जून 2025 तक तेजी से घटकर 2,04,000 रह गया है। देश के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (ओएनएस) के अनुसार यह गिरावट मुख्यत: नए अप्रवासियों में कमी और देश छोड़ने वालों की संख्या में हल्की बढ़ोतरी के कारण हुई। जून 2023 में कुल प्रवासन 9.06 लाख के उच्च स्तर पर था। रिपोर्ट में बताया गया कि जून 2025 तक ईयू और यूके दोनों नागरिक समूहों में शुद्ध बाहर जाने वालों की संख्या अधिक रही। इनमें देश छोड़ने वाले अधिकांश ब्रिटिश नागरिक 35 वर्ष से कम आयु के थे।

गूगल ने माइक्रोसॉफ्ट के खिलाफ वापस ली शिकायत

लंदन, एजेंसी। गूगल ने माइक्रोसॉफ्ट के क्लाउड व्यवसाय के खिलाफ दायर अपनी यूरोपीय यूनियन से प्रतिस्पर्धा रोधी शिकायत वापस ले ली है। यह कदम ऐसे समय आया है, जब यूरोपीय आयोग ने हाल ही में क्लाउड सेक्टर में माइक्रोसॉफ्ट की जांच शुरू की है। गूगल ने पिछले साल आरोप लगाया था कि माइक्रोसॉफ्ट अपने एज्यूर प्लेटफॉर्म पर ग्राहकों को बांधकर प्रतिस्पर्धा घटा रहा है। क्लाउड बाजार में अमेजन 30 फीसदी हिस्सेदारी के साथ शीर्ष पर है, जबकि माइक्रोसॉफ्ट 20 फीसदी और गूगल 13 फीसदी पर है।

अफगान सरकार की ईंधन की खपत कम करने की अपील

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान के काबुल में नगर पालिका ने सर्दियों में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए निवासियों से ईंधन की खपत कम करने की अपील की है। अधिकारियों ने कहा कि छोटे घरों में चलने वाले स्टोव व चूल्हे इसके प्रमुख स्रोत हैं। शहर में प्रदूषण पिछले साल की तुलना में अधिक दर्ज किया गया है, जिससे लोगों की सेहत पर असर पड़ रहा है। विशेषज्ञों ने सुबह और शाम के समय धुआं व धूल आंखों व सांस लेने में परेशानी पैदा कर रहे हैं।

यूरोप और अमेरिका में बर्ड फ्लू के मामले बढ़े, 3 महीने में 1.6 करोड़ मुर्गियां मारी गईं

बर्लिन, एजेंसी। यूरोप और उत्तरी अमेरिका में बर्ड फ्लू (हाईली पैथोजेनिक एवियन इन्फ्लुएंजा) तेजी से फैल रहा है। जंगली पक्षियों और मुर्गी फार्मों में तेजी से मामले बढ़ रहे हैं। अमेरिका में 18 नवंबर तक 107 जगहों पर बर्ड फ्लू की पुष्टि हो चुकी है। बर्ड फ्लू के कारण सितंबर से अब तक अमेरिका और कनाडा में करीब 1 करोड़ 60 लाख मुर्गियां मारनी पड़ी है। सितंबर से नवंबर तक 26 यूरोपीय देशों में जंगली पक्षियों में 1,443 फ्लू के मामले दर्ज किए गए, जो पिछले साल से 4 गुना ज्यादा और 2016 के बाद सबसे अधिक है। जर्मनी में तीन साल में सबसे ज्यादा मामले सामने आए हैं। वहीं, फ्रांस ने अक्टूबर में ही पूरे देश में हाई अलर्ट घोषित कर दिया था।

श्रीलंका में चक्रवात 'दित्वाह' : राहत कार्यों के लिए कोलंबो पहुंची एनडीआरएफ टीमें, ऑपरेशन सागर बंधु जारी

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका में चक्रवात 'दित्वाह' तबाही मचा रहा है। शनिवार को यह तूफान तमिलनाडु की तरफ बढ़ रहा है। चेन्नई के दक्षिण में चक्रवात दित्वाह 430 किलोमीटर की दूरी पर है। रविवार सुबह तक इसके उत्तरी तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के दक्षिणी तटवर्ती इलाकों में पहुंचने की आशंका है। बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम में यह चक्रवात बड़ा नुकसान पहुंचा सकता है।

पाकिस्तान की चाल नाकाम, ऑक्सफोर्ड में बहस से भागकर भारतीयों पर आरोप, खुली पोल

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी ऑक्सफोर्ड में भारत और पाकिस्तान के प्रतिनिधियों के बीच होने वाली एक बहस रद्द कर दी गई है। इस बहस के रद्द होने का दुनिया को ज्यादातर लोगों को कोई पता नहीं चलता। लेकिन झूठे पाकिस्तान को यह कहां बर्दाश्त था। भारत के खिलाफ मिली हर हार को अपनी जीत बनाकर पेश करने वाले पाकिस्तान ने यहां पर भी बहस से भागकर इसे जीत बताने की कोशिश करनी शुरू कर दी। ब्रिटेन स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग ने इसे ट्वीट करके दावा किया कि ऑक्सफोर्ड में होने वाली बहस से भारतीय प्रतिनिधि पीछे हट गए हैं। बाद में भारतीय सुप्रीम कोर्ट के वकील जे साई दीपक ने पाकिस्तान के इस झूठ का सबूतों के साथ पर्दाफाश कर दिया। पाकिस्तानी उच्चायोग की तरफ से ट्वीट करके कहा गया कि ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में 'भारत की पाकिस्तान नीति एक सुरक्षा नीति के रूप में बेची गई जनप्रिय रणनीति है' नामक शीर्षक पर बहस होनी थी, लेकिन भारतीय वक्ता अंतिम समय पर इस बहस से पीछे हट गए। पाकिस्तानी उच्चायोग ने इस बहस के लिए भारत की तरफ से जिन वक्ताओं के नाम बताए उनमें पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवाणे, सुब्रमण्यम स्वामी और राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट का नाम था। वहीं, पाकिस्तान की तरफ से पूर्व विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार, ब्रिटेन में पाकिस्तान के उच्चायुक्त मोहम्मद फैसल और पाकिस्तानी सेना के पूर्व जनरल जुबैर महमूद हयात शामिल थे।

जे साई दीपक ने खोली पोल : पाकिस्तान के ब्रिटेन स्थित हाईकमीशन द्वारा फैलाए जा रहे यह झूठ जब तक दुनिया तक पहुंचता उससे पहले ही भारतीय सुप्रीम कोर्ट के वकील जे साई दीपक ने इसकी बखियां उधेड़ दीं। उन्होंने पाकिस्तानी दावों का खंडन सबूतों के साथ किया। उन्होंने ऑक्सफोर्ड द्वारा भेजी गई अपनी भागीदारी की पुष्टि वाली ईमेल को भी साझा करते हुए लिखा कि उनके साथ पूर्व सेना प्रमुख नरवाने और स्वामी भी भारतीय पक्ष की तरफ से वक्ता थे। उन्होंने लिखा, 'पाकिस्तानी लोग ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी को भी गड़बड़ कर देते हैं और हमेशा की तरह इस बार भी वह सच बोलने की ताकत नहीं रखते। दीपक ने कहा, 'इस ईमेल के बाद यूनिवर्सिटी की तरफ से बताया गया कि नरवाने और स्वामी इस कार्यक्रम में नहीं आ सकते हैं। उन्होंने मुझसे कोई नए नाम भेजने के लिए कहा। लेकिन जब तक मैं विकल्प भेज पाता उससे पहले ही मुझे बताया गया कि इस बहस के लिए सुहेल सेठ और राज्य सभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी से संपर्क किया गया है और उन्होंने शामिल होना स्वीकार किया है। मुझे लगा की ठीक है मामला खत्म हुआ। लेकिन इसके बाद मुझे बताया गया कि दोनों ने एक दम से नोटिस देने की वजह से इस कार्यक्रम में शामिल होने से इनकार कर दिया है।'

प्रियंका चतुर्वेदी ने भी की पुष्टि : प्रियंका चतुर्वेदी ने भी सोशल मीडिया पर इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि उन्हें जुलाई में ही इसका आमंत्रण मिला गया था लेकिन उसके बाद कोई संपर्क नहीं किया गया। इसलिए मैंने इस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया। लेकिन हाल ही में एक दम उनका फोन आया। इसलिए उन्होंने इनकार कर दिया। दीपक अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा कि इसके बाद भी अंतिम समय पर मैं लंदन पहुंच कर बहस में शामिल होने के लिए तैयार था। यहां पर उन्होंने मनु खजूरिया और पंडित सतीश शर्मा के साथ मिलकर एक टीम भी तैयार कर ली। लेकिन बहस के तीन घंटे पहले उन्हें बताया गया कि बहस रद्द कर दी गई है क्योंकि पाकिस्तानी दल लंदन पहुंचा ही नहीं है। दीपक ने लिखा, 'इस बात में मैं गुस्सा था, क्योंकि इसमें काफी मेहनत लगी थी।' इतना ही नहीं दीपक ने सबूत के तौर पर इस पूरी बहस के आयोजक मूसा हरराज की कॉल लॉग भी साझा की।

पाकिस्तान को दी चुनौती : इसके बाद दीपक ने पाकिस्तान की पोल खोलते हुए लिखा कि बाद में मुझे पता चला कि इस बहस के आयोजक मूसा हरराज, जिनके पिता पाकिस्तान में मंत्री हैं। उन्होंने इस पूरी झूठी कहानी को गढ़ा है। पाकिस्तान की टीम लंदन में ही मौजूद थी। लेकिन बहस नहीं करना चाहती थी। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि अगर पाकिस्तान की टीम तैयारी के साथ है तो फिर बहस के लिए सामने आ जाए। उन्हें इसमें आतंकियों की तरह छिपने की जरूरत नहीं है। डिबेट से तीन घंटे पहले पाकिस्तानी स्पीकर के नहीं आने की जानकारी मिली इसके बाद साईं दीपक खुद ब्रिटेन पहुंचे और आखिरी मौके पर ब्रिटेन में रहने वाले दो भारतीय मूल के स्पीकर मनु खजूरिया और पंडित सतीश शर्मा को टीम में शामिल कर लिया। यानी भारतीय टीम पूरी तरह तैयार थी।

मौत और तबाही लेकर आया चक्रवाती तूफान सेन्यार, इन देशों में मरने वालों का आंकड़ा 300 के पार

जकार्ता, एजेंसी। चक्रवाती तूफान सेन्यार ने कमजोर होने से पहले इंडोनेशिया और थाईलैंड जैसे देशों में भारी तबाही मचाई है। बाढ़ और लैंडस्लाइड की वजह से मरने वालों का आंकड़ा 300 तक पहुंच गया है। स्थानीय अधिकारियों ने बताया है कि इंडोनेशिया के सुमात्रा आइलैंड पर अचानक आई बाढ़ और लैंडस्लाइड से मरने वालों की संख्या शुक्रवार को बढ़कर 174 हो गई। वहीं दर्जनों लोग अभी भी लापता हैं। इस बीच शुक्रवार को दक्षिणी थाईलैंड में आई भारी बाढ़ में कम से कम 145 लोगों की मौत हो गई है। इंडोनेशिया की मौसम संबंधी एजेंसी ने बताया है कि चक्रवाती तूफान दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों को कई दिनों तक प्रभावित कर सकता है। एजेंसी के एक अधिकारी ने बताया कि मलक्का स्ट्रेट में बना ट्रॉपिकल साइक्लोन सेन्यार खराब मौसम की वजह बन रहा है। उन्होंने कहा है कि खराब मौसम संबंधी चेतावनी बढ़ा दी है। तूफान के बाद आए मूसलाधार बारिश और बाढ़ की वजह से नॉर्थ सुमात्रा प्रांत में 3,200 से ज्यादा घर और इमारतें डूब गई हैं। हजारों लोगों को सरकारी राहत शिविरों में शिफ्ट किया गया है। वहीं वेस्ट सुमात्रा में, 17,000 से ज्यादा घर डूब गए, और लगभग 23,000 लोगों को टेम्पररी शेल्टर में ले जाया गया है। इस बीच खराब मौसम की वजह से बचाव कार्य में भी मुश्किलें आ रही हैं। नॉर्थ सुमात्रा रीजनल पुलिस के स्पोक्सपर्सन फेरी वुलंदुकन ने बताया है कि मिट्टी धंसने, बिजली ना होने और टेलीकम्युनिकेशन की बाधा की वजह से सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन में रुकावट आ रही है। थाईलैंड में भी बाढ़ ने भीषण तबाही मचाई है। पानी कम होने पर रेस्क्यू टीमें पहले डूबे हुए इलाकों में पहुंच रही हैं, जिससे बड़े पैमाने पर तबाही नजर आ रही है। 12 दक्षिणी प्रांतों में 1.2 मिलियन से ज्यादा घर और 36 लाख लोग लगातार भारी बारिश से प्रभावित हुए हैं। राहत और बचाव कार्य जारी है। वहीं बाढ़ और भूस्खलन की वजह से क्षतिग्रस्त सड़कों और संचार लाइनों के कारण कई इलाके बड़े पैमाने पर कट गए हैं। उत्तरी सुमात्रा प्रांत के मध्य टपानुली जिले और क्षेत्र के अन्य जिलों में राहत बिमान की मदद से सहायता और आपूर्ति पहुंचाया जा रहा है। उत्तरी सुमात्रा पुलिस के प्रवक्ता के अनुसार सड़कों, बिजली और फोन नेटवर्क के पूरी तरह बंद होने के कारण बचाव दलों को बड़ी परेशानी हो रही है।

अमेरिका ने अफगानियों को वीजा जारी करने पर लगाई रोक, वॉशिंगटन डीसी में गोलीबारी के बाद ट्रंप सरकार का फैसला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की ट्रंप सरकार ने वॉशिंगटन डीसी में गोलीबारी की घटना के बाद शुक्रवार से अप्रवासियों के खिलाफ जांच तेज और सघन कर दी है। साथ ही अमेरिकी विदेश विभाग ने अफगान नागरिकों के लिए वीजा जारी करने पर भी रोक लगा दी है। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने सोशल मीडिया पर जारी पोस्ट में लिखा कि 'राष्ट्रपति ट्रंप के विदेश विभाग ने अफगानिस्तान के सभी लोगों को वीजा जारी करने पर रोक लगा दी है।'

अमेरिकी अप्रवासन विभाग ने जारी किए निर्देश : विदेश विभाग के फैसले के बाद अमेरिकी सरकार ने देशभर में सभी शरण संबंधी फैसलों को भी तुरंत प्रभाव से रोक दिया है। बीते बुधवार को अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में बेहद सुरक्षित माने जाने वाले इलाके में हुई गोलीबारी के बाद ट्रंप प्रशासन ने यह सख्त कदम उठाया है। इस गोलीबारी में नेशनल गार्ड्स की एक महिला सैनिक की मौत हो गई और दूसरा गंभीर रूप से घायल है। इससे पहले अमेरिका के अप्रवासन विभाग के निदेशक जोसेफ एल्डो ने भी पुष्टि की थी कि अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अगले आदेश तक अफगानिस्तान के नागरिकों को वीजा जारी न करें। यह रोक तब तक जारी रहेगी, जब तक अमेरिकी सरकार अमेरिका में मौजूद हर अफगान नागरिक की पूरी तरह से सुरक्षा जांच नहीं कर लेती।

ग्रीन कार्ड धारकों के दस्तावेजों की भी जांच के आदेश : वॉशिंगटन डीसी में गोलीबारी के आरोपी की पहचान अफगान मूल के रहमानुल्ला लकनवाल के रूप में हुई थी, जो साल 2021 में अमेरिका आया था। रहमानुल्ला को इसी साल अमेरिका में शरण दी गई थी। गोलीबारी की घटना से नाराज राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रंप प्रशासन ने 19 देशों के ग्रीन कार्ड धारकों के दस्तावेजों की सघन जांच का भी आदेश दिया है। ट्रंप सरकार के इस फैसले से ग्रीन कार्ड धारकों में डर का माहौल पैदा हो गया है। जिन 19 देशों के ग्रीन कार्ड होल्डर्स के दस्तावेजों की जांच का फैसला किया गया है, उनमें अफगानिस्तान, बर्मा, चाड, कांगो गणतंत्र, इक्वेटोरियल गिनी, एरीट्रिया, हैती, ईरान, लीबिया, सोमालिया, सूडान, यमन, बुरुंडी, क्यूबा, लाओस, सिएरा लियोन, टोगो, तुर्कमेनिस्तान और वेनेजुएला का नाम शामिल है।

ट्रंप के 'शांति सूत्रधार' डैन ड्रिस्कॉल: सबसे युवा आर्मी सेक्रेटरी, रूस-यूक्रेन प्रस्ताव के मुख्य वास्तुकार

वॉशिंगटन, एजेंसी। नॉर्थ कैरोलिना की ब्लू रिज पर्वत शृंखला अपनी धुंध भरी सुबहों, सरसराते चीड़ के जंगलों और धीमी रफ्तार से चलने वाले छोटे-छोटे कस्बों के लिए मशहूर है। इन्हीं शांत पहाड़ियों के बीच बसे एक छोटे-से शहर बैनर एल्क में एक लड़का पला-बढ़ा था। वह बोलने से ज्यादा देखने-समझने में विश्वास रखता था। पर उसके अंदर एक अनोखी स्पष्टता थी। जहां बाकी बच्चे खेल, फिल्मों या रोमांच की बातें करते थे, वहीं उसने बचपन से ही फौज में शामिल होकर देश की सेवा करने का सपना संजो लिया था। उसके शिक्षक अक्सर उसके धैर्य, सूझ-बूझ वाले सवालों और काम खत्म करने की तेजी से प्रभावित होते थे। आगे चलकर वह लड़का न सिर्फ सबसे कम उम्र का अमेरिका का आर्मी सेक्रेटरी बना, बल्कि वर्तमान में दुनिया की सबसे जटिल राजनीतिक और सैन्य चर्चा के केंद्र में भी है। ये हैं डैनियल 'डैन' पैट्रिक ड्रिस्कॉल, जिन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति का ड्रोन मैन भी कहा जाता है। फिलवक्त, वह कीव और मॉस्को के बीच ट्रंप के शांति प्रस्ताव के वास्तुकार बनने की वजह से सुर्खियों में हैं।

शुरुआत और परिवार : ड्रिस्कॉल का नॉर्थ कैरोलिना से गहरा नाता है, जहां दुनिया के सबसे बड़े मिलिट्री ठिकानों में से एक फोर्ट ब्रैग समेत दस और मिलिट्री ठिकाने हैं। उन्होंने बैनर एल्क की पहाड़ियों में अपना बचपन बिताया। ड्रिस्कॉल अपने परिवार में तीसरी पीढ़ी के सैनिक हैं। उनके पिता वियतनाम युद्ध में शामिल थे, जबकि दादा द्वितीय विश्वयुद्ध में आर्मी डिकोडर रहे थे। उनकी मां गृहिणी थीं। ड्रिस्कॉल ने अपनी स्कूली शिक्षा वाटौगा हाई स्कूल से पूरी की। सेना में जल्दी शामिल होने की चाह थी, इसलिए, उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ कैरोलिना, चैपल हिल से बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में बैचलर ऑफ साइंस की डिग्री सिर्फ तीन साल में हासिल कर ली। उन्होंने प्रतिष्ठित येल लॉ स्कूल से ज्यूरिस डॉक्टर की डिग्री भी हासिल की है। कॉलेज के दिनों में ही उन्होंने येल के वेटरंस लीगल सर्विसेज क्लिनिक में भी काम किया, सीनेट कमेटी ऑन वेटरंस अफेअर्स व नाइंथ सर्किट के चीफ जज एलेक्स कोजिंस्की के लिए इंटर्नशिप की। ड्रिस्कॉल ने अपनी हाई स्कूल की दोस्त, कैली ड्रिस्कॉल से शादी की है, जो एक प्लास्टिक सर्जन हैं। इस दंपती के दो बच्चे, डैनियल जूनियर और लीला, हैं।

ट्रंप के भरोसेमंद : अपने ज्यादातर करिअर में, डैन ड्रिस्कॉल ने निजी क्षेत्रों में काम किया। तकनीकी और साइबर सुरक्षा फर्मों में वरिष्ठ पेशेवर के तौर पर उन्होंने न केवल डाटा स्ट्रेटजी और कॉरपोरेट रिस्क असेसमेंट में काम किया, बल्कि क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोटेक्शन जैसे संवेदनशील विषयों को भी बड़े कौशल के साथ संभाला। वह 20 करोड़ डॉलर के वेंचर कैपिटल फंड के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर के रूप में भी काम कर चुके हैं। ड्रिस्कॉल सबसे नाजुक मुद्दों को भी बिना किसी हंगामे के शांत और असरदार ढंग से हल करने में माहिर हैं। उनकी इसी क्षमता ने राष्ट्रपति ट्रंप का भरोसा जीत लिया।

ट्रंप की पहल से रुकेगा एक और संघर्ष, अफ्रीकी देश अमेरिका में शांति समझौते पर करेंगे हस्ताक्षर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक और संघर्ष विराम कराने जा रहे हैं। दरअसल मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अफ्रीकी देश कांगो और रवांडा के राष्ट्रपति अमेरिका में 4 दिसंबर को मिलेंगे और शांति समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। दोनों देशों के बीच संघर्ष रुकवाने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप और उनके प्रशासन द्वारा कई महीनों से बातचीत की जा रही थी। कांगो के राष्ट्रपति फेलिक्स शीसेकेडी ने बताया कि कांगो किसी भी शांति समझौते पर तभी हस्ताक्षर करेगा, जब इस बात की गारंटी मिले की रवांडा की सरकार एम23 विद्रोही संगठन को कोई समर्थन नहीं देगी।

पूर्वी कांगो में छिड़ा है संघर्ष : कांगो के राष्ट्रपति ने 4 दिसंबर को रवांडा के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर करने की पुष्टि की है। वहीं रवांडा के राष्ट्रपति पॉल कागामे ने भी इसकी उम्मीद जताई। हालांकि उन्होंने ये भी कहा कि पूर्वी कांगो में शांति तभी संभव है, जब विवाद से सीधे तौर पर जुड़े लोग शांति के पक्ष में हों। पूर्वी कांगो में बीते कई महीनों से संघर्ष छिड़ा हुआ है। यह संघर्ष कांगो सरकार की सेना और 100 से ज्यादा विद्रोही संगठनों के बीच हो रहा है। इस विद्रोही संगठनों में सबसे ताकतवर एम23 समूह है, जिसे रवांडा की सरकार का समर्थन हासिल है। इस साल संघर्ष उस समय तेज हो गया, जब एम23 ने कांगो के दो बड़े शहरों गोमा और बुकावु पर कब्जा कर लिया।

रवांडा के सैनिक विद्रोही संगठन के साथ मिलकर पूर्वी कांगो में लड़ रहे : संयुक्त राष्ट्र विशेषज्ञों का दावा है कि रवांडा की सेना के 3000-4000 जवान पूर्वी कांगो में मौजूद हैं और एम23 समूह के साथ मिलकर लड़ रहे हैं। हालांकि रवांडा ने इन दावों को खारिज कर दिया है। दावा किया जा रहा है कि यह संघर्ष पूर्वी कांगो की खनिज संपदा और कथित तौर पर अपने-अपने इलाकों की रक्षा के लिए है। इससे पहले जून में भी कांगो और रवांडा के विदेश मंत्रियों के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे, जिसमें रवांडा के सैनिकों की पूर्वी कांगो से वापसी की बात पर सहमति बनी थी।

उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दावा है कि वे आठ युद्ध रुकवा चुके हैं। इस सूची में कंबोडिया और थाईलैंड, सर्बिया, इस्राइल और ईरान, मिस्र और इथियोपिया, आर्मेनिया और अजरबैजान जैसे देशों का संघर्ष शामिल है। ट्रंप भारत और पाकिस्तान का संघर्ष रुकवाने का भी दावा करते हैं, लेकिन भारत ने ट्रंप के दावे को खारिज कर दिया है। बीते दिनों उन्होंने कहा कि आठ में से पांच युद्ध तो उन्होंने टैरिफ की धमकी देकर रुकवाए।

चिली में प्रवासियों के खिलाफ चल रहा अभियान, पलायन बढ़ते ही पेरू ने की सीमा पर आपातकाल के एलान की तैयारी

सैंटियागो, एजेंसी। पेरू के राष्ट्रपति जोस जेरी ने शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार देश की दक्षिणी सीमा पर आपातकाल का एलान करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार इलाके में ज्यादा सशस्त्र बलों को तैनात करेगी, क्योंकि बड़ी संख्या में वेनेजुएला के प्रवासी चिली से उत्तर की ओर बढ़ रहे हैं, जहां अप्रवासी विरोधी भावनाएं बढ़ गई हैं। अपने देश में संकट से बचने या विदेश में बेहतर अवसरों की तलाश में लाखों प्रवासी लंबे समय से महाद्वीप और पेरू की सीमा पार कर चिली में नया जीवन बसर करने के लिए आ रहे हैं, जो लैटिन अमेरिका के सबसे स्थिर और समृद्ध देशों में से एक है। चिली में कानूनी दर्जा न रखने वाले बहुत से लोग हैं, इनमें ज्यादातर वेनेजुएला के हैं। ये लोग हाल के वर्षों में अपने देश की आर्थिक बर्बादी और सत्तावादी शासन से बचकर भागे हैं। हालांकि, अब ये दूसरी दिशा में जा रहे हैं, क्योंकि चिली आव्रजन के खिलाफ अपना रुख सख्त करने की तैयारी कर रहा है। 14 दिसंबर को चिली में होने वाले राष्ट्रपति पद के दूसरे चरण के चुनाव में जीत के प्रबल दावेदार अति-रूढ़िवादी वकील जोस एंटोनियो कास्ट ने अपना अभियान वेनेजुएला से आने वाले अप्रवासियों और संगठित अपराध में वृद्धि को लेकर लोगों के डर के इर्द-गिर्द बुना है। उन्होंने पिछले हफ्ते पेरू से लगी चिली की रेगिस्तानी सीमा पर एक अभियान वीडियो फिल्माया, जिसमें बिना औपचारिक दर्जा वाले अप्रवासियों को चेतावनी दी गई है आपके पास अपनी इच्छा से चिली छोड़ने के लिए 111 दिन हैं। दिनों की यह मोहलत मौजूदा वामपंथी राष्ट्रपति गैब्रियल बोरिक के बाद नए प्रशासन के कार्यभार संभालने तक की है। उन्होंने कहा, 'अगर ऐसा नहीं हुआ, तो हम आपको रोकेंगे, आपको हिरासत में लेंगे, आपको निष्कासित कर देंगे। आप सिर्फ अपने तन पर पहने कपड़ों के साथ ही बाहर निकलेंगे।' जल्द ही पेरू का मीडिया उन प्रवासी परिवारों की तस्वीरों से भर गया जो चिली से पेरू की ओर भाग रहे थे, उनका सामान बैग और कचरे के थैलों में भरा हुआ था। कुछ ही दिनों के भीतर जारी ने सीमा नियंत्रण का निरीक्षण करने के लिए उसी क्षेत्र का दौरा किया और सुरक्षा अभियान को बढ़ावा देने के लिए सशस्त्र बल भेजे। चिली के उत्तरी सीमावर्ती कस्बों के निवासियों ने बढ़ती अराजकता की सूचना दी है, क्योंकि चिली छोड़कर पेरू में प्रवेश की अनुमति न मिलने पर भी लोगों की भीड़ अनिश्चितता में फंसी हुई है। शुक्रवार को जारी ने क्षेत्र में आपातकाल की घोषणा करने के लिए अपने मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। इस बात का कोई स्पष्ट आंकड़ा नहीं है कि कास्ट की सामूहिक निर्वासन की धमकियों और आव्रजन वकीलों के अनुसार, 18.5 मिलियन की आबादी वाले दक्षिण अमेरिकी देश में विदेशी लोगों के प्रति बढ़ती नफरत की पृष्ठभूमि में कितने लोगों ने चिली छोड़ने का फैसला किया है। शुक्रवार को कास्ट ने एक नया वीडियो जारी किया जिसमें उन्होंने अप्रवासियों के लिए अपनी चेतावनी दोहराई और बोरिक से दखल देने का आग्रह किया।

ट्रम्प ने बाइडेन के 92% एग्जीक्यूटिव ऑर्डर्स रद्द किए:बोले- इन पर मशीन से दस्तखत थे, पूर्व राष्ट्रपति की मंजूरी नहीं थी, इसलिए ये अवैध

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में जारी किए गए 92% एग्जीक्यूटिव ऑर्डर्स को रद्द कर दिया है। ट्रम्प ने सोशल मीडिया ट्रुथ पर इसकी जानकारी दी। ट्रम्प ने का दावा है कि ये सभी ऑटोपेन (मशीन से दस्तखत) से साइन किए गए थे, जो बिना बाइडेन की मंजूरी के अवैध हैं। इस कदम से बाइडेन के कई महत्वपूर्ण एग्जीक्यूटिव ऑर्डर प्रभावित हो सकते हैं, जिनमें स्वास्थ्य, पर्यावरण और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़े नियम शामिल हैं। उन्होंने बाइडेन को 'स्लीपी (सुस्त) जो' और 'क्रुक्ड (चालाक) जो' कहते हुए धमकी दी कि अगर बाइडेन इन दस्तावेजों पर अपनी सहमति का दावा करेंगे तो उन पर 'झूठे बयान' के आरोप लगेंगे। ट्रम्प का यह फैसला व्हाइट हाउस के पास हुए नेशनल गार्ड्स पर हुए हमले के बाद आया है।

बाइडेन के कई एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर रद्द होने का खतरा : बाइडेन ने चार साल (2021-25) के कार्यकाल में कुल 162 एक्जीक्यूटिव ऑर्डर जारी किए, साथ ही सैकड़ों ज्ञापन और नोटिस भी साइन किए थे। ट्रम्प ने पद संभालने के बाद जनवरी में ही करीब 80 बाइडेन-युग के ऑर्डर रद्द कर दिए थे, लेकिन कुछ महत्वपूर्ण ऑर्डर अभी भी लागू हैं। इनमें से कुछ अब रद्द होने के खतरे में हैं।

एग्जीक्यूटिव ऑर्डर 14087: अमेरिका में प्रिस्क्रिप्शन दवाओं की कीमतें कम करने से जुड़ा। यह दवा कंपनियों पर नियंत्रण लगाता है, ताकि आम नागरिकों को

सस्ती दवाएं मिल सकें।

एग्जीक्यूटिव ऑर्डर 14096: पर्यावरणीय न्याय पर केंद्रित, जो गरीब और अल्पसंख्यक समुदायों को पर्यावरण प्रदूषण से बचाने के उपाय करता है।

एग्जीक्यूटिव ऑर्डर 14110: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विकास और उपयोग पर सख्ती, जिसमें जोखिमों को कम करने और नैतिक उपयोग सुनिश्चित करने के नियम शामिल हैं। ट्रम्प के इस कदम से इन नीतियों पर असर पड़ सकता है, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि सभी दस्तावेजों के हस्ताक्षरों की वैधता साबित करना मुश्किल होगा। अभी यह साफ नहीं है कि कौन इन साइन की जांच करेगा।

क्या ट्रम्प बाइडेन के आदेशों को रद्द कर सकते हैं : कार्यकारी आदेश अमेरिकी राष्ट्रपति के जारी किए गए ऑर्डर होते हैं, जो संघीय एजेंसियों को कानूनों को लागू करने या नीतियां बनाने में मदद करते हैं। अमेरिकी कानून के अनुसार, कोई भी राष्ट्रपति अपने पिछले राष्ट्रपति के कार्यकारी आदेशों को रद्द, संशोधित या अमान्य कर सकता है। हालांकि, इसकी अपनी सीमाएं भी हैं। खासकर क्षमादान, माफी और सजा में कमी के मामलों में, जिन्हें एक बार दिए जाने के बाद वापस नहीं लिया जा सकता। ट्रम्प का मुख्य दावा ऑटोपेन पर आधारित है। वे कहते हैं कि बाइडेन के 92% आदेश ऑटोपेन से हस्ताक्षरित थे, जो बिडेन की मंजूरी के बिना अवैध हैं। लेकिन कानूनी रूप से, ऑटोपेन का उपयोग पूरी तरह वैध है। जस्टिस डिपार्टमेंट के ऑफिस ऑफ लीगल काउंसल ने 2005 में (जॉर्ज डब्ल्यू. बुश के समय) कहा था कि राष्ट्रपति को बिल या आदेश साइन करने के लिए व्यक्तिगत रूप से हस्ताक्षर करने की जरूरत नहीं है, बशर्ते उनकी मंजूरी हो।

ट्रम्प ने बाइडेन पर झूठी गवाही का आरोप लगाने की धमकी दी : ट्रम्प ने बाइडेन पर परजरी (झूठी गवाही) का आरोप लगाने की धमकी दी है। उन्होंने कहा कि अगर बाइडेन ने कहा कि उन्होंने ऑटोपेन वाले दस्तावेजों को खुद अप्रूव किया था, तो उन पर परजरी के आरोप लगेंगे।

अंधी रफ्तार से दौड़ रही बीएमडब्ल्यू ने फुटपाथ पर सो रहे 3 लोगों को कुचल डाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमीरों के लिए गरीब आदमी कीड़े मकोड़े की तरह होता है सड़कपजय मजी कोई रईस आदमी अपनी करोड़ों की कार से आता है और फुटपाथ पर सो रहे गरीबों को रौंदता चला जाता है। ये शब्द उन चश्मदीदों के हैं जिन्होंने बीती रात राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के वसंत कुंज इलाके में बीती रात तेज रफ्तार का कहर देखा है। एंबियंस मॉल के सामने एक बीएमडब्ल्यू कार ने फुटपाथ पर सो रहे तीन लोगों को कुचल दिया जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने कार चालक को मौके से ही हिरासत में ले लिया है। जानकारी के अनुसार यह हादसा देर रात करीब 2 बजे वसंत कुंज इलाके में हुआ। घटनास्थल पर मौजूद चश्मदीदों ने बताया कि कार बेहद तेज रफ्तार से आ रही थी। कार चला रहे शख्स ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और गाड़ी सीधे फुटपाथ पर चढ़ा दी। कार की चपेट में आने से फुटपाथ पर सो रहे तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बीएमडब्ल्यू कार के चालक को तुरंत मौके पर ही हिरासत में ले लिया। उससे आगे की पूछताछ जारी है। पुलिस के अनुसार दुर्घटनाग्रस्त कार हिमाचल प्रदेश नंबर पर पंजीकृत है। सभी घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है जहां उनका उपचार चल रहा है। पुलिस अब मामले की गहनता से जांच कर रही है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि हादसा किस गति से हुआ और क्या चालक शराब या किसी अन्य नशे के प्रभाव में था।

अचानक दो हिस्सों में बंट गई ट्रेन, झटका लगते ही यात्रियों में मची हलचल

-बिहार में कारीसाथ स्टेशन के पास कपलिंग टूटी, बड़ा हादसा होने से बचा

आरा (एजेंसी)। पटना-आरा-डीडीयू रेल खंड पर शनिवार शाम रेल दुर्घटना होने से बाल-बाल बची, जब दानापुर से बेंगलुरु जा रही बेंगलुरु सिटी स्पेशल ट्रेन अचानक दो हिस्सों में बंट गई। घटना कारीसाथ रेलवे स्टेशन के पास हुई, जिससे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। तेज रफ्तार दौड़ रही ट्रेन के दो हिस्सों में बंटते ही यात्री दहशत में आ गए। इंजन और आगे के कुछ डिब्बे काफी दूर निकल गए, जबकि पीछे का बड़ा हिस्सा ट्रैक पर ही रुक गया। मीडिया रिपोर्ट में रेल सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि ट्रेन आरा स्टेशन से खुलकर बक्सर की ओर तेज रफ्तार में बढ़ रही थी। इसी दौरान कारीसाथ स्टेशन के पास ट्रेन की कपलिंग अचानक टूट गई। कपलिंग टूटने के साथ ही एक झटके में ट्रेन दो हिस्सों में बंट गई। इंजन का हिस्सा आगे की ओर करीब 500 मीटर तक चला गया। हालांकि झटका लगने से तुरंत लोको पायलट को कुछ असहज लगा और उन्होंने इमरजेंसी ब्रेक लगा दिया। घटना के बाद यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी और तकनीकी टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। अप लाइन पर ट्रेनों की आवाजाही रोक दी गई, जिसके कारण पटना-डीडीयू रूट पर कई ट्रेनें प्रभावित हुईं। अधिकारियों ने कपलिंग टूटने की वजह की जांच शुरू कर दी और बचाव एवं मरम्मत कार्य युद्धस्तर पर किया गया। काफी प्रयास के बाद इंजन को पीछे लाकर दूसरे हिस्से से जोड़ा गया। रेलवे सूत्रों का कहना है कि समय रहते ट्रेन रुक जाने से एक बड़ा हादसा टल गया। यदि ट्रेन और तेज गति में होती तो घटना गंभीर रूप ले सकती थी। मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद अप लाइन पर परिचालन बहाल कर दिया गया। इस घटना ने रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था और तकनीकी जांचों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सीआईएसएफ जवान ने नाबालिग की गोली मारकर की हत्या, पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली में एक सीआईएसएफ के हेड कांस्टेबल ने नाबालिग लड़के की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी कांस्टेबल को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही उसके पास से पिस्टल भी बरामद की है। फिलहाल पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने बताया कि 29 नवंबर को एक शख्स से जानकारी मिली कि कम्युनिटी सेंटर डीडीए मार्केट, एमएस पार्क के पास एक बच्चे को गोली मार दी गई है। जानकारी मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। क्राइम टीम को बुलाया गया। जांच में पता चला कि मृतक 17 साल का नाबालिग है, जो न्यू मॉडर्न शाहदरा का रहने वाला था। नाबालिग लड़के को कम्युनिटी सेंटर के सामने हो रही शादी के दौरान गोली लगी थी। इस मामले में आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया है, जो सीआईएसएफ में हेड कांस्टेबल है और अभी कानपुर में तैनात है। उसके पास से एक पिस्टल भी बरामद की गई है। पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में ऐसा लगता है कि लड़के और आरोपी के बीच कहासुनी हुई थी, जिसके बाद आरोपी ने उसे गोली मार दी। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

कट्टरपंथियों की खतरनाक साजिश को बेनकाब करेंगी 12 पीड़ित युवतियां

-दिल्ली में लव जिहाद की शिकार लड़कियां डिटेल में बयां करेंगी अपनी कहानियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत समेत कई देश कट्टरपंथ की साजिश का शिकार हैं। डेमोग्राफिक्स को बदलने की साजिशें रची जा रही हैं। चिंता की बात यह है कि इस मामले में डॉक्टर और इंजीनियर जैसे बहुत पढ़े-लिखे लोग भी इस साजिश में शामिल हैं। इसका उदाहरण लाल किले के पास हुआ आतंकवादी हमला है। इन सबको देखते हुए देश में पहली बार ऐसा इवेंट हो रहा है जैसा पहले कभी नहीं हुआ। आज कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में लव जिहाद की शिकार लड़कियां अपनी कहानियां डिटेल में बताएंगी और इसके तरीकों का खुलासा करेंगी। इस खास इवेंट में दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता और विश्व हिंदू परिषद के स्टेट प्रेसिडेंट कपिल खन्ना खास तौर पर शामिल होंगे। उनके साथ लव जिहाद की शिकार लड़कियों को बचाने वाले लोग भी होंगे। विधिक दिल्ली के मंत्री सुरेंद्र गुप्ता ने बताया कि 12 लड़कियां, खासकर केरल की, जो लव जिहाद की शिकार हुई हैं, अपनी कहानियां बताएंगी, ताकि हर कोई इस साजिश के बारे में जान सके और समय रहते अपनी बेटियों को बचा सके। दिल्ली एनसीआर की चार और पीड़ित भी इस इवेंट में मौजूद रहेंगी। केरल भारत में लव जिहाद का सेंटर है, जहां हजारों लड़कियों को बहला-फुसलाकर इस्लाम कबूल करवाया गया है और फिर उन्हें इस्लामिक देशों में ट्रैफिकिंग के लिए भेज दिया गया।

चारपाई की तरह कड़ा और लचीला, यही संतुलन लोकतंत्र और न्यायपालिका की असली शक्ति

-सीजेआई सूर्यकांत ने की न्यायिक स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक ढांचे की स्वदेशी व्याख्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के सीजेआई सूर्यकांत ने न्यायिक स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक ढांचे की स्वदेशी व्याख्या की है। उन्होंने लोकतंत्र की तुलना एक पारंपरिक चारपाई से की, जहां मजबूत लकड़ी का फ्रेम, टिकाऊ पायों और लचीली लेकिन मजबूत रस्सियों के सहारे एक ऐसा ढांचा तैयार करता है जो कड़ा भी है और लचीला भी। सीजेआई के मुताबिक यही संतुलन भारतीय लोकतंत्र और न्यायपालिका की असली शक्ति है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीजेआई सूर्यकांत हरियाणा में एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस कार्यक्रम में एक अनोखा सत्र आयोजित किया गया था, जिसमें सीजेआई सूर्यकांत की अगुवाई में सुप्रीम कोर्ट के 13 जज केशवानंद भारती केस की ऐतिहासिक बहस का री-एनैक्टमेंट करने के लिए एक साथ मंच पर आए थे। इस सत्र में उस बहस को पुनर्जीवित किया गया जिसने भारतीय संविधान में 'बेसिक स्ट्रक्चर' का सिद्धांत स्थापित किया था।

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि केशवानंद केस में भारत संवैधानिक जीवन के सिर्फ 23वें वर्ष में था। एक ऐसा राष्ट्र जो अपने संस्थानों को परिभाषित कर रहा था, आदर्शवाद और शक्ति के बीच संतुलन साधना सीख रहा था। उन्होंने कहा कि असल सवाल एक सभ्यतागत प्रश्न था- क्या संसद का बड़ा बहुमत संविधान के नैतिक डीएनए को फिर से लिख सकता है?

सीजेआई ने अमेरिका और ब्रिटेन में भी समय-समय पर एक्जीक्यूटिव द्वारा न्यायिक स्वतंत्रता की सीमाएं परखने की बहस का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि केशवानंद केस की 13 जजों की बेंच ने संवैधानिक परिपक्वता और नैतिकता दोनों का रास्ता चुना। उन्होंने संविधान को सुविधा के हिसाब से मोड़ने से इनकार कर दिया। इसी एक संयम ने दिखाया कि लोकतंत्र को बुद्धिमान बनने के लिए बूढ़ा होने की जरूरत नहीं होती।

सुप्रीम कोर्ट की एकमात्र महिला जस्टिस बी वी नागरत्ना ने कहा कि केशवानंद फैसला न्यायपालिका की स्वतंत्रता के दो केंद्रीय पहलुओं को उजागर करता है। पहला- निर्णय लेने में स्वतंत्रता और दूसरा- संस्थागत स्वतंत्रता। जस्टिस नागरत्ना ने यह भी कहा कि न्यायाधीशों का आचरण बेंच पर भी और बेंच से बाहर भी न्यायपालिका की छवि को तय करता है। उनका कहना था कि जज का आचरण सिर्फ कानूनसम्मत नहीं, बल्कि उससे ऊपर होना चाहिए। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि देश की आर्थिक मजबूती तभी सुनिश्चित होती है जब सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक न्याय तीनों मिलकर एक त्रिमूर्ति की तरह संतुलित हों।

महिला विधायक पल्लवी पटेल ने कहा- एसआईआर फॉर्म मैं नहीं भरुंगी, बताई वजह

गोंडा (एजेंसी)। बिहार के बाद अब उत्तर प्रदेश समेत देश के 12 राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य जारी है। इसी बीच अपना दल (कमेरावादी) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और सिराथू विधानसभा सीट से विधायक पल्लवी पटेल ने एसआईआर का विरोध किया है।

विधायक पल्लवी ने स्पष्ट कहा, कि एसआईआर फॉर्म मैं नहीं भरुंगी। ऐसा नहीं करने की उन्होंने वजह भी बताई। महिला विधायक पल्लवी ने गोंडा में पत्रकारों से बातचीत करते हुए, कि एसआईआर फार्म नहीं भरूंगी और मैं इस प्रक्रिया का विरोध करती हूं। उन्होंने सवाल करते हुए कहा, मुझे एसआईआर फार्म क्यों भरना चाहिये? मेरे पास वो सारे दस्तावेज मौजूद है, जो बतलाते है कि मैं भारत की नागरिक हूं। ऐसे में एसआईआर फार्म मुझे क्यों भरना चाहिए? अभी तक सभी चुनाव प्रक्रिया में मैं वोट डालती चली आ रही हूं, तो अब एसआईआर का फार्म क्यों भरू? इसी के साथ ही सिराथू विधायक पल्लवी ने मतदाताओं से अपील की, यदि आपको एसआईआर समझ आए तो भरिये, नहीं आए तो मत भरिये। उन्होंने दावा किया, कि जिस तरह से महिला आरक्षण कागजों में रह गया है, वैसे ही एसआईआर भी जमीन पर नहीं उतरने वाला है। इसी के साथ उन्होंने एसआईआर को सरकार का जुमला बताया और कहा कि इसके जरिए सत्तारूढ़ पार्टी लोकतंत्र पर हमला कर रही है। पल्लवी ने कहा कि विपक्ष इसका विरोध इसलिए कर रही है क्योंकि सरकार की नीयत पर शक है। उन्होंने कहा कि जिस राज्य में उन्हें ज्यादा सीट चाहिए वहां एसआईआर कराया जा रहा है। एसआईआर कार्य में लगे बीएलओ पर अनावश्यक प्रेशर बनाया जा रहा, जो अमानवीय कृत्य है।

एसआईआर प्रक्रिया को लेकर आयोग के रवैये से लोग चिंतित, कुछ तो गड़बड़ है

-पहले भी हुआ है एसआईआर, सचिन पायलट ने चुनाव आयोग पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर निर्वाचन आयोग पर निशाना साधते हुए कहा कि इस प्रक्रिया को लेकर आयोग के रवैये से लोगों के मन में चिंता है। पायलट ने आरोप लगाया कि फील्ड स्टाफ पर अनावश्यक दबाव और जल्दबाजी में समयसीमा तय करने से पता चलता है कि प्रक्रिया में कुछ तो गड़बड़ है।

राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि एसआईआर देश में पहले भी कई बार हुआ है। लेकिन कोई चर्चा नहीं होती थी, लोगों के मन में कोई आशंका नहीं रहती थी। पहली बार निर्वाचन आयोग का जो रवैया रहा है। उससे लोगों के मन में चिंता है। पायलट ने आरोप लगाते हुए कहा कि बिहार में लोगों के नाम काटे गए। कई राज्यों में लोग तनाव में हैं, और कुछ तो इस दबाव के कारण आत्महत्या भी कर रहे हैं। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि कुछ गड़बड़ हो रही है।

सचिन पायलट ने कहा कि निर्वाचन आयोग को निष्पक्ष संस्था के रूप में काम करना चाहिए, क्योंकि मतदाता सूची के शुद्धिकरण का काम निर्वाचन आयोग का है, किसी राजनीतिक दल का नहीं। पायलट ने कहा कि कांग्रेस देश भर में अभियान चला रही है ताकि यह तय किया जा सके कि कोई भी नागरिक अपने मतदान के अधिकार से वंचित न हो। उन्होंने कहा कि हम यह तय करना चाहते हैं कि गरीब लोग, दलित, आदिवासी और बुजुर्ग जागरूकता की कमी के कारण या किसी के द्वारा उनका नाम हटाने की मंशा के कारण मतदान के अपने संवैधानिक अधिकार से वंचित न हों।

उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग को निष्पक्षता से काम करना चाहिए और यदि विचारधारा, सरकार और नेता के दबाव में काम करेंगे तो यह जनता और कांग्रेस पार्टी को स्वीकार नहीं होगा।

राहत सामग्री लेकर कोलंबो पहुंचे भारतीय विमान, फंसे हुए भारतीयों को वापस भी लाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका में चक्रवात दित्वाह ने जमकर तबाही मचाई। इसमें करीब 150 लोगों की जान चली गई। कुछ भारतीय भी यहां फंसे हुए हैं। केंद्र की मोदी सरकार ने तत्काल ऑपरेशन सागर बंधु की शुरुआत की और मदद के लिए हाथ बढ़ाया। वायुसेना के मुताबिक दिल्ली के निकट हिंडन एयर बेस से सी-130 और आईएल-76 विमान राहत सामग्री लेकर श्रीलंका के लिए रवाना हुए हैं। इन विमानों में 21 टन राहत सामग्री, 80 से अधिक एनडीआरएफ कर्मी और 8 टन उपकरण हैं। रविवार सुबह को दी गई जानकारी में वायुसेना ने बताया कि राहत सामग्री लेकर निकले इन विमानों ने कोलंबो में लैंड किया है। भारतीय वायुसेना के विमानों के जरिए न केवल राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है, बल्कि एनडीआरएफ की रेस्क्यू टीम श्रीलंका में फंसे भारतीयों को सुरक्षित निकालने की कोशिशों में लगी हुई है। इसके अलावा तमिलनाडु में भी राहत और बचाव की कार्रवाई तेज कर दी गई है।

वायुसेना के अनुसार श्रीलंका में मदद के लिए भेजी गई सामग्री में आवश्यक राशन, दवाइयां, मेडिकल किट, भिन्न क्यूब्स और अन्य आपदा राहत उपकरण शामिल हैं। वहीं, 17 ग्लोबमास्टर ने पुणे से चेन्नई तक एक और एनडीआरएफ टीम तथा भारी उपकरण पहुंचाए हैं। यह अभियान इसलिए शुरू किया गया है ताकि दक्षिण भारत के तटीय क्षेत्रों में भी राहत प्रयासों को तेज किया जा सके।

30 नवंबर की सुबह हिंडन एयरबेस से एक सी-130 विमान राहत सामग्री लेकर रवाना हुआ। वहीं आईएल-76 विमान पहले ही कोलंबो पहुंच चुका था। यह दल विमान से राहत सामग्री उतारने के साथ-साथ फंसे हुए भारतीय नागरिकों को वापस लाने का काम भी करेगा। अतिरिक्त सहायता के तौर पर एक और सी-17 विमान वडोदरा में एनडीआरएफ टीम और उनके उपकरणों के साथ लोड किया जा रहा है, जिसे चेन्नई भेजा जाएगा। सभी एयरलिफ्ट मिशन लगातार संचालित हैं ताकि श्रीलंका एवं तमिलनाडु दोनों स्थानों पर समयबद्ध सहायता सुनिश्चित की जा सके। यह मानवीय सहायता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। भारतीय वायुसेना ने स्पष्ट किया है कि वह जीवन बचाने और संकटग्रस्त पड़ोसी देशों को हर संभव समय पर सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। ऑपरेशन सागर बंधु, भारत व श्रीलंका की मैत्री और क्षेत्रीय सहयोग का संवेदनशील और मानवीय उदाहरण बनकर सामने आया है।

भारतीय वायुसेना के विमान यहां आवश्यक उपकरण एवं राहतकर्मियों को लेकर पहुंचे हैं। भारत ने 'पड़ोसी प्रथम' की भावना को दोहराते हुए आपदा में लोगों को राहत पहुंचाने की पहल की है। भारतीय वायुसेना के विमान व हेलीकॉप्टर बड़े पैमाने पर मानवीय सहायता पहुंचाने और आपदा राहत अभियान में जुटे हुए हैं। इस पूरे अभियान को ऑपरेशन सागर बंधु नाम दिया गया है। ऑपरेशन सागर बंधु के तहत तत्काल बचाव अभियान को अंजाम देने वाले दल की तैनाती और राहत सामग्री की आपूर्ति की जा रही है। भारतीय वायुसेना ने राहत कार्यों की गति तेज करने के लिए कोलंबो में एमआई-17 वी5 हेलीकॉप्टर तैनात किए हैं। इससे तेजी से प्रभावित क्षेत्रों में सहायता पहुंचाई जा सकेगी। इसी के साथ, बड़े पैमाने पर भारतीय नागरिकों की सुरक्षित निकासी के लिए वायुसेना के सी-17, सी-130 और आईएल-76 परिवहन विमान तैयार रखे गए हैं। वायुसेना की ओर से साझा जानकारी के अनुसार 29 नवंबर की रात सी-130 और आईएल-76 विमान हिंडन एयर बेस से रवाना हुए। इन विमानों में 21 टन राहत सामग्री व 80 से अधिक एनडीआरएफ के कर्मी मौजूद थे। इसके अलावा, बाढ़ व तूफान आदि के कारण जटिल इलाकों में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए विशिष्ट उपकरण भेजे गए हैं।

राजनीति से संन्यास लेकर बोले अवध ओझा: अब जो मन में आएगा, वही बोलूंगा...

नई दिल्ली (एजेंसी)। मशहूर मोटिवेशनल स्पीकर और शिक्षक अवध ओझा ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में मात्र एक पारी खेली और उसके तुरंत बाद राजनीति से संन्यास ले लिया। अब वे फिर से अपनी पुरानी आजादी में लौट आए हैं और इसे लेकर बेहद खुश नजर आ रहे हैं। हाल ही में एक पॉडकास्ट में उन्होंने खुलकर बताया कि राजनीतिक दल में रहते हुए उन्हें जो 'बोलने की बंदिश' लगी थी, उससे मुक्ति मिलने का अहसास है कि अब वे बिना किसी दबाव के जो मन में आएगा, वही बोलेंगे।

अवध ओझा ने साफ कहा, मैं अब राजनीति ही नहीं करूंगा। बहुत दूर रहूंगा, बहुत खुश हूं। पहली बात तो बोलना बंद हो गया था। पार्टी लाइन के बाहर कुछ नहीं बोल सकते। ये नहीं बोल सकते, वो नहीं बोल सकते। हम बोलेंगे नहीं तो मर जाएंगे। अब मैं इतना अच्छा महसूस कर रहा हूं। अब कोई फोन करके नहीं कहेगा कि ये बोलो, वो मत बोलो। अब तो बस वही बोलेंगे जो दिल कहेगा।

उन्होंने उस वायरल इंटरव्यू का भी जिक्र किया जिसमें आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बीच में दखल देकर इंटरव्यू रुकवा दिया था।

मजबूरन ओझा को कैमरे पर कहना पड़ा था कि पार्टी लाइन वही लोग तय करेंगे, मैं उसी के मुताबिक बोल सकता हूं। उस घटना को याद करते हुए ओझा ने हंसते हुए कहा, अच्छा बता भी वो इंटरव्यू कितना अच्छा चल रहा था। बीच में रोक दिया। भगवान बचाए राजनीति से दादा!

भाजपा में जाने की अटकलों पर भी उन्होंने पूरी तरह विराम लगा दिया। स्पष्ट शब्दों में बोले, 'न "मैं कहीं टिकट नहीं मांगूंगा। राजनीति से पूरी तरह दूर रहूंगा। चुनावी खर्च के सवाल पर मुस्कुराते हुए जवाब दिया, मेरा खुद का एक रुपया नहीं लगा। सारे दोस्तों, मित्रों और शुभचिंतकों ने दिया। दिल्ली विधानसभा चुनाव से ठीक पहले अवध ओझा ने आम आदमी पार्टी ज्वाइन की थी। पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की खाली हुई पटपड़गंज सीट से उन्होंने चुनाव लड़ा, लेकिन हार गए। हार के बाद से ही वे पार्टी के किसी कार्यक्रम में नजर नहीं आए और धीरे-धीरे कोचिंग क्लासेस में वापस लौट गए। पिछले दिनों उन्होंने औपचारिक रूप से राजनीति से संन्यास की घोषणा कर दी। उन्होंने कहा कि महज चुनाव लड़ने की उत्कंठा और जिज्ञासा की वजह से वे राजनीति में आए थे, लेकिन एक बार मैदान में उतरने के बाद अहसास हुआ कि यह उनका क्षेत्र नहीं है। अब अवध ओझा फिर से अपनी कोचिंग और मोटिवेशनल स्पीच में पूरी तरह व्यस्त हो चुके हैं। उनके प्रशंसक भी उनकी इस वापसी से खुश हैं, क्योंकि एक बार फिर वही बेबाक, बिंदास और बिना किसी लाइन के बोलने वाला अवध ओझा लौट आया है।

आज के भारतीय तो अपनी मातृभाषा के शब्द भी नहीं जानते: मोहन भागवत

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने मातृभाषाओं के उपयोग को लेकर गंभीर चिंता जताई है। नागपुर में एक पुस्तक विमोचन के अवसर पर बोलते हुए भागवत ने कहा, कि आज बहुत से भारतीय अपनी मातृभाषा के शब्द भी नहीं जानते हैं और अंग्रेजी के मिश्रण से संवाद करते हैं। उनका कहना है कि इस प्रकार हमारी भाषायी विरासत का क्षय हो रहा है।

यहां भागवत ने कहा, एक समय था जब रोजमर्रा की भाषा में संस्कृत का प्रयोग आम था। अब हाल यह है कि अमेरिका के प्रोफेसर हमें संस्कृत पढ़ाते हैं। उन्होंने मातृभाषा के अभ्यास और ज्ञान पर जोर देते हुए कहा कि बच्चों को अपनी भाषा की समझ होनी चाहिए। भागवत ने उदाहरण देते हुए कहा कि संत ज्ञानेश्वर ने भगवद्गीता को मराठी में प्रचारित किया, जिससे भाषा और संस्कृति की गहराई समझ में आती है। आरएसएस प्रमुख ने अंग्रेजी शब्दों की सीमा पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी भावनाओं और सांस्कृतिक अर्थों की गहराई को पकड़ नहीं पाती। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि कल्पवृक्ष के लिए अंग्रेजी में कई शब्द हैं, लेकिन कोई भी इसका वास्तविक अर्थ नहीं बता सकता। उनका कहना है कि विदेशी भाषाएं हमारी संस्कृति की पूर्ण गहराई तक नहीं पहुंच सकतीं। इसी के साथ भागवत ने मातृभाषाओं को सीखने और मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय दर्शन विविधता में एकता की भावना को महत्व देता है, और इसी आधार पर भाषायी चेतना को बढ़ावा देना जरूरी है।

चुनाव आयोग और टीएमसी में टकराव: पश्चिम बंगाल में सियासी जंग का जरिया बना एसआईआर

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग द्वारा चलाया जा रहा विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान अब पूरी तरह राजनीतिक जंग का मैदान बन चुका है। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर खुलेआम हमला बोलते हुए आरोप लगाया है कि एसआईआर के नाम पर राज्य में लाखों वैध मतदाताओं के नाम काटे जा रहे हैं, खासकर सीमावर्ती इलाकों में बांग्लादेशी घुसपैठियों को बाहर निकालने की आड़ में अल्पसंख्यक और गरीब वोटरों को निशाना बनाया जा रहा है।

टीएमसी का सबसे गंभीर आरोप यह है कि एसआईआर शुरू होने के बाद से अब तक राज्य में 40 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें कई बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) भी शामिल हैं। पार्टी ने शुक्रवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मुलाकात कर पांच सवाल पूछे, लेकिन एक का भी जवाब नहीं मिलने का दावा किया। राज्यसभा सांसद डेरेक ओ'ब्रायन ने कहा, हम एसआईआर का विरोध नहीं कर रहे, बल्कि इसके अमानवीय और अव्यवस्थित तरीके का विरोध कर रहे हैं। चुनाव आयोग के हाथ खून से रंगे हैं।

वहीं, चुनाव आयोग ने टीएमसी के सभी आरोपों को खारिज करते हुए इन्हें निराधार और राजनीति से प्रेरित बताया है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने साफ कहा कि बीएलओ पर दबाव काम का नहीं, बल्कि स्थानीय टीएमसी कार्यकर्ताओं की धमकियों और दबाव का नतीजा है। आयोग का दावा है कि तृणमूल नहीं चाहती कि मृत, स्थानांतरित, डुप्लीकेट या अवैध (खासकर बांग्लादेशी) मतदाताओं के नाम हटाए जाएं, क्योंकि ये उनके वोट बैंक का हिस्सा हैं। आयोग ने पश्चिम बंगाल के डीजीपी और कोलकाता पुलिस कमिश्नर को तुरंत पत्र लिखकर सभी बीएलओ की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आदेश दिया है। हाल ही में सीईओ कार्यालय में सुरक्षा चूक की घटना के बाद आयोग ने कार्यालय को अधिक सुरक्षित जगह पर शिफ्ट करने और मौजूदा भवन की सुरक्षा बढ़ाने को कहा है।

टकराव को और गहरा करने के लिए चुनाव आयोग ने बड़ा कदम उठाया है। सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी सुब्रत गुप्ता (1990 बैच, पश्चिम बंगाल कैडर) को 'स्पेशल रोल ऑब्जर्वर' नियुक्त किया गया है। इसके अलावा 12 अन्य आईएएस अधिकारियों को 'इलेक्टोरल रोल ऑब्जर्वर' बनाया गया है। ये अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची से बाहर न रहे और कोई अपात्र (विदेशी) व्यक्ति सूची में शामिल न हो।

चुनाव आयोग ने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि स्लम, ऊंची इमारतों और कॉलोनियों में भी मतदान केंद्र बनाए जाएं, जैसा पूरे देश में होता है। टीएमसी की आपत्तियों को दरकिनार करते हुए आयोग ने चेतावनी दी है कि निर्देशों का पालन न करने पर कठोर कार्रवाई होगी। सीमावर्ती जिलों से लगातार वीडियो और तस्वीरें वायरल हो रही हैं, जिनमें लोग कथित तौर पर भारत-बांग्लादेश सीमा पार करते दिख रहे हैं। टीएमसी इसे -वोट काटने की साजिश- बता रही है, जबकि ईसी का कहना है कि यह घुसपैठिए वापस अपने देश जा रहे हैं, क्योंकि अब उनका नाम वोटर लिस्ट में नहीं रहेगा। फिलहाल दोनों पक्ष अपनी-अपनी जगह अड़े हुए हैं। एक तरफ ममता बनर्जी और टीएमसी सड़क से संसद तक आंदोलन की धमकी दे रहे हैं, तो दूसरी तरफ चुनाव आयोग संविधान के अनुच्छेद 326 का हवाला देकर साफ कर रहा है - वोट का अधिकार सिर्फ भारतीय नागरिक को है, किसी विदेशी को नहीं। आने वाले दिनों में यह टकराव और भयंकर रूप ले सकता है।